{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 30 दिसम्बर 2025
पौस शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 98
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	–	84,695.54
निफ्टी	–	25,942.10
सोना	–	1,39,250
चांदी	–	2,58,000
डॉलर	–	89.88

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

स्पेशल रिपोर्ट : भविष्य का चेरनोबिल तैयार हो रहा बालाघाट से 80 किलोमीटर दूर : अंतिम किश्त

चेतावनी : चुटका के रूप में भविष्य के लिए एक और चेरनोबिल तैयार हो रहा !!

चुटका परियोजना-2 : औचित्य पर उठते सवाल और खतरे की आहट का प्रश्न

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़। बालाघाट

वर्ष 1997 के मई महीने में नर्मदा किनारे के इस क्षेत्र में 6.4 रिक्टर स्केल का अति विनाशकारी भूकंप आया था. उस भूकंप ने बालाघाट जिले में भी काफ़ी असर डाला था. कान्हा और बैहर, परसवाड़ा के इलाके सर्वाधिक प्रभावित थे. इस परमाणु बिजली घर के लिए सबसे बड़ा ख़तरा यहाँ की भूकंपीय पट्टी ही है. जो ख़तरे का स्पष्ट संकेत है. तब की स्थिति में बिजलीघर के नष्ट होने से परमाणु विकिरण तेजी से फैलेगा और सैकड़ों किलोमीटर का इलाका विकीरण का शिकार होगा. विशेषज्ञयों का यही डर है।

बताते हैं कि जिस समय इस परियोजना को मंज़ूरी मिली तब सौर ऊर्जा से बिजली पैदा करना महंगा था, अब स्थिति बदल गई है।

चालीस साल पहले मध्य प्रदेश के सिवनी जिला अंतर्गत चुटका सहित 54 गांव बरगी बांध के कारण विस्थापित हुए थे। अब इन गांवों पर चुटका परमाणु विद्युत परियोजना से विस्थापित होने की तलवार लटक रही है। आखिर कितनी बार कोई आदिवासी अपने घर-द्वार-जल-जंगल और जमीन छोड़ेगा? 'पदमेश न्यूज़' ने चुटका सहित कुल 11 गांवों में जाकर आदिवासियों के उजड़ने और फिर बसने की पीड़ा जानने की कोशिश की। उनके चेहरों पर उजड़ने का डर नहीं अब गुस्सा है। यह गुस्सा चिंगारी बनकर कभी भी भड़क सकता है। पढ़ें -

इस रिपोर्ट की पहली कड़ी में आपने पढ़ा, 54 गांवों में क्यों पसरा है आतंक का साया? । आपने पढ़ा, ग्राम सभा की इजाजत तक नहीं ली गई । पढ़ें, यह दूसरी व अंतिम कड़ी-

इसी इलाके के कुंडा गांव के बाबूलाल ने कहा कि हम 13 ग्रामीण रावतभाटा (राजस्थान) परमाणु बिजली घर के

आसपास के प्रभावों को देखने गए। वहां हमने जानबूझ कर उस गांव में गए, जिसे एनपीसीआईएल ने आदर्श पुनर्वास करने के लिए गोद लिया था। लेकिन जब हमने देखा कि प्रभावित नली खेड़ा गांव की हालत बेहद खराब है। टीबी और कुपोषण गांव में फैला हुआ है। आवागमन के कोई साधन नहीं है। हालात ये हैं कि इस गांव का हर नागरिक सुबह उठते ही कोई न कोई दवा खाता है। दादू लाल ने बताया कि हमारी इस गतिविधि की भनक पाकर एनपीसीआईएल के अधिकारियों ने कहा हम आपको तारापुर परमाणु बिजली (पालघर, महाराष्ट्र) घर के पास के गांव में ले जाएंगे। वहां देखिए हमने अच्छा काम किया है। तब हमारे यहां से सात लोग गए लेकिन कंपनी ने पहले तो प्रभावित गांवों में ले जाने से मना कर दिया लेकिन जब ग्रामीण अड़ गए तो ले गए। लेकिन यहां भी एक और नली खेड़ा ही दिखाई पड़ा।

चुटका गांव में 6 साल पूर्व (सितंबर, 2019) में एक अल सुबह गांव वालों ने देखा कि गांव के एक छोर पर मशीन ड्रिलिंग कर रही है और यह काम गांव के बाहरी लोग कर रहे हैं। आनन-फानन में सभी ग्रामीण जुहा गए और बाहरी लोगों से पूछताछ करने लगे। इस संबंध में कुंडापे ने उस गड्ढे की ओर इशारा करते हुए बताया कि जहां ड्रिलिंग की जा रही थी, पूछताछ की तो बाहरी लोगों ने कहा कि हम यहां की मिट्टी का निरीक्षण करने के लिए नमूना ले रहे हैं। गांव वालों के विरोध के चलते वे अपनी मशीन आदि छोड़-छाड़कर भाग खड़े हुए।

न्यूक्लियर प्लांट के चुटका गांव की मीरा बाई बताती हैं कि सरकार हमें यहां से हटाने के नए-नए पैंतरे अपनाती रहती है। सरकार मंडला जिले से लगे बरेला रेंज, बीजाडांडी रेंज, कालपी रेंज और टिकैया रेंज के जंगलों में अब टाइगर प्रोजेक्ट बना रही है। इस संबंध में मीरा बाई के पास ही खड़े दूसरे प्रभावित कुंडा गांव के मुन्ना बर्मन ने सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा,असल में इन जंगलों में वैसे तो एक लोमड़ी भी नहीं है लेकिन सरकारी मंशा यह है कि इस प्रोजेक्ट के बहाने वह आदिवासियों को इन जंगलों में जाने से रोकने में वह सफल होगी। दरअसल न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट संवेदनशील होता है और प्रोजेक्ट एरिया में किसी को जाने नहीं दिया जाता है। इसी के तहत जंगलों को अब टाइगर प्रोजेक्ट बनाया जा रहा है कि ताकि आदिवासियों को उस इलाके में जाने से रोका जा सके।

परियोजना का औचित्य

पिछले 20 सालों से चुटका परमाणु विद्युत परियोजना के खिलाफ आदिवासियों की जंग में साथ देने वाले 'बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ' के वरिष्ठ कार्यकर्ता सिन्हा राजकुमार तो सीधे इस परियोजना के निर्माण के औचित्य पर ही सवाल उठाते हैं। उन्होंने बताया, 'मध्य प्रदेश में बिजली की औसत मांग 8 से 9 हजार मेगावाट है तथा रबी फसल की सिंचाई के समय उच्चतम मांग 11 हजार 500 मेगावाट रहती है, जबकि उपलब्धता 18 हजार 364 मेगावाट अर्थात प्रदेश में मांग से ज्यादा बिजली उपलब्ध है। इसके बावजूद नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध से विस्थापित चुटका गांव में परमाणु ऊर्जा परियोजना प्रस्तावित की गई है।'

संयुक्त राष्ट्र जलवायु तकनीकी नेटवर्क के सलाहकार बोर्ड के सदस्य व परियोजना प्रभावितों को तकनीकी मदद मुहैया करने वाले सौम्य दत्ता ने बताया, जिस समय इस परियोजना को मंज़ूरी मिली तब सौर ऊर्जा से बिजली पैदा करना महंगा था, अब स्थिति बदल गई है। इस बिजली घर के लिए सबसे बड़ा खतरा यहां की भूकंपीय पट्टी है। कुछ अरसा पहले भोपाल के आपदा प्रबन्धन संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार मंडला जिले की टिकरिया बस्ती के आसपास का क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील बताया गया है। वर्ष 1997 में नर्मदा किनारे के इस क्षेत्र में 6.4 रिक्टर स्केल का विनाशकारी भूकंप आ भी चुका है। इस संबंध में सिन्हां कहते हैं कि ऐसे में यहां अतिसंवेदशील परमाणु बिजली घर का निर्माण का मतलब होगा भविष्य के लिए और चेर्नोबिल तैयार करना।

राजकुमार सिन्हा, बरगी बांध विस्थापित संघ

'पद्मेश न्यूज' से इस बातचीत के अंत में दत्ता कहते हैं न्यूक्लियर प्लांट के लिए उसी जगह को चुनने की खास वजह यह है कि न्यूक्लियर पावर प्लांट को भारी मात्रा में पानी की जरूरत होती है। चुटका में पर्याप्त पानी मौजूद है। दूसरी वजह है कि वहां उन्हें अकूत खाली जमीन दिखती है। हालांकि, जमीन तो खाली नहीं है। वो जमीन आदिवासियों की है। इस पर सरकारी सोच है कि आदिवासी गांव ही तो हैं, उन्हें हटाने में कितना वक्त लगेगा? **शेष पृष्ठ 11 पर...**

सौम्या दत्ता जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ

खास खबर

लेडी ड्रग अफसर बनीं ब्यूटी क्वीन

मोहाली। पंजाब की लेडी ड्रग कंट्रोलर अफसर नवदीप कौर ने ड्यूटी के साथ-साथ फैशन की दुनिया में भी पंजाब के साथ ही देश को पहचान दिलाई है। उन्होंने गोवा में हुए सुप्रा मिसेज नेशनल 2025 कांटेस्ट में भारत को रिप्रजेंट करते हुए फर्स्ट रनर-अप का खिताब अपने नाम किया है। उनका दावा है कि यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह भारतीय महिला है। उनका यह सफर काफी संघर्षपूर्ण और चुनौतीपूर्ण रहा है। एक समय ऐसा भी आया जब वह पूरी तरह बेड पर आ गई थीं। रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें छह महीने तक बेड पर रहना पड़ा।

मध्य प्रदेश में बढ़ेगा बसों का किराया!

भोपाल। मध्य प्रदेश में सुगम परिवहन सेवा को अगले वर्ष अप्रैल से इंदौर में शुरू करने से पहले बस किरायों में बढ़ोतरी की तैयारी की जा रही है। वर्तमान में सामान्य बसों के लिए पहले किलोमीटर का किराया सात रुपये और इसके बाद प्रति किलोमीटर 1.25 रुपये निर्धारित है, जबकि डीलक्स बसों में डेढ़ रुपये प्रति किलोमीटर किराया लिया जाता है। बस संचालकों ने सामान्य बसों के किराये को दो रुपये प्रति किलोमीटर तक बढ़ाने की मांग की है।

कुछ ना कहना

अरावली केस में अपने ही फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली। अरावली पर्वतमाला को लेकर उठे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही आदेश (20 नवंबर को जारी) पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई 21 जनवरी 2026 को होगी, तब तक खनन भी नहीं होगा। कोर्ट ने कहा है कि एक्सपर्ट कमेटी गठित की जाए, जो जांच करेगी। यह कमेटी मौजूदा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण करेगी। इसके बाद संबंधित मुद्दों पर कोर्ट को सुझाव देगी।

कोर्ट ने केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर अपने स्वत संज्ञान मामले पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी है। सोमवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और एजी मसीह की अवकाशकालीन पीठ ने अरावली केस की सुनवाई की। सीजेआईसूर्यकांत ने निर्देश दिया है कि विशेषज्ञ समिति की सिफारिशें और उन पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गई आगे की टिप्पणियां फिलहाल स्थगित रहेंगी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया जाएगा।

गलतफहमियां फैलाई जा रहीं

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि इस मामले में अदालत के आदेशों, सरकार की भूमिका और पूरी प्रक्रिया को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। इन्हीं भ्रमों को दूर करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार भी किया था।

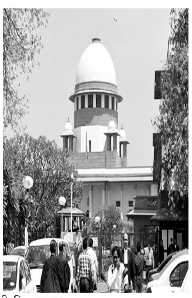

अदालत की टिप्पणियों का गलत अर्थ निकाला जा रहा

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत की भी यही भावना है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और उसके आधार पर अदालत द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गलत अर्थ निकाले जा रहे हैं। सीजेआई ने संकेत दिया कि इन गलत धारणाओं को दूर करने के लिए स्पष्टीकरण की जरूरत पड़ सकती है, ताकि अदालत की मंशा और निष्कर्षों को लेकर कोई भ्रम न रहे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट या अदालत के फैसले को लागू करने से पहले एक निष्पक्ष और स्वतंत्र मूल्यांकन जरूरी है, ताकि कई अहम सवालों पर स्पष्ट दिशा मिल सके।

पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त ने रोक दिया सुनवाई का काम

नियम और अधिकार पर बवाल

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को लेकर एक बड़ा संवैधानिक और प्रशासनिक विवाद सामने आया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के बीच नियमों और अधिकार क्षेत्र को लेकर टकराव खुलकर सामने आ गया है। इस विवाद की जड़ में केंद्रीय चुनाव आयोग के सेंट्रल सॉफ्टवेयर की वह तकनीकी खामी है, जिसके चलते 31 से 32 लाख मतदाताओं को 'अनमैप्ड' घोषित किया गया है।

दरअसल, केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देश पर 16 दिसंबर 2025 को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में पश्चिम बंगाल से 58 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इनमें मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित बताए गए मतदाता शामिल थे। इसी प्रक्रिया में करीब 31–32 लाख मतदाता ऐसे पाए गए, जिनका नाम 2002 की मतदाता सूची से सॉफ्टवेयर के माध्यम से लिंक नहीं हो पाया, उन्हें 'अनमैप्ड' की श्रेणी में डाल दिया गया था। इन्हें केंद्रीय चुनाव आयोग के पोर्टल से नोटिस भी जारी हो गए थे।

केंद्रीय चुनाव आयोग ने इन अनमैप्ड मतदाताओं के लिए व्यक्तिगत सुनवाई का आदेश दिया था। जिसकी शुरुआत 27 दिसंबर से राज्य के 3200 से अधिक केंद्रों पर शुरू हुई। जिन लोगों के नाम हटाए गए थे उनके नाम 2002 की मतदाता सूची में लिंक हो रहे थे।

उन्नाव रेप केस में सुप्रीम कोर्ट से पीड़िता को राहत

नई दिल्ली। उन्नाव रेप केस में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता को राहत प्रदान करते हुए हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों वाली बेंच ने सीबीआई की उस याचिका पर सुनवाई की जिसमें दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसने उन्नाव रेप केस में पूर्व भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को सस्पेंड करते हुए जमानत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें 2017 के उन्नाव रेप केस में एक नाबालिग लड़की से रेप मामले में बीजेपी के पूर्व नेता कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सज़ा को सस्पेंड कर दिया गया था। यही नहीं कोर्ट ने सेंगर की जमानत भी मंजूर की थी।

नए साल में वाहन चालकों को तोहफा देने वाले हैं गडकरी...टोल प्लाजा पर रुकने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली। अगले साल से एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरुरत नहीं होगी। दरअसल सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय नए साल से कैमरा आधारित टोलिंग सिस्टम लागू करेगा, जिसके तहत चलते वाहन से ही टोल शुल्क वसूला जाएगा। सड़क मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, इस नई व्यवस्था की शुरुआत पहले उन एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे से की जाएगी, जहां ट्रैफिक ज्यादा रहता है, या जहां टोल प्लाजा आपस में काफी नजदीक बने हैं।

फिलहाल देश में करीब 1.5 लाख किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे नेटवर्क में से करीब 45 हजार किलोमीटर पर टोल वसूला जा रहा है। देशभर में 1000 से ज्यादा टोल प्लाजा मौजूद हैं। इसमें से कई टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे यात्रियों को काफी समय तक इंतजार करना पड़ता है। खासतौर पर पीक आवर्स और त्यौहारों के दौरान टोल प्लाजा पर जाम की स्थिति बनाती है। इसी समस्या से निजात दिलाने के लिए मंत्रालय कैमरा बेस्ड टोलिंग सिस्टम शुरू करने जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के मंत्रालय की योजना के तहत धीरे-धीरे पारंपरिक टोल बैरियर हटाए जाएंगे और उनकी जगह ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकगनिशन यानी एएनपीआर तकनीक को लागू किया जाएगा। इस तकनीक में हाई-रेजोल्यूशन कैमरे वाहनों की नंबर प्लेट को पढ़ते हैं और इसी के तहत टोल की गणना की जाती है। मंत्रालय का कहना है कि इस तरह की टोलिंग व्यवस्था कई देशों में पहले से लागू है और इसके नतीजे काफी प्रभावी रहे हैं, इसलिए भारत में भी इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

इस सिस्टम के लागू होने के बाद टोल चुकाने के लिए वाहन को धीमा करने या रोकने की जरूरत नहीं होगी। जैसे ही वाहन कैमरे के दायरे से गुजरेगा, उसकी नंबर प्लेट की तस्वीर ली जाएगी। चूंकि वाहन की नंबर प्लेट फास्टैग से जुड़ी होती है, इसलिए टोल की राशि अपने आप खाते से कट जाएगी। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर इसी तरह की व्यवस्था पहले से लागू है, जहां बिना रुके टोल वसूली हो रही है। कैमरा आधारित टोलिंग सिस्टम की शुरुआत सबसे पहले उन टोल प्लाजा से की जाएगी, जहां ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है और टोल कनेक्शन अधिक हैं। इसके अलावा, जिन नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर टोल प्लाजा बहुत पास-पास बने हैं, वहां इसतरह के प्लाजा हटाने की भी योजना है, ताकि वाहन चालकों को बार-बार रुकना न पड़े। मंत्रालय का मानना है कि इस नई व्यवस्था से न सिर्फ समय की बचत होगी, बल्कि जाम और ईंधन की खपत भी कम होगी।

क्या किसी कंपनी का प्रमुख प्रदूषण की वजह से इस्तीफा दे सकता है?

नई दिल्ली। क्या किसी कंपनी का प्रमुख प्रदूषण की वजह से इस्तीफा दे सकता है? जवाब है हां और ऐसा दिल्ली में हुआ है। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स के वित्त अध्यक्ष (प्रेसिडेंट ऑफ फाइनेंस) राजकुमार बाफना ने दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण स्तर का हवाला देकर कंपनी को अपना इस्तीफा दे दिया। बाफना ने अपने इस्तीफे में कहा, मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि दिल्ली में प्रदूषण के स्तर के कारण मैं वित्त अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे रहा हूं। कृपया मुझे जल्द से जल्द कार्यमुक्त करें। वहीं कंपनी के चीफ फाइनेंसियल ऑफिसर सुमीत सूद ने बाफना को एक पत्र लिखा है। इसमें कंपनी ने कथित तौर पर कहा कि कंपनी उनके फैसले पर अफसोस होगा लेकिन बाफना को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है और इसकारण उन्हें पद पर बने रहने के लिए राजी नहीं किया जा सकता। बाफना ने 8 अगस्त, 2025 को एकम्स ड्रग्स में प्रेसिडेंट ऑफ फाइनेंस का पद संभाला था। एकुम्स में शामिल होने से पहले, उन्होंने हेरानबा इंडस्ट्रीज लिमिटेड में प्रमुख प्रबंधकीय स्टाफ के रूप में काम किया था। इस एग्रोकेमिकल कंपनी के साथ उन्होंने चार सालों तक काम किया। इसके बाद उन्होंने 30 जून, 2025 को उस पद से इस्तीफा दे दिया था और एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स में नौकरी की। पिछले कुछ हफ्तों में दिल्ली में जहरीले धुंध की लहरें बढ़ी हैं और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार खतरनाक कैटेगरी में बना हुआ है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज या (जीबीडी) डेटा के आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषित हवा 2023 में होने वाली सभी मौतों में से 15 प्रतिशत से जुड़ी हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट से उन्नाव पीड़िता को मिला न्याय

कुलदीप सेंगर को जेल में ही रहना होगा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने संबंधी दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका परसेंगर को नोटिस भेजा है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने सेंगर को दी गई जमानत/सजा निलंबन पर अंतरिम रोक लगा दी, जिससे हाई कोर्ट का आदेश फिलहाल प्रभावहीन हो गया है।

सोमवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन सदस्यीय अवकाशकालीन पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। अदालत ने सीबीआई की दलीलों पर प्रारंभिक सहमति जताते हुए कुलदीप सिंह सेंगर को नोटिस जारी किया और उससे जवाब मांगा है। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में दिल्ली हाई कोर्ट के 23 दिसंबर के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने यह कहते हुए राहत दी थी कि सेंगर अब तक सात साल पांच महीने की सजा काट चुका है और उसकी अपील लंबित है।

सीबीआई ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट का यह कहना गलत है कि अपराध के समय विधायक रहा सेंगर लोकसेवक नहीं था। एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के एल.के. आडवाणी मामले के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सांसद या विधायक जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति को लोकसेवक माना जाता है और उस पर समाज व राज्य के प्रति अधिक जिम्मेदारी होती है। गौरतलब है कि हालांकि दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद सेंगर जेल में ही रहने वाला था, क्योंकि वह पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत के मामले में 10 साल की सजा भी काट रहा है और उस प्रकरण में उसे जमानत नहीं मिली है। अब सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद उन्नाव बलात्कार मामले में उसे मिली राहत पर भी पूरी तरह विराम लग गया है।

केंद्रीय बैंक शाखा की अव्यवस्था से परेशान किसान

बैठने, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी बनी परेशानी का कारण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में किसानों की समस्याएँ थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जिले के हर क्षेत्र में किसान अलग-अलग परेशानियों का सामना कर रहे हैं। इन दिनों जिले में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी जोर-शोर से जारी है। किसानों ने अपनी उपज समय पर गोदामों में पहुंचा दी है और खरीदी का भुगतान भी उनके बैंक खातों में भेजा जा चुका है। बावजूद इसके, किसानों की परेशानियाँ खत्म नहीं हुई हैं। पहले धान बेचने के दौरान कई किसानों को लंबी कतारों और असुविधाओं का सामना करना पड़ा। अब भुगतान मिलने के बाद भी उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। किसान बताते हैं कि भुगतान की प्रक्रिया में देरी, तकनीकी समस्याएँ और गोदाम में आने-जाने की कठिनाई उनके लिए चिंता का सबब बनी हुई है। इस कारण न केवल उनकी मेहनत का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है, बल्कि आर्थिक तंगी का सामना भी करना पड़ रहा है। मुख्यालय की सर्किट हाउस रोड स्थित केंद्रीय बैंक शाखा में किसानों को भुगतान पाने के लिए हर बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में समर्थन मूल्य पर बेची गई धान का भुगतान लेने आए किसानों के लिए न तो बैठने की कोई उचित व्यवस्था है और न ही पेयजल व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके चलते न केवल पुरुष किसान बल्कि महिला किसान भी काफी परेशान हैं। किसानों के अनुसार यह समस्या कोई नई नहीं है। वर्षों से यह स्थिति बनी हुई है और बैंक के जिम्मेदार हर बार सुधार की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ देते हैं। हाल के अनुभव से यह स्पष्ट हो गया है कि किसानों की शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। किसान चरणलाल चौधरी ने बताया कि वह धान का भुगतान लेने आए थे, लेकिन लगातार धूप में खड़ा रहना पड़ रहा था। पीने का पानी उपलब्ध नहीं है और प्यास लगने पर केवल पास की होटल से चाय खरीदकर पानी लेना पड़ता है। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह अत्यंत असुविधाजनक स्थिति है। हमारी मेहनत का सही भुगतान लेने के लिए हमें इतनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंक प्रबंधन को यह समझना चाहिए कि किसान केवल अपने खाते में पैसे लेने आए हैं, लेकिन उन्हें बुनियादी सुविधाओं तक की सुविधा नहीं मिल रही। किसान सुंदरलाल लिल्हारे ने बताया कि उनके खाते में राशि तो आ गई है और उनके पास एटीएम भी है, लेकिन एटीएम मशीन तकनीकी त्रुटि के कारण काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, दो घंटे से अधिक समय हो गया है, लेकिन अब तक भुगतान नहीं मिल पाया। यहां बैठने, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कोई व्यवस्था नहीं है। इससे हमारी परेशानियाँ और बढ़ जाती हैं। बैंक प्रबंधन ने हर बार सुधार की बात कही है, लेकिन व्यवहारिक रूप से यह बदलाव नजर नहीं आता अधिकारी और बैंक प्रबंधन को किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तात्कालिक समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। उचित बैठने की व्यवस्था, पेयजल सुविधा और एटीएम मशीनों की नियमित तकनीकी जाँच जैसी सुविधाएँ न केवल किसानों के लिए आसान बनाती हैं बल्कि भुगतान प्रक्रिया को भी सुचारू रूप से संचालित करने में मदद करती हैं।

पंडाल लगाने की व्यवस्था की जाएगी-आशीष मिश्रा

शाखा प्रबंधक आशीष मिश्रा द्वारा किसानों की समस्याओं को लेकर कहा गया की बैंक में किसानों की संख्या अचानक बढ़ जाने के कारण व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं और इस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जैसे ही बैंक को उपयुक्त स्थान मिलेगा, किसानों के लिए पूरी व्यवस्था सुनिश्चित कर दी जाएगी। एटीएम से राशि नहीं निकलने के संबंध में शाखा प्रबंधक ने तकनीकी खराबी को कारण बताया। पंडाल नहीं लगाए जाने पर उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम को देखते हुए पहले पंडाल नहीं लगाए गए थे, लेकिन अब अधिकारियों की अनुमति लेकर पंडाल लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार बराती लाल घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम कटंगझरी में कटंगी लालबर्रा रोड पर अज्ञात वाहन की ठोकर से एक व्यक्ति घायल हो गया घायल व्यक्ति बराती लाल पिता मानसिंह धुर्वे 75 वर्ष ग्राम कटंगझरी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया

गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बराती लाल धुर्वे खेती किसानी करते है। जिसके परिवार में एक लड़की और उनका परिवार है। 28 दिसंबर की शाम 6:00 बजे करीब बरातीलाल धुर्वे साइकिल में अपने घर से गांव के चौक तरफ जा रहा था। इस दौरान वहा से गुजर रहे कोई अज्ञात वाहन साइकिल सवार बराती लाल धुर्वे की साइकिल को ठोस मार कर फरार हो गया। अज्ञात वाहन की ठोकर से घायल बराती लाल धुर्वे रोड किनारे गिरा हुआ था। खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और घायल बराती लाल धुर्वे को लालबर्रा के अस्पताल में भर्ती किये। जहां से उसे बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सितोष पटले पिता श्री धनसिंह पटले निवासी ग्राम कोहका तह. कटंगी जिला बालाघाट निवासी हुं।

मेरे सभी शैक्षणिक दस्तावेजों में ऋटिवश सितोष कुमार पटाले लिखा गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड,पैन कार्ड,बैंक पासबुक में सितोष पटले दर्ज है मेरे सभी शैक्षणिक दस्तावेजों में सितोष पटले दर्ज किया जाये।

अत: मुझे मेरे सही व वास्तविक नाम सितोष पटले के नाम से ही जाना व पहचान जावें।

शपथकर्ता
सितोष पटले
ग्राम कोहका तह.कटंगी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

यात्री बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवारी युवक की मौत

बैहर रोड भरवेली मानेगांव के पास हुई दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड पर स्थित ग्राम मानेगांव के पास तेजरफ्तार यात्री बस ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। यात्री बस की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार एक युवक मौत हो गई। यह सड़क दुर्घटना 29 दिसंबर की शाम 6:00 बजे करीब हुई। मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। जिसका शव जिला अस्पताल में रखवा दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 दिसंबर की शाम 6 बजे करीब मोटरसाइकिल सवार एक युवक भरवेली तरफ से बैहर रोड़ तरफ निकला था।तभी ग्राम मानेगांव के पास बैहर तरफ से तेज रफ्तार से आ रही यात्री बस ने मोटरसाइकिल सवार इस युवक को चपेट में ले लिया। यात्री बस की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार यह युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और रोड किनारे पड़ा हुआ था। इसी दौरान आकाश शिववंशी नामक युवक एंबुलेंस से बैहर से बालाघाट आ रहा था। आकाश शिववंशी ने मानेगांव के पास इस युवक को घायल हालत में देखा और उसे अपनी एंबुलेंस में जिला अस्पताल बालाघाट लाया किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिए। इस अज्ञात युवक की मानेगांव से जिला अस्पताल बालाघाट लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। शाम 7:30 बजे तक इस युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी है। 30 दिसंबर को इस युवक की पहचान होने के बाद उसके शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

मजदूरी भुगतान न होने से ग्रामीण श्रमिक परेशान

परियोजना कार्यालय लामटा में दिया ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परियोजना कार्यालय लामटा में कुछ ग्रामीण श्रमिकों द्वारा ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन में श्रमिकों ने बताया कि उन्होंने लगभग तीन माह पूर्व मजदूरी का कार्य किया था, लेकिन आज तक उन्हें किए गए कार्य का भुगतान नहीं किया गया है। श्रमिकों का कहना है कि मजदूरी की राशि समय पर न मिलने के कारण उन्हें गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी उनके लिए कठिन हो गया है। श्रमिकों ने संबंधित अधिकारियों से शीघ्र बकाया मजदूरी का भुगतान कराने की मांग की है। ग्रामीण श्रमिकों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन उनकी स्थिति को समझते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करेगा, ताकि उन्हें उनके श्रम का उचित पारिश्रमिक मिल सके। ग्राम नेवरगांव के कुछ ग्रामीणों द्वारा 29 दिसंबर को परियोजना अधिकारी कार्यालय, लामटा पहुंचकर मजदूरी भुगतान को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। आवेदन में श्रमिक शांतिबाई ने बताया कि उन्होंने नेवरगांव स्थित नर्सरी में लगभग तीन माह पूर्व कार्य किया था, लेकिन आज तक वहां कार्य करने वाले एक दर्जन से अधिक श्रमिकों को उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। श्रमिकों ने बताया कि मजदूरी भुगतान को लेकर वे लंबे समय से संबंधित कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। सोमवार को भी वे सुबह से लेकर दोपहर तक कार्यालय में ज्ञापन देने के लिए प्रतीक्षा करते रहे, लेकिन अब तक समस्या का कोई समाधान नहीं हो पाया है। शांतिबाई ने बताया कि श्रमिक आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और समय पर मजदूरी नहीं मिलने से उनके सामने जीविका का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उनकी बकाया मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया, तो वे परियोजना अधिकारी कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। श्रमिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द मजदूरी का भुगतान कराया जाए, ताकि गरीब श्रमिकों को राहत मिल सके।

नाम सुधार सूचना

मै सुनील कुमार लोखीराम हनवत पिता श्री लोखीराम हनवत निवासी वार्ड न.12 ग्राम गर्रा तह. लालबर्रा जिला बालाघाट निवासी हु।

मेरे कक्षा 10 वीं के अंकसूची में मेरा नाम सुनील कुमार हनवत दर्ज है जबकि मेरे पैन कार्ड, आधार कार्ड में मेरा नाम सुनील कुमार लोखीराम हनवत दर्ज है तथा मै अपना पूरा सही एवं वास्तविक नाम सुनील कुमार लोखीराम हनवत ही लिखता हूँ।

अत: मुझे मेरे सही व वास्तविक नाम सुनील कुमार लोखीराम हनवत के नाम से ही जाना व पहचान जावें।

शपथकर्ता
सुनील कुमार लोखीराम हनवत
ग्राम गर्रा तह.लालबर्रा
जिला बालाघाट(म.प्र.)

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0040/ड-154/2025-26
मौजा नैतरा, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामलाल परते पिता ढोन्डूलाल परते जाति गोंड, निवासी ग्राम नैतरा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा नैतरा, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी पत्नि तारनबाई पति रामलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 16.04.2012 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम नैतरा के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 07.01.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 30.12.2025

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट म.प्र.

आदिवासी गोवारी समाज के अशोक वाघाडे का दुर्घटना में निधन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गत दिनों स्थानीय निवासी अशोक वाघाड़े गोंदिया से बालाघाट आ रहे थे इसी बीच कन्नड़गांव के पास मोटर साइकिल दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए थे,

जिनका उपचार जानकी लाइफ हॉस्पिटल गोंदिया में चल रहा था, जहां से उन्हें रायपुर रिफर कर दिया गया था. आज 29 दिसंबर को लगभग 4:00 बजे रायपुर मे उनका निधन हो गया है .जिनका अंतिम संस्कार आज दिनांक 30दिसम्बर को लगभग 3:00 बजे मोक्षधाम जागपुर घाट में किया जाना है।

मिर्गी का दौरा पड़ने से विकलांग के दोनों पैर चूल्हे में झुलसे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दीनाटोला में इसी का एक व्यक्ति अरुण कुमार पिता नेकलाल हनुवत 42 वर्ष के दोनों पैर चूल्हे में झुलस गए। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में

भर्ती किया गया है। बताया गया है कि अरुण कुमार हनुमत को फिट की बीमारी है और और वह मानसिक रूप से विकलांग भी है। 28 दिसंबर की रात्रि अरुण कुमार ने अपने परिवार के साथ खाना खाया और सो गया था। घर के सामने ही पानी गर्म करने वाला चूल्हा जल रहा था। संभव तो रात्रि में अरुण कुमार आग तापने के लिए उठा और चूल्हे में आग तपते समय अचानक उसे मिर्गी का दौरा पड़ने पर जलते चूल्हे में गिर गया ।जिससे उसके दोनों पैर घुटने के नीचे झुलस गए। बताया गया कि दोनों पैर झुलसने के बाद अरुण कुमार अपने बिस्तर में जाकर सो गया था। 29 दिसंबर को सुबह परिवार के लोगों ने अरुण कुमार के दोनों पैर घुटने के नीचे से झुलसे हुए देखेऔर उसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने अरुण कुमार के पिता नेक लाल हनुवत के बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना रूपझर भिजवा दी है।

मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता (भू-राजस्व की उगाही) नियम 2020
न्यायालय तहसीलदार तहसील- लालबर्रा जिला-बालाघाट (म0प्र0)
खाते के विक्रय की उद्घोषणा
मध्यप्रदेश भू- राजस्व संहिता, 1959 की धारा 147 (1) (बी) के बधीन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खातेदार सुश्री / श्रीमान/श्रीमती लिखीराम ठाकरे पित्ता आशाराम ठाकरे जाति पंवार निवासी बेहरई रा0नि0म0 कनकी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.) पर कालम (6) मे विनिर्दिष्ट भू राजस्व के बकाया तथा आदेशित जारी करने तथा उसके प्रवर्तन के खर्च के लेखे रूपये (1291815) की वसूली हेतु कुर्क किया गया है।

एतद्वारा यह उद्धोषणा की जाती है कि यदि एतद्द्वारा विक्रय के लिए नियम दिनॉक से पूर्व देय राशि का भुगतान नही किया जाता तो उक्त खाता / खातों का उस पर / उन पर अधिरोपित समस्त भारों और उसके / उनके संबंध मे किए गए समस्त अनुदानो से एवं संविदाओं से मुक्त (1291815) पर उक्त दिनॉक 31/12/2025 को 11 बजे या लगभग सार्वजनिक नीलामी द्वारा विक्रय कर दिया जाएगा।

ग्राम / नगर	पटवारी हल्का क्रमांक सेक्टर क्रमांक	खाता क्रमांक	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	निर्धारण	बकाया
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ग्राम बेहरई	प.ह.न.74	160/1/2 163/1/4/5 193/3 405/1/2 193/8 5	0.032 0.020 0.133 0.202 0.076 0.463	-	1291815 रूपये

टिप्पणी:- (एक) प्रत्येक खाते पर शोध्य भू- राजस्व के बकाया को कॉलम (6) में पृथक रूप से विनिर्दिष्ट किया गया जाना चाहिए ।

(दो) यदि किसी खाते में एक से अधिक सर्वेक्षण संख्यांक या उपखंड समयाविष्ट हो तो विक्रय को संचालित करने वाले अधिकारी को यह स्वतंत्रता होगा कि वह ऐसे संख्यांको में से एक या अधिक संख्यांको का. जैसा कि बकाया वसूल करने के हेतु आवश्यक समझा जाए, विक्रय करे । आज दिनांक 12/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से उदघोषणा जारी।

तहसीलदार
लालबर्रा

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

खेत की जमीन का नाप करवाने के दौरान की मारपीट- दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मड़कापार में खेत नापने आए पटवारी की उपस्थिति में एक व्यक्ति को उसके खेत पड़ोसी तीन भाइयों ने हाथ बुक्के और कुल्हाड़ी की मुदई से मार कर घायल कर दिया और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल व्यक्ति बालकृष्ण पिता परदेसी पल्हारे ग्राम मड़कापार निवासी का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वहीं इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने उसके खेत पड़ोसी हेमराज पांचे भक्तराज पाँचे और अष्टराज पांचे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। ग्राम मड़कापार निवासी बालकृष्ण पल्हारे खेती किसानी करते हैं। जिसके खेत के पास ही हेमराज पांचे भक्तराज पांचे और अष्टराज पांचे का खेत है और इन लोगों का बालकृष्ण पल्हारे के बीच खेत की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। 27 दिसंबर को 3:30 बजे करीब बालकृष्ण पल्हारे के खेत पड़ोसी हेमराज पांचे भक्तराज पांचे और अष्टराज पांचे ने खेत की जमीन नापने के लिए पटवारी को बुलाए थे।उसने समय पटवारी ने बालकृष्ण पल्हारे को फोन करके खेत में बुलाये थे। बालकृष्ण पल्हारे खेत जाकर वह अपनी दादी के हक वाली जमीन पर खड़ा था। हेमराज सहित उक्त तीनों लोग अपनी जमीन पर खड़े थे। पटवारी ने बालकृष्ण पल्हारे को अपने पास बुलाए किंतु बालकृष्ण ने पटवारी से बोला कि मैं उधर नहीं आऊंगा। मैं अपनी जमीन पर खड़ा हूं। इतने में भक्तराज पांचे ने बालकृष्ण पल्हारे को अपने खेत के कागजात दिखाने बोला तब, बालकृष्ण पल्हारे ने कहा कि तुम लोग भी अपने खेत के कागजात दिखाओ। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया और हेमराज पांचे भक्तराज पांचेऔर अष्टराज पांचे तीनों बालकृष्ण पल्हारे को अश्लील गालियां देने लगे थे। बालकृष्ण पल्हारे ने उन्हें गालियां देने से मना किया तभी हेमराज पांचे ने आकर बालकृष्ण पल्हारे को पकड़ लिया भक्तराज पांचे ने उसे हाथ बुक्के से मारपीट करने लगे। तभी अष्टराज पांचे कुल्हाड़ी लेकर आया और वह बालकृष्ण पल्हारे मारने के लिए दौड़ा। बालकृष्ण ने अपना बचाव किया किंतु कुल्हाड़ी की मूदई का वार बालकृष्ण पल्हारे के सिर के बाएं तरफ तथा कान के पास लगा। जिसके बाद तीनों ने बालकृष्ण को हाथ बुक्के से मारपीट करने लगे मौके पर उपस्थित लोगों ने बीच बचाव किये। इसके बाद तीनों ने बालकृष्ण पल्हारे को जान से मार डालने की धमकी दे दी। 27 दिसंबर को बालकृष्ण पल्हारे शाम और साधन नहीं होने के कारण वह रिपोर्ट करने किरनापुर पुलिस थाना नहीं पहुंच पाया। 28 दिसंबर को बालकृष्ण पल्हारे रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंचा। किरनापुर पुलिस ने बालकृष्ण पल्हारे का इलाज किरनापुर के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर इस मामले में हेमराज पांचे भक्तराज पांचेऔर अष्टराज पांचे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

मंदसौर, ग्वालियर, भोपाल और जबलपुर की टीमों के बीच होगा सेमीफाइनल

म.प्र. हॉकी स्टेट टूर्नामेंट का सेमीफाइनल आज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ हॉकी मैदान में आयोजित स्वर्गीय रमणिक लाल त्रिवेदी मध्यप्रदेश हॉकी स्टेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 30 दिसंबर को खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के छठवें दिन सोमवार को कुल चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए, जिनमें मंदसौर, ग्वालियर, भोपाल और जबलपुर की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह हॉकी टूर्नामेंट 24 दिसंबर से जिला हॉकी संघ द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 31 दिसंबर को खेला जाएगा। सोमवार को खेले गए मैचों के दौरान अतिथि के रूप में जीएसटी कमिश्नर जबलपुर लोकेश कुमार लिल्हारे, मध्यप्रदेश हॉकी संघ के अध्यक्ष नितिन ढिमोले, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरणभाई त्रिवेदी, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राधेलाल दौने, विजय वर्मा, प्रीतपाल सिंह सौंधी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना की सराहना की। इस अवसर पर जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने अपने संबोधन में कहा कि हॉकी ग्राउंड से लगे पीजी कॉलेज में ही उन्होंने अपनी पढ़ाई की है। उन्होंने पुरानी यादें साझा करते हुए कहा कि एक समय यह हॉकी मैदान मिट्टी का चट मैदान हुआ

करता था, लेकिन आज यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का टर्फ मैदान स्थापित हो चुका है, जो जिले के हॉकी खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमी दर्शकों के लिए अत्यंत गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हॉकी देश का प्रमुख खेल है और ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। आयोजन समिति द्वारा जिले में लगातार खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना सराहनीय है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच मिल रहा है। मध्यप्रदेश हॉकी संघ के अध्यक्ष ढिमोले ने भी जिले में आयोजित किए जा रहे हॉकी टूर्नामेंट की सराहना करते हुए आयोजन समिति एवं खिलाड़ियों को बधाई दी। टूर्नामेंट की जानकारी देते हुए आयोजन समिति के पदाधिकारी सुशील वर्मा ने बताया कि सोमवार को पहला क्वार्टर फाइनल मैच सुबह 10 बजे मंदसौर और सिवनी के बीच खेला गया। मध्यांतर तक दोनों टीमों ने तेज गति से खेलते हुए 2-2 गोल कर बराबरी बनाए रखी, लेकिन मध्यांतर के बाद अंतिम क्षणों में मंदसौर की टीम ने लगातार 4 गोल दागते हुए सिवनी को 6-4 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच सुबह 11:30 बजे ग्वालियर एवं बैतूल के बीच खेला गया, जिसमें ग्वालियर की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 4-2 गोल से जीत दर्ज की। तीसरा मुकाबला दोपहर 1:30 बजे नर्मदापुरम और भोपाल के बीच खेला गया, जिसमें भोपाल की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए 7-1 गोल से एकतरफा जीत हासिल की। दिन का अंतिम क्वार्टर फाइनल मुकाबला जबलपुर और गुना के बीच खेला गया, जिसमें जबलपुर की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5-0 गोल से विजय प्राप्त की। टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ मौजूद रही और रोमांचक मुकाबलों ने खेल प्रेमियों को अंत तक बांधे रखा।

ये टीम खेलेगी आज सेमी फाइनल

म.प्र स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट का सेमी फाइनल मैच मंगलवार को इनके बीच खेला जाएगा। जिसमें पहला मैच दोपहर 12 बजे से ग्वालियर व भोपाल के बीच खेला जाएगा। वहीं दूसरा मैच दोपहर 2 बजे से जबलपुर व मंदसौर के बीच होगा। इस टूर्नामेंट में खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने की है।

आमंत्रण द टाइगर धपेरा ने जीता केपिएल का खिताब

फाइनल मैच मे दिखाई दिया जबरदस्त उत्साह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले एक पखवाड़े से ग्राम पंचायत कुम्हारी के पट मैदान मे छू लो आसमान किसने रोका है संस्था और कुम्हारी गांव के द्वारा आयोजित केपिएल कुम्हारी प्रीमियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट का फाइनल मैच जीतकर आमंत्रण द टाइगर धपेरा मोहगांव ने खिताब अपने नाम कर लिया है जँहा जबरदस्त उत्साह और आयोजन के बीच शील्ड ट्रॉफी और 30 हजार नगद का इनाम हासिल किये वंही उपविजेता टीम इंद्रा द टाइगर को ट्रॉफी और 20 हजार रूपये से नावाजा गया वंही प्रतिभा खोज और खेल उत्सव मे गोला फेक, दौड़, लंबी कूद व अन्य खेलो के विजेताओं को भी प्रथम द्वितीय तृतीय इनाम देकर सम्मानित किया गया,यंहा कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने कुम्हारी मे मिनी स्टेडियम निर्माण के लिए सबके साथ मिलकर प्रयास करने की भी बात कही। युवाओं के द्वारा केक काटकर कमीशनर लिल्हारे का भव्य जन्मदिन मनाये जँहा युवाओं के साथ कमिश्नर लोकेश लिल्हारे भी थिरकते दिखाई दिए। फाइनल मैच का प्रारम्भ पूजा अर्चना के साथ किया गया जँहा दोपहर ने शुरू हुए फाइनल मैच का टॉस इंद्रा द टाइगर कुम्हारी टीम ने जीतकर बॉलिंग लिए वंही आमंत्रण द टाइगर टीम मोहगांव धपेरा को बेटिंग के लिए आमंत्रित किये जिसमे बेटिंग करते हुए आमंत्रण द टाइगर टीम ने अपने पुरे विकेट 11.2 ओवर मे गंवा कर 119 रन बनाकर इंद्रा द टाइगर को 120 रनो का लक्ष्य दिया गया 120 रनो का पीछा करने उत्तरी इंद्रा द टाइगर टीम की धीमी शुरुवात के कारण अपने सात विकेट गंवा कर महज 90 रन ही बना

पाई इस तरह 29 रनो से इंद्रा द टाइगर टीम को आमंत्रण द टाइगर की टीम ने करारी शिकस्त दी और फाइनल मैच जीतकर केपीएल टूर्नामेंट मेन्ट का खिताब अपने नाम किया जँहा भव्य आयोजन के बीच मुख्य अतिथि जीएसटी कमिश्नर के द्वारा सावन पिछोड़े सरपंच, छू लो आसमान किसने रोका है की डाइरेक्टर श्रीमती साक्षी लिल्हारे, सहेजलाल उपवंशी पूर्व सरपंच,प्रभु लाल पिछोड़े अध्यक्ष आलोक संघ, बाबा रनगिरे,पत्रकार अखिलेश ठाकुर,भानेस साकुरे,हरीश लिल्हारे,हितेन चौहान,नितेश उचबगले डॉ विनोद लिल्हारे, पन्ना लाल कुतराहे, पवन मरकाम पूर्व सरपंच के द्वारा विजेता उपविजेता को शील्ड और नगद इनाम दिया गया वंही तृतीय स्थान हासिल करने वाली चैतन्य स्टार टीम को शील्ड 10 हजार नगद इनाम से नावाजा गया इसके आलावा मेन ऑफ द मैच विनय डोहरे,बेस्ट बॉलर गगन रनगिरे घोड़ंगा टोला, बेस्ट फिल्डर अज्जू बिसेन दुगलाई, बेस्ट बेटसमैन अभिषेक डहारे कुम्हारी,मोस्ट वेल्यूवल प्लेयर गगन रनगिरे को भी शील्ड प्रसस्त्री पत्र और नगद राशि देकर सम्मानित किया गया,खिलाड़ियों के आलावा स्थानीय कई गांव के वरिष्ठ वृद्ध जनों का और आयोजको और प्रतिभाओ का गमछा और शाल भेंट कर सम्मानित किया गया।

अन्य खेल के विजेता खिलाड़ी भी हुए सम्मानित

कुम्हारी मे केपिएल के अलावा 28 दिसंबर को खेल उत्सव का आयोजन किया गया था जिसमे गोला फेक, दौड़, लंबी कूद, ऊँची कूद जैसे खेलो मे पहला, दूसरा और तीसरा इनाम खिलाड़ियों को देकर सम्मानित किया गया जँहा 21 दिसंबर को आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा के पहला दूसरा और स्थान पाने वाले छात्रों को 2 हजार, 15 सौ और एक हजार रूपये और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आधुनिक मिनी स्टेडियम के लिए होंगे प्रयास-लिल्हारे

मुख्य अतिथि के रूप मे मौजूद जीएटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे ने यह कहकर ग्रामीणों और खेलप्रेमियों को गदगद कर दिए की कुम्हारी पट मैदान मे आधुनिक स्टेडियम बनाने का उनका प्रयास होगा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से आव्हान किये की आप लोग रुपरेखा बनाये साझा प्रयास से आने वाले समय मे भव्य आधुनिक स्टेडियम कुम्हारी मे बन सकता है जो प्रदेश और देश मे गौरव का विषय होगा जो बालाघाट के लिए युवाओं और स्थानीय कई गांव के खिलाड़ियों के लिए सौगात के रूप मे होगा यंहा बेहतर शिक्षा के साथ मैदानी खेलो मे युवाओं को रूचि लेकर स्वस्थ्य तन और मन से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील युवाओं से की।

बेंगलुरु काम करने गए चालीसबोड़ी निवासी युवक की मौत

बेंगलुरु से प्लेन मे नागपुर लाया गया युवक अनिल का शव, जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया पोस्टमार्टम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कर्नाटक राज्य के बेंगलुरु में लक्ष्मी मेटल प्रेसिंग वर्क प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में काम करने का एक युवक की वहा के प्राइवेट हॉस्पिटल में उपचार के दौरान अचानक मौत हो गई। मृतक युवक अनिल पिता रमेश वरकडे 25 वर्ष ग्राम चालीसबोड़ी थाना रूपझर निवासी है। जिसका शव बेंगलुरु से प्लेन में नागपुर लाया गया और नागपुर से बालाघाट लाकर इस युवक के शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में किया गया और उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस युवक की किसी बीमारी के चलते मौत हुई या फिर अन्य वजह से पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चालीसबोड़ी निवासी रमेश वरकडे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। बड़ा बेटा अनिल वरकडे कक्षा 12वीं उत्तीर्ण था और वह आईटीआई भी कंप्लीट कर चुका था। छोटा बेटा संजय बरकड़े है। 15 दिन पहले अनिल वरकड़े , छत्तीसगढ़ राज्य के 8-10 लड़कों के साथ कर्नाटक राज्य के बेंगलुरु गए थे और बैंगलोर में संचालित लक्ष्मी मेटल प्रेसिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी मैं काम करते थे। यह कंपनी ऑटोमोबाइल पार्ट्स कंपोनेंट्स के निर्माण से संबंधित है। अनिल बरकड़े इसी कंपनी में छत्तीसगढ़ राज्य के लड़कों के साथ काम कर रहा था। 5,6 दिसंबर को अनिल वरकड़े कि अचानक तबीयत खराब हो गई जिसका यहां के प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवाया गया और वह स्वस्थ हो गया था। अनिल वरकडे ने अपनी बीमारी के संबंध में मोबाइल के माध्यम से अपने परिवार वालों को ही बताया था। किंतु 27 दिसंबर को अनिल वरकड़े की और अचानक तबीयत खराब हो गई। तब उसे बेंगलुरु के मल्हार हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। जहां से तबीयत ठीक नहीं होने पर उसी दिन अनिल वरकडे को रेफर कर दिया गया था इसके बाद उसे कांफिडा मल्टी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। जहां उपचार के दौरान रात्रि में अनिल वरकड़े की मौत हो गई। अनिल वर्कड़े की मौत होने की सूचना उसके परिवार वालों को दी गई थी। 28 दिसंबर को अनिल वरकडे का शव प्लेन से नागपुर तक भिजवाने की व्यवस्था बेंगलुरु से ही की गई थी। 29 दिसंबर को सुबह अनिल वरकड़े का शव बेंगलुरु से प्लेन में नागपुर लाया गया। नागपुर में उसके परिजन पहुंच चुके थे। यहां से एंबुलेंस से अनिल वरकडे का शव बालाघाट लाया गया। इस संबंध में अनिल वरकडे के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा से संपर्क किए थे। पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा ने मृतक युवक अनिल वरकडे के शव का पोस्टमार्टम करवाने के निर्देश नगर निरीक्षक श्री धूमकेतु को दिए थे। शाम 5:00 बजे करीब नगर निरीक्षक श्री धूमकेतु और जिला अस्पताल पुलिस के उपस्थिति में जिला अस्पताल बालाघाट में युवक अनिल वरकड़े का शव का पोस्टमार्टम किया गया और अंतिम संस्कार हेतु उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।युवक अनिल वरकड़े की मौत बीमारी से हुई या अन्य वजह से पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा इस मामले की आगे जांच कोतवाली पुलिस द्वारा की जाएगी।

1 जनवरी को निकाली जाएगी भव्य चुनरी यात्रा

माता को अर्पित की जाएगी 1111 फुट लंबी चुनरी, नगर में रहेगा उत्सव का माहौल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नववर्ष के पावन अवसर पर बब्बर सेना द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य चुनरी यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन की जानकारी देने के लिए 29 दिसंबर को बब्बर सेना के पदाधिकारियों द्वारा स्थानीय काली पाठ मंदिर परिसर में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें चुनरी यात्रा को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बब्बर सेना के पदाधिकारी हितेश एवं मुकेश माहुले ने बताया कि 01 जनवरी, गुरुवार को चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। इस वर्ष माँ काली को अर्पित की जाने वाली चुनरी की लंबाई 1111 फुट रखी गई है। यह चुनरी यात्रा ग्राम कोसमी स्थित मरकट बाबा अर्द्धनारेश्वर बब्बर शेर मंदिर से प्रारंभ होगी। चुनरी यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई सरेखा चौक, हनुमान चौक, सराफा बाजार, कालीपुतली चौक और जयस्तंभ चौक से गुजरते हुए अंत में माँ काली पाठ मंदिर पहुंचेगी, जहां विधिवत रूप से माँ को चुनरी भेंट की जाएगी। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन भी रखा गया है। बब्बर सेना के पदाधिकारियों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि माता-बहनें, नन्हे-मुन्ने बच्चे, युवा साथी एवं बुजुर्गजन सभी इस धार्मिक आयोजन में सहभागी बनें और पुण्य लाभ अर्जित करें। उन्होंने यह भी बताया कि इस पावन परंपरा की शुरुआत परम श्रद्धेय देवी भक्त स्वर्गीय डाली दमाहे द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य यह था कि नगरवासी नए वर्ष की शुरुआत माँ के चरणों में आशीर्वाद लेकर करें। आज यह चुनरी यात्रा आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है।

जंगली जानवर को बचाने अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल रोड किनारे गड्ढे में घुसी

मोटरसाइकिल सवार गंभीर, महकेपार पुलिस चौकी के ग्राम कन्नहड़ गांव की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाने की महकेपार पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले अम्बेझरी रोड पर स्थित कन्नड़गांव के पास जंगल रोड में किसी जानवर को बचाने के चक्कर में मोटरसाइकिलअनियंत्रित होकर रोड किनारे गड्ढे में घुस गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति प्रफुल्ल पिता अशोक सोहागपुरे 35 वर्ष ग्राम आंजनबिहरी थाना कटंगी निवासी है। बीती रात यह दुर्घटना उसे समय हुई जब यह व्यक्ति मोटरसाइकिल में अपनी बहन के गांव हरदौली से अपने गांव आ रहा था घायल इस व्यक्ति को जिला अस्पताल बालाघाट से हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रफुल्ल सोहागपूरे के परिवार में माता-पिता पत्नी दो बच्चे सहित अन्य लोग है। प्रफुल्ल सोहागपूरे खेती किसानी के अलावा मिस्त्री का भी काम करता है। हाल ही में प्रफुल्ल सोहागपुरे का काम जिले की सीमा से लगे सिवनी जिले के ग्राम हरदौली अपने बहन के गांव में चल रहा था। 28 दिसंबर को सुबह प्रफुल्ल सोहागपूरे मोटरसाइकिल में अपने बहन के गांव हरदौली काम करने गया था। शाम 6:00 के करीब प्रफुल्ल सोहागपूरे ग्राम हरदोली में काम निपटाना के बाद मोटरसाइकिल में अपने घर आंजनबिहरी जाने निकला था। किंतु रात्रि में प्रफुल्ल सोहागपूरे अपने घर नहीं लौटा। परिवार वालों ने ग्राम हरदौली में संपर्क किये तो पता चला कि प्रफुल्ल सोहागपुरे शाम को ही अपने घर के लिए निकल चुका है। इसके बाद परिवार के लोग प्रफुल्ल सोहागपूरे को खोजते रहे किंतु वह नहीं मिला। 29 दिसंबर को सुबह महेकपार पुलिस चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक शिव धुर्वे को पता चला कि अम्बेझरी रोड पर स्थित ग्राम कन्नड़गांव के पास जंगल रोड किनारे एक व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित गड्ढे में गिर पड़ा हुआ है। खबर मिलते ही प्रधान आरक्षक शिव धुर्वे अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। इसी दौरान खबर मिलते ही प्रफुल्ल सोहागपूरे के परिवार के लोग भी पहुंच चुके थे। जिन्होंने 108 एंबुलेंस से प्रफुल्ल सोहागपुरे को कटंगी के अस्पताल में ले जाकर भर्ती किये जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया । किंतु जिला अस्पताल बालाघाट में भी प्राथमिक उपचार के बाद प्रफुल्ल सोहागपूरे को उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। संभावना व्यक्त की गई है कि ग्राम हरदौली से जब प्रफुल्ल सोहागपुरे मोटरसाइकिल में अपने घर आंजनबिहरी जा रहा था तभी ग्राम कन्नड़गांव के पास जंगल रोड़ से जाते समय अचानक मोटरसाइकिल के सामने कोई जानवर आ जाने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और प्रफुल्ल सोहागपुरे मोटरसाइकिल सहित रोड किनारे गड्ढे में गिर गया। जिससे वह सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। फिर भी प्रफुल्ल सोहागपूरे को होश आने के बाद ही वास्तविक घटना का पता चल पाएगा। आगे जांच महकेपार पुलिस द्वारा की जा रही है।

बदहाली पर आंसू बहा रहा नगर का एकमात्र खेल मैदान

खिलाड़ियों के भविष्य से खिलवाड़, शराबियों का अड्डा बना मैदान, कांच के टुकड़ों के बीच खेलने को मजबूर युवा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित एकमात्र हाई स्कूल खेल मैदान इन दिनों अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। विडंबना यह है कि जिस मैदान से नगर की खेल प्रतिभाएं निखरनी चाहिए थी। वह अब असामाजिक तत्वों और प्रशासनिक उपेक्षा का केंद्र बन चुका है। यानि की नगर मुख्यालय के खेल मैदान में रात्रि के समय असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब पीकर बॉटल को फोड़ने के साथ ही गंदगी की जा रही है। साथ ही इन कांच के टुकड़ों की वजह से आये दिन सुबह-शाम के समय क्रिकेट सहित अन्य खेल खेलने वाले खिलाड़ी एवं युवा चोटिल हो रहे हैं। वहीं खेल मैदान में कांच के टुकड़े एवं गंदगी होने के कारण खिलाड़ियों को खासा परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। साथ ही मैदान के पास निजी भूमि पर हो रही प्लाटिंग और अतिक्रमण के कारण इसका आकार लगातार छोटा होता जा रहा है। जबकि पूर्व में यहां बड़े खेल आयोजन हुआ करते थे, जो अब जगह के अभाव और खराब स्थिति के कारण बंद हो गये है। किन्तु नगर मुख्यालय में कोई सर्वसुविधायुक्त खेल मैदान नही होने के कारण खिलाड़ियों को मजबूरन इसी खेल मैदान में प्रैक्टिस करनी पड़ रही है जिससे उनकी प्रतिभाएं दब रही है।

जबकि खेल मैदान की दुर्दशा के बारे में कई बार खिलाड़ियों के द्वारा स्थानीय प्रशासन एवं जिम्मेदारों को अवगत भी करवा चुके है, लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस कारण से जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते नगर मुख्यालय का एक मात्र खेल मैदान अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। खिलाड़ी एवं नगर के जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से नगर मुख्यालय के हाई स्कूल खेल मैदान का रात्रि गश्त कर असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करने एवं खेल मैदान को सर्वसुविधायुक्त बनाने की मांग की है।

शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के चलते खिलाड़ियों में भारी रोष व्याप्त है

आपकों बता दे कि नगर मुख्यालय का एक मात्र खेल मैदान में पूर्व में राजनीतिक, सामाजिक एवं व्यापारिक मेलों का आयोजन होता है। लेकिन अब खेल मैदान का आकार छोटा होने लगा है। वहीं वर्तमान समय में नगर में एक मात्र यही खेल मैदान बचा है जहां नगर के खिलाड़ी सुबह एवं शाम के समय क्रिकेट सहित अन्य खेल खेलते है। किन्तु इस मैदान की सबसे बड़ी समस्या यहां है कि रात के समय असामाजिक तत्वों के द्वारा रात के अंधेरे में शराब पीते है और खाली बोतले को मैदान में ही फोड़ देते है। ऐसी स्थिति में जब खिलाड़ी खेलते है तो कांच के टुकड़े पैर में लगने से चोटिल हो रहे है। गत दिवस एक खिलाड़ी के पैर में कांच गढ़ने से वह घायल हो चुका। साथ ही खेल मैदान में जगह-जगह गड्ढे, कांच के टुकड़े व गंदगी होने के कारण खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन शासन-प्रशासन के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे खिलाड़ियों में आक्रोश व्याप्त है। खिलाड़ियों ने जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन से मैदान के चारों ओर बाउंड्रीवॉल का निर्माण, पुलिस गश्त बढ़ाने, कार्यक्रम आयोजन के बाद मैदान की सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाने, सीमांकन करवाकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

कांच पैर में लगने से खिलाड़ी हो रहे चोटिल - माधव

खिलाड़ी माधव शुक्ला ने बताया कि यह नगर का एकमात्र खेल मैदान है जहां हम लोग खेलते हैं परंतु रात्रि में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब पीने के बाद नशे में बोतल फोड़ देते है एवं गंदगी फैलाई जाती है। जिसके कारण खेलते समय पैर में कांच लगने से खिलाड़ी चोटिल हो रहे है। साथ ही यह भी बताया कि गंदगी होने एवं कांच के टुकड़ों के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है, पंचायत से मांग है कि मैदान की साफ-सफाई करवाये।

प्रतिभाओं को नहीं मिल रहा मंच - अमित

खिलाड़ी अमित लखेरा ने बताया कि हाई स्कूल खेल मैदान में पहले विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं होती थी और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता था। लेकिन क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन की उदासीनता के चलते अब मैदान की हालत ऐसी नहीं है कि यहां कोई आयोजन हो सके क्योंकि खेल मैदान छोटा हो चुका है। साथ ही कुछ लोग गंदगी कर रहे है जिससे खिलाड़ियों को अपने खेल का प्रैक्टिस करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि इस खेल मैदान को संरक्षित कर खेल प्रतिभाओं को अ%छा मंच प्रदान करना चाहिए।

स्वयं के खर्च पर सफाई करने मजबूर - आशुतोष

खिलाड़ी आशुतोष खैरवार ने बताया कि लालबर्रा मुख्यालय में एकमात्र हाई स्कूल का खेल मैदान है जहां हम लोग रोजाना सुबह क्रिकेट खेलने आते है। लेकिन शराबियों के कारण यह खेल मैदान खराब हो रहा है क्योंकि रात्रि के समय शराब पीकर गंदगी की जाती है और इस खेल मैदान के अलावा दुसरा कोई खेल मैदान नही है, मजबूरी में इस खेल मैदान में खेलना पड़ता है। साथ ही यह भी बताया कि हम खिलाड़ी स्वयं रूपये जमा कर सफाई करवाते है, प्रशासन से मांग है कि इस खेल मैदान को व्यवस्थित कर खेलने योग्य बनाये।

रात्रि गश्त कर असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - अमित

अधि. अमित अग्रवाल ने बताया कि नगर के एकमात्र खेल मैदान की स्थिति दयनीय है। गड्डों और कांच के टुकड़ों ने इसे असुरक्षित बना दिया है। ऐसी स्थिति में सुबह-शाम के समय ब%चें एवं युवा क्रिकेट सहित अन्य खेल का प्रैक्टिस करने आते है तो उन्हे खासा परेशानियों का सामना करना पड़ता है और कांच के टुकड़े जहां-तहां पड़े रहते है जिससे खिलाड़ी चोटिल भी हो रहे है। श्री अग्रवाल ने बताया कि रात्रि में कुछ लोग शराब पीकर बोतलों को फोड़ देते है इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि रात्रि गश्त कर असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करें एवं आसपास बाउण्ड्रीवाल का निर्माण शासन-प्रशासन करवाये।

महाविद्यालय में कॉलेज चलो अभियान संपर्क कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा के द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा

के मार्गदर्शन एवं डॉ. देवराज चौरे के संयोजन में कॉलेज चलों अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 29 दिसंबर को सतपुडा वेली पब्लिक स्कूल गर्रा, मांझापुर में डॉ. संगीता मेश्राम सहायक प्राध्यापक के द्वारा हायर सेकेण्डरी के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों से सम्पर्क किया गया। वहीं कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम, विषय चयन इत्यादि से अवगत करवाया गया। साथ ही कॅरियर काउंसलिग करते हुए विद्यार्थियों को कॅरियर के अवसरों की जानकारी, परीक्षा की तैयारियों, नैतिक शिक्षा, उच्च शिक्षा अध्ययन, रोजगार अवसरों एवं कौशल आधारित शिक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही केन्द्र तथा राज्य सरकार एवं अन्य विभागों की छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन योजनाओं एवं नि:शुल्क सहायता योजनाओं एवं म.प्र. शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, महाविद्यालयीन सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई और कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण होने के बाद महाविद्यालय में प्रवेश लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने प्रेरित किया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य सुश्री पूर्णिमा देशमुख, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ईशुटोला पिपरिया में भगवान बिरसा मुंडा मुर्ति स्थापना एवं मेला 1 जनवरी को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत पिपरिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम ईशुटोला में 1 जनवरी को भगवान बिरसा मुंडा मूर्ति स्थापना एवं एक दिवसीय दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नववर्ष के आगमन पर ग्राम ईशुटोला पिपरिया में 1 जंनवरी को भगवान बिरसा मुंडा मूर्ति स्थापना एवं मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रात: 9 बजे कलश यात्रा, मूर्ति स्थापना एवं प्रभात फेरी निकाली जायेगी। जिसके बाद दिन-रात का मेला लगेगा एवं मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा अध्यक्ष ज्ञानसिंह गोडेगे, कार्यकारिणी अध्यक्ष झनकारसिंह उइके, वन समिति सभापति धनेन्द्र भलावी, कंजई सर्किल अध्यक्ष रेखलाल अड़मे, जि.एस.यू. जिलाध्यक्ष राकेश वाडिवा, सचिव अनिल उइके, सहसचिव देवेन्द्र उइके के मुख्य आतिथ्य, उपाध्यक्ष राजकुमार वरकड़े, महामंत्री फुलसिंह उइके, मीडिया प्रभारी पीतम मर्सकोले, प्रचारमंत्री रामकुमार मर्सकोले, महामंत्री रामसिंह कंगाली, प्रवक्ता गुमान गोडगे, प्रचार मंत्री मनोहर उइके के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील समस्त सगाजन ईशुटोला पिपरिया के कार्यक्रम अध्यक्ष शिवलाल अड़मे, उपाध्यक्ष गुलाबसिंह मर्सकोले, कोषाध्यक्ष विजय अडमे, सचिव नारायण परते सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं ने की है।

रमपुरी में सरपंच पद के लिए हुआ उपचुनाव, तीन प्रत्याशियों का भाग्य ईव्हीएम मशीन में कैद

85 प्रतिशत मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग, 2 जनवरी को आयेगा परिणाम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के तहत रिक्त पदों को भरने के लिए मध्यप्रदेश रा%य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उपचुनावों की घोषणा एवं निर्वाचन की प्रक्रिया 6 दिसंबर को निर्वाचन की सूचना के प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने के साथ प्रारंभ हुई थी। जिसके बाद 15 दिसंबर को नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि, 16 दिसंबर को प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की सूक्ष्म जांच, 18 दिसंबर का नाम वापसी की अंतिम तिथि थी और इसी दिन उम्मीदवारों की अंतिम सूची तैयार कर उन्हें चुनाव चिन्हों (प्रतीकों) का आवंटन किया गया था। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रमपुरी में सरपंच पद के लिए तीन उम्मीद्वारों ने नामांकन फार्म जमा किये थे। जिसमें भाऊलाल डेहरे, संतलाल शेण्डे व श्यामलाल मानेश्वर उम्मीदवार थे और रा%य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 29 दिसंबर को ग्राम पंचायत रमपुरी में सरपंच पद के लिए उपचुनाव शांतिपूर्वकसंपन्न हुआ। वहीं सरपंच पद के उपचुनाव के लिए दो मतदान केन्द्र बनाये गये थे जहां प्रात: 8 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक मतदाताओं ने मतदान किया। जिसमें कुल 1219 मतदाताओं में से 1047 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया है। इस तरह से रमपुरी में सरपंच पद के लिए हुए उपचुनाव में 85 प्रतिशत मतदान हुआ है। चुनाव संपन्न होने के साथ ही सरपंच पद के तीन उम्मीद्वारों का भाग्य ईव्हीएम मशीन में कैद हो चुका है। वहीं सरपंच पद के लिए हुए उपचुनाव का परिणाम 2 जनवरी को जनपद पंचायत लालबर्रा में मतगणना के साथ किया जायेगा।

त्रिकोणीय रहा मुकाबला, सत्ता परिवर्तन और मतदान के आंकड़े

आपकों बता दे कि वर्ष 2022 में रा%य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न हुए थे। जिसमें ग्राम पंचायत रमपुरी में कन्हैयालाल राहंगडाले सरपंच पद पर निर्वाचित हुए थे जिन्होने लगभग तीन वर्ष तक सफलतम सरपंची कार्यकाल पूर्ण किया। इसी दौरान शिक्षा विभाग में नौकरी लगने के चलते उन्होने सरपंच पद से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद से सरपंच का पद खाली हो गया था। जिसके पश्चात स्थानापन्न सरपंच प्रक्रिया के तहत पंचों की आपसी सहमति से वार्ड पंच संजय नगपुरे को सरपंच नियुक्त किया गया था। जिन्होंने भी लगभग 6 माह तक पंचायत की कमान संभाली। वहीं रा%य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेशभर में रिक्त त्रि-स्तरीय पंचायतों के पदों को भरने के लिए 6 दिसंबर को अधिसूचना जारी की गई थी। जिसके बाद जिन-जिन पंचायतों में सरपंच-पंच के पद रिक्त थे उन्हे भरने की प्रक्रिया गई। साथ ही जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत 4 पंचायत में 5 वार्ड पंच के रिक्त पद के लिए नामांकन फार्म जमा हुए थे लेकिन एक-एक नामांकन फार्म जमा होने पर उक्त पंचायतों में पंच के पद निर्विरोध चुन लिये गये। वहीं रमपुरी पंचायत में सरपंच पद के उपचुनाव में तीन उम्मीद्वारों ने नामांकन फार्म जमा किये थे। जिसमें भाऊलाल डेहरे, श्यामलाल मानेश्वर और संतलाल शेंडे मैदान में रहे। वहीं 29 दिसंबर को सरपंच पद के लिए रमपुरी में उपचुनाव संपन्न हुआ है। जिसमें ग्राम पंचायत रमपुरी के 12 वार्डों में कुल 1219 मतदाता है। वहीं सरपंच पद के उपचुनाव के लिए दो बूथ बनाए गये थे, बूथ क्रमांक 37 (रमपुरी) में कुल 549 वोट पड़े, जिसमें 264 महिलाएं और 285 पुरूष मतदाताओं ने मतदान किया है। इसी तरह बूथ क्रमांक 38 (घटोलगांव) यहां कुल 498 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया, जिनमें 250 महिलाएं और 248 पुरूष शामिल रहे। इस तरह से 1047 मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस उत्सव में भाग लिया है और सरपंच पद के लिए हुआ उपचुनाव त्रिकोणीय रहा है। वहीं मतदाताओं ने ईव्हीएम मशीन के माध्यम से मतदान किया है। चुनाव संपन्न होने के बाद तीन उम्मीद्वारों के भाग्य का फैसला ईव्हीएम मशीन में कैद हो गया। आगामी 2 जनवरी को प्रात: 8 बजे जनपद पंचायत कार्यालय में मतगणना की जायेगी, जिसके बाद परिणाम घोषित किया जायेगा। वहीं प्रशासनिक सुरक्षा के बीच मतदान दल ने प्रक्रिया पूरी की और बड़े ही शांतिपूर्ण ढंग से उपचुनाव संपन्न करवाया गया। अब ग्रामीणों को बेसब्री से नतीजों का इंतजार है ताकि पंचायत को एक स्थायी सरपंच मिल सके।

इनका रहा सराहनीय योगदान

रमपुरी में सरपंच पद के लिए हुए उपचुनाव में मतदान प्रक्रिया संपन्न करवाने में मतदान दल के साथ-साथ लालबर्रा नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक प्रशांत बंसोड, पटवारी आरती पाल, सचिव युवराज माने, सहायक सचिव गोविंदराम माने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उषा मेश्राम, कोटवार मोतीलाल चौरे सहित थाना लालबर्रा के पुलिस बल और ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा।

इनका कहना है -

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार रमपुरी में सरपंच पद के लिए 29 दिसंबर को उपचुनाव संपन्न हुआ है और दोनों ही मतदान केन्द्र में मतदाताओं ने शांतिपूर्वक मतदान किया है एवं मतगणना 2 जनवरी को जनपद पंचायत कार्यालय में की जायेगी। जिसके बाद परिणाम घोषित किया जायेगा।

मयंक मिश्रा
नायब तहसीलदार
लालबर्रा।

सरकारी अस्पतालों में बदलेगा दवाइयों का सप्लाई सिस्टम

प्रदेश के हर संभाग में बनेगा सेंट्रलाइज्ड ड्रग वेयरहाउस

भोपाल एजेंसी। मप्र में सरकारी अस्पतालों में दवाओं की समय पर उपलब्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए दवा आपूर्ति व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। मप्र पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड ने प्रदेश के हर संभाग में सेंट्रलाइज्ड ड्रग वेयरहाउस स्थापित करने के प्रस्ताव को शासन ने स्वीकृति दे दी है। कॉरपोरेशन अधिकारियों के अनुसार, इस नई व्यवस्था से अस्पतालों में दवाओं की कमी, अनियंत्रित स्टॉक और एक्सपायरी दवाओं जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। योजना को जमीन पर उतारने में करीब छह महीने का समय लग सकता है।

अब तक अस्पतालों की मांग पर दवा कंपनियां सीधे अस्पतालों को दवाएं सप्लाई करती थीं। नई व्यवस्था में यह प्रक्रिया बदली जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार, हर संभाग में एक आधुनिक ड्रग वेयरहाउस बनाया जाएगा, जहां अस्पतालों की जरूरत के अनुसार दवाओं का स्टॉक पहले से रखा जाएगा। इसके बाद यहीं से अस्पतालों को दवाएं वितरित की जाएंगी। सेंट्रलाइज्ड सिस्टम से दवा वितरण पूरी तरह योजनाबद्ध और नियंत्रित होगा। अस्पतालों को अनिवार्य रूप से तीन महीने का दवा स्टॉक रखने की जरूरत होती है, जिसे वेयरहाउस के माध्यम से आसानी से मैनेज किया जा सकेगा। सेंट्रल ड्रग वेयरहाउस को थर्ड पार्टी के माध्यम से बनाया जाएगा। साथ ही सप्लाई की जिम्मेदारी भी संबंधित एजेंसी की होगी। इसके लिए रेट तय किए जाएंगे। हालांकि दवा की खरीदी, जांच की जिम्मेदारी सरकार की होगी। यह स्टोर संभाग में मुख्यालय की जगह ऐसे शहर में बनाए जाएंगे, जहां से जिलों में दवा को सप्लाई करना आसान और कम समय में पहुंच सके। कॉरपोरेशन के अधिकारियों का यह भी दावा है कि दवाओं की गुणवत्ता जांच पहले से ही तीन स्तरों पर की जाती है, लेकिन अब इसे और सख्त किया जा रहा है।

छिंदवाड़ा हादसे से सबक

मप्र हेल्थ कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक मयंक अग्रवाल का कहना है कि सेंट्रलाइज्ड ड्रग वेयरहाउस से सरकारी अस्पतालों में दवा आपूर्ति प्रणाली और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि मरीजों तक सुरक्षित और प्रभावी दवाएं पहुंचाना ही इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य है। इस सेंट्रल ड्रग वेयरहाउस में छह महीने की दवाओं का स्टॉक किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति यहां से की जाएगी। यह पूरी व्यवस्था छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड से सबक लेकर बनाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा में अमानक कफ सिरप से करीब 25 से अधिक बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद प्रदेश में अमानक दवाईयों का मुद्दा तेजी से सामने आया। स्वास्थ्य विभाग और औषधि प्रशासन विभाग ने कई स्तरों पर सुधार के लिए काम किया। छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने दवाओं की निगरानी को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन हकीकत इससे उलट नजर आ रही है। मप्र हेल्थ कॉर्पोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार अगस्त से दिसंबर के बीच प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में करीब एक दर्जन अमानक दवाएं अमानक पाई गई। कॉर्पोरेशन का दावा है कि वेयर हाउस बनने के बाद ना केवल दवाओं जांच पुख्ता होगी, बल्कि अस्पतालों में दवाओं की कमी को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

अमानक दवाओं के मामले आ रहे सामने

प्रदेश में अमानक दवाओं के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बीते छह महीने में कई दवाएं अमानक पाई गईं। रतलाम अधीक्षक ने उल्टी और मतली में काम आने वाली दवा डॉक्सिलामाइन पाइरिडोक्सिन की गुणवत्ता को लेकर विभाग को पत्र लिखा। दिसंबर 2025 में कब्ज केसाथ लिवर की बीमारी में दिया जाने वाली लेक्टोलस सोडियम दवा अमानक पाई गई। दिसंबर 2025 में दर्द निवारक डाईक्लोफेनिक सोडियम दवा की गुणवत्ता मानकों के अनुसार नहीं मिली। दिसंबर 2025 में ईयर ड्रॉप जेंटामाइसिन की की गुणवत्ता को लेकर विभाग को पत्र लिखा। सितंबर 2025 में टीबी के मरीजों को दी जाने वाली आइसोनियाजिड टेबलेट अमनक निकली। अक्टूबर 2025 में मानरिस रोगों की प्रमुख दवा एस्किटालोप्राम ऑक्सेलेट दवा भी मानक स्तर की नहीं थी। अभी प्रदेश के सभी सरकारी अस्पताल कॉरपोरेशन के माध्यम से सीधे डीलर्स से दवा खरीदते हैं। ऐसे में कई बार ऑर्डर तीन से छह महीने लेट हो जाते हैं और अस्पतालों में दवा की कमी हो जाती है। वेयर हाउस बनने के बाद दवा तत्काल अस्पताल के पास पहुंच जाएगी। पूर्व डीएमई डॉ. एके श्रीवास्तव ने बताया कि अमानक दवा बीमारी को जड़ से खत्म करने में कम कारगर होती है। वहीं दवाओं का गुणवत्ता विहीन होना अलग बात है। अगर दवा की गुणवत्ता सही नहीं होगी तो इससे मरीजों को सामान्य एलर्जी से लेकर किडनी और अन्य अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव भी हो सकते हैं। सरकारी अस्पतालों में दवा पहुंचने से पहले तीन स्तर पर जांच होती है। कंपनी के ओके रिपोर्ट के बाद इन दवाओं को एनएबीएल लैब से भी सर्टीफिकेट लेना होता है। इसके बाद कॉर्पोरेशन अस्पतलों से रेंडम सैम्पलिंग करता है। रेंडम सैम्पलिंग के दौरान कई बार दवा अमानक मिलती है। वेयर हाउस में दवा स्टॉक करने से पहले तीनों स्तरों पर जांच कर ओके रिपोर्ट ली जाएगी। ऐसे में अमानक दवाओं का खेल पूरी तरह खत्म हो जाएगा। मयंक अग्रवाल ने बताया कि सेंट्रल ड्रग वेयरहाउस के लिए निविदाएं बुलाई जा चुकी हैं। अगले साल इसे शुरू कियाा जाएगा। इससे अमानक दवाओं की सप्लाई पूरी तरह से निष्क्रिय हो जाएगी।

झालीवाड़ा एवं कचेखनी में सरपंच पद के लिये हुआ मतदान

ईवीएम से कराया गया मतदान मतगणना २ जनवरी को

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी एवं खैरलाँजी जनपद पंचायत की दो ग्राम पंचायत झालीवाला एवं कचेखनी में २९ दिसंबर को ग्राम पंचायत निर्वाचन प्रक्रिया अंतर्गत मतदान प्रक्रिया संपन्न की गई। जहां सुबह ७ बजे से दोपहर ३ तक यह मतदान प्रक्रिया चली इस प्रक्रिया में ग्राम के मतदाताओं के द्वारा अपने अपने मतदान केन्द्रो में उपस्थिति दर्ज कराकर मतदान किया गया।इस दौरान दोनों पंचायत के मतदाताओं में भारी उत्साह देखा गया जो सुबह ७ बजे से लंबी लाइन लगाकर मतदान की प्रतीक्षा करते रहे।उन्होंने अपनी बारी आने पर अपना अमूल्य मतदान किया वहीं मतदान केंद्रो के सामने ग्रामीणों की भीड़ भी लगी रही। इसी के साथ दोनों ग्राम पंचायतों में ५ सरपंच पद के उम्मीदवार का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया है। जिसकी मतगणना २ जनवरी २०२६ की सुबह ८ बजे से की जाएगी।

सरपंच और पंच के खाली पदों के लिये था चुनाव

मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग के द्वारा हर वर्ष ग्राम पंचायत में रिक्त पदों को भरने के लिए चुनाव प्रक्रिया आयोजित की जाती है। जिसमें मृत्यु, धारा ४० ए अविश्वास या त्यागपत्र के कारण सरपंच या पंच का स्थान खाली हो जाता है। जहां स्थानापन्न सरपंच का निर्वाचन तो कर दिया जाता है। किंतु प्रक्रिया के अनुसार बहुमत के आधार पर सरपंच का निर्वाचन करवाया जाता है। जिसके लिए अधिसूचना जारी होते ही प्रत्याशियों के द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए गए थे। जिनकी जांच और नाम वापसी के बाद मतदान प्रक्रिया २९ दिसंबर को संपन्न हुई अब मतों की गणना दो जनवरी को की जाएगी।

वारासिवनी जनपद अंतर्गत के दो पंच हुए निर्विरोध निर्वाचित

वारासिवी जनपद पंचायत के द्वारा ग्राम पंचायत झालीवाड़ा के वार्ड नंबर ६ और ग्राम पंचायत वारा के वार्ड नंबर १२ के पंच के लिए निर्वाचन प्रक्रिया में आवेदन आमंत्रित किए गए थे। जिसमें झालीवाड़ा के वार्ड नंबर ६ के लिए अशोक बाबा शरणागत इकलौते व्यक्ति के द्वारा आवेदन किया गया जो निर्विरोध निर्वाचित हुए।तो वहीं ग्राम पंचायत वारा के वार्ड नंबर १२ के लिए भागवंती सिरसाम और रायसिंह पंन्द्रे के द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया था। किंतु नाम वापसी के अंतिम दिवस रायसिंह पंन्द्रे के द्वारा अपना फार्म उठाकर नाम वापसी ले लिया गया। जहां भागवंती सिरसाम निर्विरोध पंच निर्वाचित हो गई।

झालीवाडा में २१६० लोगों ने किया मतदान

ग्राम पंचायत झालीवाड़ा में पंच के द्वारा तत्कालीन सरपंच के खिलाफ नल जल योजना को आधार बनाकर अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। इसके बाद स्थानापन्न सरपंच के द्वारा पंचायत संचालित किया जा रहा था। जहां निर्वाचन प्रक्रिया में पूर्व सरपंच अनुसया अशोक बाबा शरणागत एवं उमेश्वरी देशमुख के द्वारा फॉर्म भरा गया था। जहां प्राथमिक ,माध्यमिक और हाई स्कूल और पंचायत भवन में मतदान केंद्र क्रमांक ६५,६६,६७,६८ में पीठासीन अधिकारी मतदान अधिकारी १,२,३ की उपस्थिति में सुबह ७ बजे से मतदान प्रक्रिया प्रारंभ की गई। जिसमें ग्राम में दर्ज २८३३ मतदाताओं में से २१६० मतदाताओं के द्वारा दोपहर ३ बजे तक मतदान केंद्र में उपस्थित होकर मतदान किया गया। दोनों प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया है जिसकी मतगणना २ जनवरी को तहसील कार्यालय के सभा हाल में सुबह ८ बजे से प्रारंभ की जायेगी।

कचेखनी में १६६६ मतदाताओं ने किया मतदान

खैरलाँजी जनपद के ग्राम कचेखनी सरपंच की किन्हीं कारणों से मौत हो गई थी जहाँ सरपंच पद खाली था। इस निर्वाचन प्रक्रिया में ग्राम सरपंच पद के लिए रमेश फूलचंद घरडे ,रंजीत परमानंद चौहान, ताराचंद सुखदेवे के द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया था। जिसके लिए निर्वाचन प्रक्रिया अंतर्गत २९ दिसंबर को ग्राम के प्राथमिक, माध्यमिक स्कूल एवं पंचायत भवन में मतदान केंद्र क्रमांक १४६,१४७,१४८ में मतदान प्रक्रिया सुबह ७ बजे से प्रारंभ की गई। जहां ग्राम में कुल दर्ज २१२९ मतदाताओं में से १६६६ मतदाताओं के द्वारा दोपहर ३ बजे तक मतदान केंद्र में उपस्थित होकर अपना मतदान किया गया। इस दौरान सरपंच पद के लिए खड़े तीन प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। जिसे सुरक्षित पीठासीन अधिकारी मतदान अधिकारी के द्वारा रखवा दिया गया है। अब २ जनवरी को मतगणना सुबह ८ बजे से जनपद पंचायत खैरलांजी में की जायेगी।

मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न मौके पर पुलिस बल सहित अधिकारी मौजूद रहे-इरफान

बीपीओ इरफान खान ने बताया कि वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम झालीवाड़ा सरपंच और वार्ड नंबर ६ पंच एवं वारा के वार्ड नंबर १२ पंच पद के लिए एक एक फॉर्म आये थे दोनों जगह पंच निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। तो वहीं झालीवाडा सरपंच पद के लिए दो प्रत्याशियों के द्वारा आवेदन किया गया था। जिनके मध्य निर्वाचन प्रक्रिया अनुसार मतदान करवाया गया है। इसमें २८३३ मतदाताओं में २१६० मतदाताओं ने मतदान किया है। मतगणना २ जनवरी को होगी यह मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुई मौके पर पुलिस बल सहित अधिकारी मौजूद रहे।

सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में शालेय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में 29 दिसम्बर को दो दिवसीय शालेय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, गौरीशंकर बिसेन एवं अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन की

उपस्थिति में किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा संगीतमय सरस्वती वंदना व स्वागत गीत की शानदार प्रस्तुति दी गई । संस्था प्राचार्य ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम व वर्षभर संचालित गतिविधियों पर प्रकाश डाला ।प्रथम दिवस दिनांक 29 दिसंबर 2025 को विद्यालय की कक्षा के.जी-1 के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों से लेकर हायर सेकंडरी के विद्यार्थियों ने गीत व नाटक के रूप में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति से दर्शक के रूप में उपस्थित सभी छात्रों, पालक-अभिभावकों व अतिथियों का मनमोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूर्व से पश्चिम तथा उत्तर से दक्षिण की भिन्न-भिन्न कला व संस्कृति की झलक जिसमें पंजाबी, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ व दक्षिण भारतीय संस्कृति को उजागर करते हुए लोकनृत्य, संगीत की झलक दिखाई दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे सभी विद्यार्थियों को कार्यक्रम के द्वितीय दिवस मुख्य अतिथि के हस्ते प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। समस्त विद्यार्थियों की उपस्थिति में सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल संचालन संजय वानखेड़े, खिलेंद्रपाल बिसेन (माध्य.शिक्षक) ने किया।

नगर पालिका ने बस स्टैंड में फैले अतिक्रमण पर की कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बस स्टैंड में नगर पालिका परिषद के द्वारा २९ दिसंबर को रोड़ तक फैले अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस दौरान आवागमन सुधारने के लिए पाइप को काटकर व्यवस्थित भी किया गया। यह कार्यवाही मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके ,उपयंत्री सुमित मोटवानी एवं नगर पालिका अमले की उपस्थिति में की गई। इस दौरान नगर पालिका अधिकारी एवं कर्मचारी बस स्टैंड परिसर में पहुंचे। जहां उनके द्वारा यात्री प्रतीक्षालय के सामने का अतिक्रमण हटाया गया। वहीं यात्रियों के आवागमन के लिए लगाए गए पाइप को काटकर व्यवस्थित किया गया। इसी के साथ अतिक्रमणकर्ताओं को अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित भी किया गया। विदित हो की नगर पालिका के द्वारा हर बार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाती है परंतु फिर अतिक्रमण कर्ताओं के द्वारा मार्ग तक अतिक्रमण कर लिया जाता है। जिसके कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो जाती है तो वही लोगों को भी कई प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। किंतु निरंतर व्यवस्था वर्तमान तक नहीं बनाई जा सकी है इसी का परिणाम है कि हर बार अतिक्रमण हटाने की जरूरत नगर पालिका को पड़ती है। जबकि बस स्टैंड शहर का हृदय स्थल होता है जहां व्यवस्थित व्यवस्थाएं बनाने के लिए नगरवासियों के द्वारा नगर पालिका से मांग की जा रही है। चर्चा में सीएमओ सूर्य प्रकाश उके ने बताया कि बस स्टैंड में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने के लिए अमले के साथ आए हुए थे। यहां पर दुकानदारों ने सड़क तक अतिक्रमण कर लिया गया है जिससे मोटरसाइकिल सड़कों पर खड़ी हो रही है दुर्घटनाओं की संभावना बनी हुई है। जिसको देखते हुए यह अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई है यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

बुलट मोटरसाइकिल पर पुलिस ने की कार्यवाही

मोटरसाइकिल पर चालानी कार्यवाही कर बदलवाये साइलेंसर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस के द्वारा २८ दिसंबर की रात्रि में नगर के विभिन्न स्थानों पर तेज आवाज में शोर मचा रही बुलट मोटरसाइकिल पर कार्यवाही की गई। इसमें तीन बुलट मोटरसाइकिल को थाने में लाकर उन पर चालानी कार्यवाही की गई तो वही साइलेंसर बदलवाने का भी कार्य किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते कुछ समय से नगर के विभिन्न स्थानों पर तेज रफ्तार बुलट मोटरसाइकिल चलाकर गाड़ी मालिकों के द्वारा मॉडिफाई साइलेंसर लगाकर तेज आवाज निकाली जाती थी। तो वही जगह जगह जोरदार पटाखे भी फोड़े जाते थे जिसकी शिकायत लंबे समय से नगर वासियों के द्वारा पुलिस प्रशासन को किया जा रहा था। ऐसे ही २८ दिसंबर की रात में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पुलिस थाने के अंदर गणना ले रहे थे। तभी ठीक पुलिस थाने के सामने एक बुलेट मोटरसाइकिल के द्वारा आकर तेज आवाज में जोरदार पटाखे फोड़े गए। यह देख वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के द्वारा कार्यवाही के निर्देश दिए गए जिस पर पुलिस प्रशासन के द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर बुलट मोटरसाइकिल के साइलेंसर की जांच की गई। जिसमें तीन मोटरसाइकिल तेज आवाज और पटाखे निकलने वाली यानी मॉडिफ ाई साइलेंसर के साथ पाई गई। जिसे थाने में लाकर चालानी कार्यवाही की गई जिसमें तीन मोटरसाइकिल से १५०० रूपये का चलन वसूला गया। तो वहीं तत्काल मॉडिफ ाई साइलेंसर निकालकर ओरिजिनल साइलेंसर लगाने कहते हुए सामने चेंज करवाया गया।

श्री गणेश क्षत्रीय पवार समाज की बैठक संपन्न

अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में समाज की रैली और ज्ञापन कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के पावर मंगल भवन में २९ दिसंबर को श्री गणेश क्षत्रीय पंवार संगठन वारासिवनी खैरलाँजी की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समाज के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ओंमकार सिंह बिसेन, छगन हनवत, रमेश ठाकरे, विजय पटले सहित गणमान्य स्वजातीय बंधुओ की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें नगर के सोशल मीडिया प्लेटफ ॉर्म पर व्हाट्सएप ग्रुप रायता में नगरवासी सुनील पिपरवार के द्वारा बिना पवार समाज का नाम लिखें अप्रत्यक्ष रूप से पवार समाज के जनप्रतिनिधियों एवं अन्य विषय को लेकर की गयी अमर्यादित अभद्र टिप्पणी के विषय में चर्चा की गई। जहां सभी के द्वारा एक राय होकर प्रशासनिक कार्यवाही का निर्णय लिया गया। जिस पर समाज अध्यक्ष के द्वारा सूचना पत्र जारी कर पावर मंगल भवन में ३० दिसंबर को आधिकाधिक संख्या में समाज के लोगों से उपस्थित होने की अपील की है। ताकि भवन से रैली निकालकर प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन देकर उचित कार्यवाही की मांग की जा सके। इस दौरान समाज के लोग काफी आक्रोशित नजर आए जिनके द्वारा उक्त टिप्पणी की निंदा की जाती रही। समाज अध्यक्ष ओंमकार सिंह बिसेन ने कहा कि वारासिवनी नगर के सुनील पिपरेवार ने रायता ग्रुप में अभद्र टिप्पणी की है। उन्होंने बालाघाट जिले में जितने भी जनप्रतिनिधि वर्ग विशेष समाज के हुए हैं उन्होंने जिला बर्बाद किया हैं। यह अंग्रेजो के है दूसरे जिहादी है जिन्होंने बालाघाट को बर्बाद किया है समाज इस टिप्पणी से आहत है। इसी के संबंध में हमने बैठक बुलाकर बृहद रूप से चर्चा की है ३० दिसंबर को एसडीएम और पुलिस को ज्ञापन दिया जाएगा। हम यही चाहते हैं कि व्हाट्सएप ग्रुप पर जो सामाजिक टिप्पणी की गई है ऐसे व्यक्ति पर प्रशासनिक कार्यवाही हो। वहीं छगन हनवत ने बताया कि यह बहुत गलत टिप्पणी की है उनकी जो भाषा है सीधा अप्रत्यक्ष रूप से पवार समाज का नाम कहीं नहीं लिखा पर पवार समाज को कहा है। बालाघाट में अत्यधिक जनप्रतिनिधि पवार समाज से निर्वाचित हुए हैं वर्तमान में भी समाज के व्यक्ति जनप्रतिनिधि है जो सत्ता में है। यह द्वेष भावना एवं माहौल बिगड़ने का कार्य है सोशल मीडिया जैसे अच्छे प्लेटफ ार्म का यह दुरुपयोग किया गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्री गणेश क्षत्रिय पवार समाज संगठन के पदाधिकारी सदस्य एवं स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

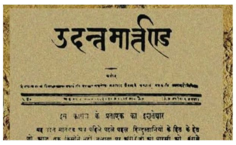

संगठन की मज़बूती पर चर्चा नहीं करती कांग्रेस

इसे एक संयोग ही माना जा सकता है कि कांग्रेस के स्थापना दिवस से एक दिन पहले ही पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की संगठनात्मक शक्ति की प्रशंसा की और जिसका आधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 1990 के दशक की तस्वीर को बनाया. इसके बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सिंह का समर्थन किया. कांग्रेस ने जब रविवार को अपना 140 वां स्थापना दिवस मनाया तो लोकसभा में विपक्ष के नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी को सिर्फ एक राजनीतिक दल ही नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज बताया, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़े रहने वाली है. उन्होंने नफरत, अन्याय, तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई अधिक मजबूत करने का संकल्प दोहराया. मगर कांग्रेस संगठन के ढांचे की कमजोरी पर चर्चा नहीं की. हालांकि पार्टी के दूसरे नेता इस विषय में जब कोई बात उठाते हैं तो उन्हें सफाई देकर किनारे होना पड़ता है. पिछले दिनों पार्टी सांसद इमरान मसूद को सांसद प्रियंका गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की वकालत करने के बाद अपनी बात से पीछे हटना पड़ा. साफ है कि तीनों नेताओं सहित अनेक कांग्रेस नेता पार्टी की मजबूती चाहते हैं. उनकी दिखावे की बजाय जमीनी कार्य करने वाला संगठन बनाने की इच्छा है।

पार्टी के शीर्ष नेता केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस पर हमलों से हटकर कुछ नया करने की तैयारी नहीं करते हैं. मनरेगा योजना बंद करने के विरोध और राजस्थान में अरावली पर्वत को लेकर आंदोलनों का लक्ष्य है. किंतु राज्यों में संगठन को शक्तिशाली बनाने के बारे में विचार नहीं किया जा रहा है. बिहार का विधानसभा चुनाव या महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय के चुनाव में संगठन की कमजोरी के बावजूद अनेक स्थानों पर मतदाताओं ने पार्टी का साथ दिया. उसे देखते और समझते हुए आगे के कार्यक्रम तैयार करने पर भविष्य में सफलता का दायरा बढ़ सकता है. मगर संसद के सत्र के दौरान राहुल गांधी के जर्मनी दौरे के बाद अब प्रियंका गांधी के अमेरिका जाने की तैयारियां जारी हैं. महाराष्ट्र में नगर परिषद चुनाव के बाद महानगर पालिकाओं के चुनाव होने जा रहे हैं, जो अनेक महत्वपूर्ण शहरों में होंगे. परंतु न तो पार्टी गठबंधन के लिए कोई ठोस प्रयास कर पा रही है और न ही अपनी ताकत से लड़ने की घोषणा कर रही है।

शीर्ष नेतृत्व ने स्थानीय नेताओं को उनके हाल पर छोड़ दिया है. वैसे भी यदि चुनाव से पहले संगठन पर ध्यान दिया होता तो इस तरह नजरअंदाज करने की स्थितियां नहीं बनतीं. यद्यपि इस ओर संगठन को बार-बार अलग-अलग प्रकार से संकेत भी मिल रहे हैं. दुर्भाग्य से संकेतों की भाषा को कोई समझने के लिए तैयार नहीं है. परंतु आवश्यक यही है कि पार्टी के तीन नेताओं की बयानबाजी को अनगिनत नेताओं और कार्यकर्ताओं के विचार मानकर संगठन मजबूत बनाया जाए. तभी स्थापना दिवस पर व्यक्त पार्टी के विचारों के आधार पर जनता तक पहुंचा जा सकेगा. अन्यथा वे पार्टी के कुछ कार्यक्रमों तक ही सीमित रह जाएंगे।

अतीत से सबक, आगत से उम्मीद

समय का पहिया चलता रहता है। समय के चाक पर हर आगत पल वर्तमान बनता है और फिर अतीत के गोद में समा जाता है। जाते-जाते वह अपनी छाप ही नहीं छोड़ता, कुछ सीख भी दे जाता है। अतीत से प्राप्त अनुभव और सीख की कसौटी पर वह वर्तमान को कसता है और चाहता है कि आने वाला पल अतीत की तुलना में बेहतर गुजरे। मनुष्य की चाहत ऐसी ही होती है। वक्त के पहिये पर सब मनमुताबिक ही घटे-चले तो फिर जीवन चक्र का रोमांच ही खत्म हो जाए। फिर भी मानव की फितरत है, वह आगत को अपने हिसाब से ही घटित होते देखना और भोगना चाहता है। लेकिन क्या ऐसा हो पाता है?

अतीत की घटनाएं और भविष्य के नतीजे आने वाले दिनों पर अपना असर जरूर डालते हैं। इसी वजह से राजनीति हर बार आने वाली घटनाओं के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने की कोशिश करती है, उसे अपने हिसाब से घटित करने का प्रयास करते रहती है। महज दो दिनों बाद ग्रेगोरियन कैलेंडर के पन्ने नए हो जाएंगे। इस नए साल में भी राजनीति चुनावी रणनीति बनाने और उन चुनावों से अपने मनमुताबिक नतीजे हासिल करने की कोशिश में जुटी रहेगी। इस नए यानी साल 2026 में देश के प्रमुख पांच राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुद्दुचेरी में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इन चुनावों की आहट में राजनीति की दुनिया की पेशानियों पर बल पड़ने लगे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। इसकी वजह है कि इन राज्यों के चुनाव नतीजे तय करेंगे कि आने वाले दिनों में राजनीति की दिशा क्या होगी? इनके नतीजे ही तय करेंगे कि आने वाले दिनों में कमल खिलता रहेगा या हाथ को

भारत का साथ मिलेगा। इन नतीजों पर ही निर्भर करेगा कि भारत का भावी नेतृत्व कैसा होगा। यूं तो हर राज्य के विधानसभा चुनाव अपने आप में अहम् होते हैं, लेकिन साल 2026 में होने वाले चुनाव बेहद खास होने जा रहे हैं। असम में विगत दो बार से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां की 126 सीटों में से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 75 सीटें जीती थीं। जिनमें भारतीय जनता पार्टी के खाते में 60 सीटें गई थीं, वहीं उसकी सहयोगी असम गणपरिषद को नौ और अन्य सहयोगी दलों को छह सीटें मिली थीं। जबकि कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन को 50 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस ने यहां की जिम्मेदारी अपने तेजतर्रार नेता गौरव गोगोई को दी है। जबकि भाजपा की अगुआई मुख्यमंत्री हिमंत विस्वसरमा के हाथ है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद राज्य की मतदाता सूची से 10.56 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं। कांग्रेस की पूरी कोशिश भाजपा के हाथ से सत्ता छीनने की है तो भाजपा की कोशिश उत्तर पूर्व के इस सबसे बड़े राज्य में अपने झंडे को गाड़े रखना है। अगर भाजपा बनी रही तो उत्तर पूर्व के बहाने उसका राष्ट्रवादी सोच का कारवां बढ़ता रहेगा, लेकिन अगर कांग्रेस सेंध लगाने में सफल रही तो उससे इलाके में कांग्रेसी आधार को जुटाने को बल मिलेगा।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी असम की तरह बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा गर्म है। राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव में 294 सदस्यीय विधानसभा में 213 सीटों पर जीत हासिल करके ममता बनर्जी ने सनसनी फैला दी थी, जबकि सत्ता की दावेदार मानी जा रही भाजपा को महज 77 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। इस बार एसआईआर के चलते राज्य के 7.66 करोड़ मतदाताओं में से 56 लाख के नाम हटाए जा चुके हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग को करीब 20 लाख मतदाता अब भी संदिग्ध लग रहे हैं। आयोग के लिहाज से ये मतदाता पहली बार

पंजीकृत हुए हैं और इनकी इन उम्र पैंतालिस साल और उससे ज्यादा है। सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाता अगर राज्य के हैं तो वे अब तक कहां थे और उन्होंने वोटर लिस्ट में नाम क्यों नहीं डलवाया था और अगर राज्य से बाहर थे तो अचानक ही वे यहां क्यों लौट आए। जाहिर है कि नए वोटरों और हटाए गए नाम वाले वोटरों की संख्या को लेकर संदेह की स्थिति है। इसे लेकर ममता की तृणमूल कांग्रेस पार्टी जहां आक्रामक है, वहीं भाजपा नए जुड़े करीब 20 लाख संदिग्ध वोटरों को लेकर जवाबी तौर पर हमलावर है। बहरहाल यह तय है कि इन मुद्दों पर ही राज्य के भावी विधानसभा नतीजे तय होंगे। ऐसे में अगर ममता अपना किला बचाए रखती हैं तो तय है कि भाजपा के पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी के गृहराज्य में भगवा झंडा फहराने का उसका सपना अधूरा रहेगा। फिर ममता के पास तर्कहोगा कि आने वाले दिनों में वे ही भाजपा को केंद्रीय स्तर पर चुनौती दे सकती हैं। अगर नतीजे इसके उलट रहे तो भाजपा कह सकती है कि आने वाले दिनों में उसके सामने कोई चुनौती नहीं रहने वाली।

एक दौर में पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और केरल की ख्याति वामपंथ के गढ़ के रूप में रही है। लेकिन विगत दो चुनावों से यहां वामपंथी किला बचा हुआ है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि केंद्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ खड़ा केरल का वामपंथ कांग्रेस के साथ है। लेकिन राज्य में उसकी लड़ाई कांग्रेस के ही साथ है। वैसे इसी दिसंबर में हुए नगर निकाय चुनावों में भाजपा ने राज्य की राजधानी तिरूअनंतपुरम् पर कब्जा कर लिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वाधिक सक्रियता वाले राज्यों में शुमार होने के बावजूद केरल अब भी भाजपा के लिए प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। इस बार भी माना जा रहा है कि लड़ाई वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे के ही बीच रहेगी। भाजपा की कोशिश इस चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाने की ही रहेगी। अगर वह ऐसा करने में सफल रहती है तो सही मायने में अखिल भारतीय पार्टी बनने का वह दावा कर सकती है। अगर वामपंथ यहां से इस

बार सत्ता से दूर होता है तो उसकी वापसी की संभावना क्षीण होगी। उसके लिए खतरा यह होगा कि विपक्षी भूमिका में भाजपा खुद को उभारने की कोशिश करेगी और वह वामपंथ को धीरे-धीरे उसी तरह गायब कर देगी, जैसे उसने त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में कर दिया है। अगर कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे को जीत मिलती है तो उससे पार्टी का मनोबल बढ़ सकता है। तब भाजपा विरोधी उसकी केंद्रीय भूमिका को नई ताकत मिल सकती है। केरल की ही तरह पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में भी भाजपा तीसरा कोना बनने की कोशिश में लगातार जुटी हुई है। राज्य की 234 सीटों वाली विधानसभा में पिछली बार द्रविड़ मुनेत्र कषगम् यानी डीएमके वाले मोर्चे को 133 सीटों पर जीत मिली थी। इस बार भाजपा विपक्षी अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में उतर कर डीएमके के मोर्चे को पटखनी देने की कोशिश में है। भाजपा ने राज्य में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की प्रक्रिया के तहत यहीं के सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचा चुकी है। अगर भाजपा राज्य में अन्नाद्रमुक के साथ अहम उपस्थिति बनाने में सफल रहती है, तो वह राष्ट्रीय स्तर पर कह सकती है कि आने वाले दिनों में राज्य में भी वह मजबूत संख्या बल हासिल कर सकती है। केरल और तमिलनाडु में गंभीर उपस्थिति दक्षिण के प्रश्न प्रदेश को हल करने का मजबूत जरिया बनेगी। लेकिन अगर डीएमके मोर्चा जीतता है तो तय है कि हिंदुत्व विरोधी आक्रामक बयानबाजी का केंद्र दक्षिण बना रहेगा। इसका असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। मोटे तौर पर कह सकते हैं कि अगर असम में भाजपा अपनी उपस्थिति बनाए रखती है, बंगाल के किले पर फतह कर लेती है और तमिलनाडु और केरल में अहम उपस्थिति बना लेती है तो माना जाएगा कि उसका राजनीतिक अश्वमेध का घोड़ा दौड़ता रहेगा, लेकिन अगर वह ऐसे नतीजे लाने में नाकाम रही तो उसकी भावी राजनीति भी प्रभावित होगी। इससे कांग्रेसी खेमा नए उत्साह में होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं)

-उमेश चतुर्वेदी

हैल बोरलैंड

हर सुबह एक नई संभावना लेकर आती है, और हर रात आत्मचिंतन का अवसर। वर्षांत पर हम पीछे मुड़कर देखते हैं, पर ठहरते नहीं। यह देखने की प्रक्रिया हमें बोझिल नहीं बनाती, बल्कि हल्का करती है।

जीवन सीधी रेखा नहीं, बहती नदी है

जब हम कैलेंडर का आखिरी पन्ना पलटते हैं, तो ऐसा लगता है, जैसे कुछ छूट रहा है। पर सच यह है कि कुछ भी समाप्त नहीं होता, वह हमारे भीतर रूप बदलकर बस जाता है। बीते दिनों की हंसी, असफलताओं की चुभन, और छोटी-छोटी जीतें, सब मिलकर हमें थोड़ा और समझदार बना देती हैं। समय हमें सिखाता है कि हर सुबह एक नई संभावना लेकर आती है, और हर रात आत्मचिंतन का अवसर। वर्षांत पर हम पीछे मुड़कर देखते हैं, पर ठहरते नहीं। यह देखने की प्रक्रिया हमें बोझिल नहीं बनाती, बल्कि हल्का करती है, क्योंकि समझ आ जाता है कि सबक साथ हैं, पछतावे नहीं। अनुभव की सबसे बड़ी देन यह है कि वह धैर्य देना सिखाता है। जो तुरंत नहीं मिला, वह शायद हमें तैयार कर रहा था। जो टूट गया, वह हमें जोड़ने की कला सिखा गया। वर्ष के आखिर में यह समझ पुख्ता होती है कि जीवन सीधी रेखा नहीं, बल्कि लय में बहती नदी है। नदी कभी पीछे नहीं बहती, फिर भी वह अपने स्त्रोत को नहीं भूलती। इसी तरह, बीता वर्ष हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। हम याद करते हैं उन लोगों को, जिन्होंने साथ दिया, और उन क्षणों को, जिन्होंने हमें बदल दिया। ये यादें दिशा देती हैं, बोझ नहीं बनतीं। आगे बढ़ना केवल आगे देखना नहीं होता, आगे बढ़ने का मतलब भीतर झांकना भी है। वर्षांत हमें ठहरकर पूछने देता है, हमने क्या सीखा, किसे माफ किया, और कहां और बेहतर बन सकते हैं? ये प्रश्न ही हमें अगले कदम के योग्य बनाते हैं। नया साल किसी जादुई दरवाजे की तरह नहीं खुलता, जहां सब कुछ बदल जाए। समय हमें दिखाता है कि तेजी नहीं, स्थिरता आगे ले जाती है। जब हम बीते साल को विदा करते हैं, तो कृतज्ञता का भाव जागता है। जो मिला, उसके लिए धन्यवाद, जो नहीं मिला, उसके लिए भी धन्यवाद, क्योंकि शायद उसने हमें कुछ और बनने की जगह दी। कृतज्ञता हमारे मन को शांत और दृष्टि को साफ करती है।

इस तरह वर्ष का अंत न तो अंत है, न शुरुआत, यह एक निरंतर यात्रा का पड़ाव है। बीते दिनों की गलतियां हमें शर्मिंदा करने नहीं, बल्कि सचेत करने आती हैं। जो अधूरा रह गया, वह हमें धैर्य सिखाता है, और जो पूरा हुआ, वह विश्वास जगाता है। धीरे-धीरे यह एहसास गहराता है कि जीवन का सौंदर्य पूर्णता में नहीं, प्रयास में है। इसी समझ के साथ हम आगे बढ़ते हैं, हल्के कदमों और शांत मन के साथ, समय की लय में स्वयं को ढालते हुए।

सूत्र : हरदम प्रयास करते रहें

हर दिन बीत रहा है, आप इसे अंत या शुरुआत मानें। खुद को बेहतर करने के लिए निरंतर प्रयास करना जरूरी है, ताकि हम बेहतर कर सकें। छोटे लक्ष्य, ईमानदार प्रयास, और करुणा, यही टिकाऊ प्रगति के आधार हैं। समय हमें दिखाता है कि तेजी नहीं, स्थिरता आगे ले जाती है।

डिजिटल संसार में सेहत के जोखिम

आज की पीढ़ी ने अपने बच्चों को पूरी दुनिया एक छोटी-सी स्क्रीन में सौंप दी है। मगर क्या वे इस दुनिया को समझ भी पा रहे हैं? इससे बच्चों के मस्तिष्क पर होने वाला असर अब एक जटिल समस्या बनता जा रहा है।

यह मानव स्वभाव है कि हर पौड़ी अपने चच्चों को खुद से अधिक सुविधाएं देने का प्रयास करती है। मगर ऐसा लगता है कि आज की हमारी पीढ़ी ने अपने बच्चों को पूरी दुनिया एक छोटी सी स्क्रीन में सौंप दी है। बच्चे अब पहाड़, समुद्र, युद्ध, महामारी और उत्सव सच कुछ अंगुलियों के एक रपर्श से देख सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वे इस दुनिया को समझ भी पा रहे है? या फिर सिर्फ देख रहे हैं, बिना याद रखे, बिना गहराई से महसूस किए ? इसी प्रश्न के बीच दो नई आयतें उभरकर सामने आती हैं, %बेड-राटिंग% और स्क्रालिंग संस्कृति, जो बच्चों की दृश्य स्मृति और मानसिक सक्रियता को प्रभावित कर रही हैं। %बेड राटिंग% का अर्थ है लंबे समय तक बिस्तर पर ही पड़े रहना और मोबाइल चलाते रहना। पढ़ाई, मोबाइल, खाना और आराम सब कुछ एक ही जगह पर। यह आदत अकसर थकान या उदासी के नाम पर शुरू होती है, लेकिन धीरे-धीरे जीवनशैली चन जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब बिस्तर केवल सोने की जगह न रहकर जागने और स्क्रीन देखने का केंद्र बन जाता है, तो दिमाग को स्पष्ट संकेत नहीं मिलते। इसका सीधा असर नीद की गुणवता और स्मृति निर्माण की प्रक्रिया पर पड़ता है।

बच्चों के मामले में यह स्थिति और भी संवेदनशील है। उनका दिमाग अभी विकसित हो रहा होता है। %विजुअल प्रोसेसिंग% चानी दृश्य प्रसंस्करण वह क्षमता है, जिससे बच्चा आकार, रंग, दूरी, दिशा और गति को समझता है। दृश्य स्मृति वह शक्ति है, जिससे वह देखी हुई जानकारी को याद रखता है, चाहे वह शब्दों का रूप हो, किसी का चेहरा हो या रास्ते की पहचान। इन क्षमताओं का विकास केवल किताबों या स्क्रीन से नहीं होता, बल्कि वास्तविक दुनिया के अनुभवों से होता है, जैसे खुली जगह, खेल, दौड़ना, चेहरे पढ़ना, और वस्तुओं को छूकर समझना आदि। लगातार बिस्तर पर रहकर एक सीमित दूरी से स्क्रीन देखना दृश्य अनुभव को संकुचित कर देता है। ऐसे में बच्चा तेज, चमकीली और लगातार बदलती तस्वीरों का आदी हो जाता है। तंत्रिका तंत्र विज्ञान से जुड़े शोध बताते हैं कि इस तरह के एकरूप दृश्य अनुभव से मस्तिष्क के ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और दृश्य विशेष कौशल कमजोर हो सकता है। इसका असर आगे चलकर पढ़ने-लिखने और समझने की क्षमता पर भी दिखता है।

इसी सीमित दृश्य संसार में प्रवेश करती है %दूम-रक्रालिंग% वानी नकारात्मक, डराने वाली और संकट से भरी सूचनाओं को बिना रुके देखते जाना। महामारी, युद्ध, अपराध और आपदाओं की लगातार तस्वीरे बच्चों और किशोरों के मन में यह भावना बैठा देती हैं कि दुनिया असुरक्षित और भयावह है। अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार, इस तरह की आदत चिंता, अवसाद और मानसिक थकान बढ़ाती है। चिंतित दिमाग न तो ध्यान केंद्रित कर पाता है और न ही नई जानकारी को ठीक से याद रख पाता है। इसके विपरीत हाल के वर्षों में %ब्लूम-रक्रालिंग% की अवधारणा सामने आई है, यानी सकारात्मक, प्रेरक और ज्ञानवर्धक सामग्री को चुनकर देखना। सही तरीके से अपनाया जाए, तो यह बच्चों में जिज्ञासा, आशावाद और रचनात्मक सोच को बढ़ा सकता है। लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश डिजिटल मंच बच्चों को सोच-समझकर चुनने की बजाय लगातार रक्राल करते रहने के लिए डिजाइन किए गए हैं। एल्गोरिदम का उद्देश्य मानसिक विकास नहीं, बल्कि रक्रीन समय बढ़ाना होता है। %बेड राटिंग% और %स्क्रालिंग% संस्कृति का समग्र प्रभाव बच्चों की ध्यान क्षमता पर साफ दिखाई देता है। शिक्षक बताते हैं कि बच्चे लंबे समय तक किसी पाठ पर ध्यान नहीं लगा पाते।

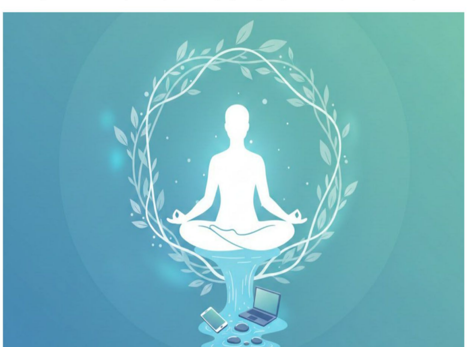

भारत में डिजिटल साधनों को शिक्षा जाता है, जो सही भी है। मगर इस उत्साह में बच्चों के मानसिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की अनदेखी हो रही है। शहरी घरों में बच्चों का खेल मैदान मोबाइल बन चुका है। छोटे शहरों और कस्बों में भी यही प्रवृत्ति बढ़ रही है। परिणामस्वरूप बच्चों का दृश्य संसार सीमित और एकरूप होता जा रहा है। यह कहना जरूरी है कि तकनीक कोई समस्या नहीं, मगर उसका उपयोग संतुलित होना चाहिए। सवाल यह है कि क्या बच्चों को स्क्रीन के अलावा भी देखने, चलने, खेलने और सोचने के पर्याप्त अक्सर मिल रहे हैं?

इस पर हुए अध्ययन इस बात का संकेत देते हैं कि अत्यधिक रक्रीन उपयोग से क्रियाशील रमृति और अनुक्रमिक विचारशीलता कमजोर हो सकती है। नींद इस पूरी समस्या का केंद्र है। वैज्ञानिक रूप से यह स्थापित तथ्य कि स्मृति विशेषकर दृश्य नींद के दौरान रसरण शक्ति में स्थायित्व हासिल करते हैं। जब बच्चे देर रात तक बिस्तर पर स्क्रीन देखते रहते हैं, तो नींव की अवधि ही नहीं, उसकी गुणवत्ता भी घटती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन हामौन को दवाती है, जिससे दिमाग को आराम कर संकेत नहीं मिल पाता। नतीजतन अगला दिन थकान, चिड़चिड़ेपन औ-ध्यान-भंग के साथ शुरू होता है।

एक समय था, जब परिवार के बुजुर्ग बच्चों से सहज रूप से पूछ लेते थे %कोई पहाड़ा सुनाओ।% यह केवल गणित का अभ्यास नहीं था, बल्कि बच्चे की मानसिक सक्रियता को परखने का तरीका था। वैज्ञानिक रष्टि से देखें, तो पहाड़ा याद करना क्रियाशील स्मृति, अनुक्रमित प्रसंस्करण और दृश्य श्रवण समन्वय तीनों की सक्रिय करता है। बच्चे को अंकों की दृश्य छवि बनानी होती है, क्रम याद रखना होता है और बिना रुके सही उत्तर देना होता है। तंत्रिका तंत्र विज्ञान बताता है कि ऐसी गतिविधियां मस्तिष्क के उ खास हिस्सों को सक्रिय करती हैं, जो ध्यान और स्मृति के लिए जिम्मेदान हैं। आज जब उत्तर एक क्लिक में स्क्रीन पर मिल जाता है, तो दिमाग की वह कसरत नहीं हो पाती है। दुनिया के कई देशों ने इस बदलती स्थिति क गंभीरता से लिया है। फ्रांस, डेनमार्क और नार्वे जैसे देशों में बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त दिशा-निर्देश लागू किए गए हैं। आस्ट्रेलिया में तो सोलह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। यूरोप के कई स्कूलों में %डिजिटल वेल बीइंग% यानी डिजिटल तकनीक के संतुलित उपयोग की पाठ्धक्रम का हिस्सा बनाया गया है, ताकि बच्चे तकनीक का उपयोग करना सीखें, उसके गुलाम न बनें।

भारत में तस्चौर थोड़ी जटिल है। यहां डिजिटल साधनों को शिक्षा औन अवसर के रूप में देखा जाता है, जो सही भी है। मगर इस उत्साह में बच्चों के मानसिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की अनदेखी है रही है। शहरी घरों में बच्चों का खेल मैदान मोबाइल बन चुका है। छोटे शहर और कस्बों में भी यही प्रवृत्ति बढ़ रही है। परिणामस्वरूप बच्चों का दृश्य संसा सीमित और एकरूप होता जा रहा है। यह कहना जरूरी है कि समस्या तकनीक नहीं, उसका असंतुलित उपयोग है। स्क्रीन अपने आप में न तो श है और न समाधान, यह एक माध्यम है। सवाल यह है कि क्या बच्चों क स्क्रीन के अलावा भी देखने, चलने, खेलने और सोचने के पर्याप्त अवसर मिल् रहे हैं? यदि नाहीं, तो उनकी दृश्य स्मृति और समझा अधूरी ही रह जाएगी। इस मामले में माता-पिता की भूमिका निर्णायक है। घर में यह स्पष्ट होना चाहिए कि बिस्तर केवल सोने की जगह है, पूरे दिन की गतिविधियों का केंद्र नहीं स्क्रीन-मुक्त समय और स्थान तय करना, बच्चों के साथ बैठकर सामग्री चुनना तथा उनके डिजिटल अनुभव पर संवाद करना आज की जरूरत है।

रकूलों को भी अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करना होगा। डिजिटल साक्षरता का अर्थ केवल तकनीक का इस्तेमाल नहीं, चल्कि यह समझाना भी है कि इसम परोसी जा रही सामग्री का बच्चों के दिमाग पर कैसा असर हो रहा है। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि नकारात्मक सूचनाओं और सामग्री से मानसिक दूरी कैसे बनाई जाए और सकारात्मक जानकारी को कैसे चुना जाए। बच्चों क मानसिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य केवल परिवार की नहीं, पूरे समाज क जिम्मेदारी है। उम्र-आधारित दिशा-निर्देश, डिजिटल मंच की जधावदेही औन सार्वजनिक जागरूकता, तीनों पर एक साथ काम करने की जरूरत है।

-मनीष जैसल

निवेशकों को नया विकल्प- अप्रैल 2026 से शुरू होगा स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड

मुंबई (एजेंसी)। भारत में निवेशकों के लिए अप्रैल 2026 से नया निवेश विकल्प स्पेशलाइज्ड इवेंस्टमेंट फंड (एसआईएफ) पेश किया जाएगा। सेबी ने पारंपरिक म्यूचुअल फंड, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स (एआईएफएस) के बीच की खाली जगह को भरने के लिए मंजूरी दी है। एसआईएफ मुख्य रूप से उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख रुपये तक का निवेश कर सकते हैं, लेकिन एआईएफ या पीएमएस के लिए आवश्यक बड़ी रकम नहीं लगाना चाहते। वर्तमान में, म्यूचुअल फंड छोटे निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं, जहां एसआईपी के जरिए 500 या 1,000 रुपये से निवेश शुरू हो सकता है। वहीं, एआईएफ उच्च जोखिम वाले फंड होते हैं, जो स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, निजी कंपनियां और हेज फंड जैसी गैर-पारंपरिक संपत्तियों में निवेश करते हैं। इनमें न्यूनतम निवेश करीब 1 करोड़ रुपये होता है और ये मुख्य रूप से उच्च नेटवर्थ निवेशकों के लिए होते हैं। पीएमएस में निवेशक का पैसा एक पेशेवर पोर्टफोलियो मैनेजर संभालता है, जिसमें करीब 50 लाख रुपये निवेश करना जरूरी होता है। लेकिन सेबी का नया एसआईएफ इन दोनों विकल्पों के बीच का सेतु है। यह लंबी अवधि के लिए एडवांस निवेश रणनीतियों जैसे इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट, डेट लॉन्ग-शॉर्ट, सेक्टोरल डेट लॉन्ग-शॉर्ट, एक्टिव एसेट एलोकेशन और हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट में निवेश कर सकता है। एसआईएफ म्यूचुअल फंड की तरह ही निवेशकों को एसआईपी, एसडब्ल्यूपी और एसटीपी की सुविधा भी देगा। हालांकि, इसका एंट्री टिकट 10 लाख रुपये है, लेकिन एक बार यह राशि जमा हो जाने के बाद निवेशक केवल 10,000 रुपये से एसआईपी, एसटीपी या एसडब्ल्यूएस शुरू कर सकते हैं। कुल मिलाकर, एसआईएफ उन निवेशकों के लिए आदर्श विकल्प है जो जोखिम समझते हैं, लंबी अवधि के निवेश की योजना बनाते हैं और म्यूचुअल फंड से एक कदम आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन एआईएफ या पीएमएस की ऊंची शुरुआती राशि से बचना चाहते हैं। यह नया फंड मध्यम और समझदार निवेशकों को पेशेवर निवेश रणनीतियों का लाभ उठाने का मौका देगा, जिससे वे पारंपरिक निवेश विकल्पों के साथ-साथ अधिक लचीले और उच्च रिटर्न वाले विकल्पों का आनंद ले सकेंगे।

वैश्विक बाजार में तांबे में रिकॉर्ड उछाल, भारत में भी जोरदार तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 के अंत में ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में कॉपर (तांबा) ने निवेशकों और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है। लंदन मेटल एक्सचेंज (एनएमई) पर कॉपर के दाम लगभग 13,000 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गए। दिसंबर महीने में कॉपर की कीमतों में 15 फीसदी से ज्यादा की तेजी दर्ज की गई, जो सिर्फ एक दिन की तेजी नहीं, बल्कि पूरे महीने की मजबूत रैली का नतीजा है। भारत में भी एमसीएक्स पर कॉपर के भाव 259.30 से 1,348 रुपए प्रति किलो तक पहुंचकर 7.9 फीसदी की तेजी के साथ अपर सर्किट पर लॉक हो गए। इसी तरह निकल में भी लगभग 8 फीसदी की तेजी देखी गई। ?हिंदुस्तान कॉपर और माधव कॉपर जैसे स्टॉक्स में 10 फीसदी से 29 फीसदी तक उछाल आया। साल 2025 में कॉपर ने 41.67 फीसदी की कुल बढ़त दर्ज की, जिससे यह साल का सबसे ज्यादा बढ़त देने वाला बेस मेटल बन गया। 2026 के लिए कॉपर का टारगेट 6 डॉलर प्रति पाउंड रखा गया है। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि चीन की मांग में कमी आने पर कीमतों की रफ्तार पर ब्रेक लग सकता है। अमेरिका की ट्रेड पॉलिसी और चीन की मांग ही भविष्य की कीमतों को तय करेंगे।

शरद पवार ने गौतम अडानी को युवा उद्यमियों के लिए बताया प्रेरणादायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने उद्योगपति गौतम अडानी की जमकर तारीफ की और उनके व्यक्तिगत सफर को भारत के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। यह बयान पुणे जिले के बारामती में शरदचंद्र पवार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उद्घाटन के दौरान आया। यह सेंटर अडानी समूह द्वारा फंड किया गया है और पवार परिवार के विद्या प्रतिष्ठान के तहत संचालित है। पवार ने कहा कि अडानी गुजरात के बनासकांठा जिले से आए थे और मुंबई में अपने कारोबार की शुरुआत शून्य से की। आज उनका व्यवसाय 23 राज्यों में फैला है। पवार ने इसे मेहनती युवाओं के लिए प्रेरणा बताया और अडानी की उपलब्धियों की सराहना की। सुप्रिया सुले ने पवार और अडानी परिवार के 30 साल पुराने संबंध का जिक्र किया और कहा कि वे अडानी को भाई के रूप में देखते हैं। अडानी ने भी पवार को अपना गुरु बताया और उनके नेतृत्व, बुद्धिमत्ता और सहानुभूति की प्रशंसा की। गौतम अडानी ने बारामती को विकास का मॉडल बताया और कहा कि पवार के दूरदर्शी नेतृत्व ने स्थानीय विकास को नई ऊँचाई दी। एआई पर अडानी ने कहा कि यह संचालन और ग्राहक सेवा को बदल देगा और सेंटर के साथ साझेदारी तकनीकी क्षमता निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

रुपया सपाट बंद

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 89.89 पर सपाट बंद हुआ। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्त शुरुआत के बीच सप्ताह के पहले अकारोबारी ?दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे टूटकर 89.95 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले इसी स्तर पर खुली, जो इसके पिछले बंद भाव से गिरावट को दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 89.90 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। इससे पिछले कुछ महीनों से रुपये पर दबाव बना हुआ है और मुद्रा में स्थिरता नहीं आ पा रही है। वैश्विक स्तर पर छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 98.00 पर रहा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर रुपये की आगे की चाल निर्भर करेगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 345.91 अंक फिसलकर 84,695.54 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 100.20 अंक टूटकर 25,942.10 पर बंद हुआ था। आज सबसे अधिक गिरावट आईटी शेयरों में रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.75 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा और कमोडिटीज के शेयर भी नीचे आये। पीएसयू बैंक, एफएमसीजी और मीडिया के शेयरों में ही तेजी रही। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 313.15 अंक नीचे आकर 60,001.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 127.40 अंक फिसलकर 17,567.70 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एशियन पेंट्स, जोमैटो, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, इंडिगो और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे थे जबकि पावर ग्रिड, ट्रेंट, बीईएल, भारती एयरटेल, एमएंडएम, टीसीएस, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, के शेयरों को नुकसान हुआ। बीएसई के 2,748 शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि 1,568 शेयर उछले। वहीं 196 शेयरो में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह एशियाई शेयर बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 85,004 अंकों पर खुला। वहीं निफ्टी 26,063 अंकों पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 56.50 अंक की गिरावट के साथ 25,985 अंकों पर कारोबार करता नजर आया। सेंसेक्स ने भी शुरुआती बढ़त के बाद कमजोरी दिखाई। सुबह शुरुआत के बाद यह 231.86 अंक गिरकर 84,809.59 के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार नए साल 2026 से पहले निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं। वैश्विक संकेतों, ब्याज दरों और आगामी आर्थिक आंकड़ों को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशक नए निवेश से फिलहाल दूरी बनाए हुए हैं और बेहतर अवसरों का इंतजार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में वैश्विक बाजारों की दिशा, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भारतीय बाजार की चाल निर्भर करेगी।

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ी, महंगे होंगे दाम

सेंट्रल एक्साइज बिल, 2025 को संसद में मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल एक्साइज (संशोधन) बिल, 2025 को हाल ही में संसद ने मंजूरी दी है। इस बिल के तहत सिगरेट, सिगार, हुक्का, खैनी और स्मोकिंग मिक्सचर जैसे तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में भारी वृद्धि की गई है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इसे पेश किया था। सरकार का उद्देश्य तंबाकू खपत को कम करना और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों में कटौती करना बताया जा रहा है। बिल के अनुसार, सिगरेट पर लगने वाला उत्पाद शुल्क प्रति 1,000 स्टिक 200-735 रुपये से बढ़कर 2,700-11,000 रुपये हो जाएगा। खैनी पर शुल्क चार गुना बढ़कर 25 से 100 फीसदी होगा। हुक्का तंबाकू पर यह 25 फीसदी से बढ़कर 40 फीसदी हो जाएगा, जबकि स्मोकिंग मिक्सचर का शुल्क 60 फीसदी से 300 फीसदी तक बढ़ सकता है। अधिकारियों का अनुमान है कि 18 रुपये की सिगरेट की कीमत जल्द ही 72 रुपये तक पहुंच सकती है। सोशल मीडिया पर इस बढ़ोतरी को लेकर प्रतिक्रियाएं अलग-अलग हैं। कुछ धूम्रपान करने वाले इसे स्वागत योग्य मान रहे हैं और इसे छोड़ने की प्रेरणा बता रहे हैं। वहीं कुछ इसे सरकार का अत्यधिक हस्तक्षेप मान रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कीमतों में इतनी वृद्धि से तंबाकू की खपत में कमी आ सकती है, लेकिन गरीब और नियमित उपयोगकर्ताओं पर असर ज्यादा पड़ेगा। इसके साथ ही लोग सस्ते या अवैध विकल्पों की ओर बढ़ सकते हैं।

दो हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बीते दो हफ्ते में तेजी से बढ़ा है। इस दौरान फॉरेक्स रिजर्व 4.36 अरब डॉलर बढ़कर 693.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आबीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में सिर्फ 1.6 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी। तब कुल रिजर्व 688.94 अरब डॉलर रहा था। यानी इस बार की बढ़त कहीं ज्यादा मजबूत रही। इस हफ्ते फॉरेक्स रिजर्व में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह गोल्ड रिजर्व रहा। एक ही हफ्ते में भारत का सोने का भंडार 2.62 अरब डॉलर बढ़कर 110.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। बीते कुछ महीनों से वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर सोने की ओर ज्यादा रुख कर रहे हैं। इसी वजह से गोल्ड की कीमतों में तेजी है। इसका सीधा असर भारत के गोल्ड रिजर्व के मूल्य पर पड़ा है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां यानी फारेन करेंसी एसेट (एफसीए) इस हफ्ते 1.641 अरब डॉलर बढ़कर 559.428 अरब डॉलर हो गईं। ये कुल विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा होती हैं। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, एफसीए में यह बढ़ोतरी सिर्फ डॉलर फ्लो से नहीं होती, बल्कि यूरो, पाउंड और जापानी येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में उतार-चढ़ाव से होने वाले वैल्यूएशन बदलाव भी इसमें शामिल रहते हैं। इस हफ्ते स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) में भी हल्की बढ़ोतरी देखने को मिली। एसडीआर 8 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.744 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ भारत की रिजर्व पोजिशन 95 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.782 अरब डॉलर हो गई। विदेशी मुद्रा भंडार वे संपत्तियां होती हैं, जिन्हें किसी देश का केंद्रीय बैंक अपने पास रखता है। इनमें मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर जैसी रिजर्व करेंसी शामिल होती हैं।

मेष- आज आपको किसी काम को लेकर धैर्य और संयम बनाए रखना होगा। किसी काम को लेकर उतावलापन न दिखाएं। आपके कुछ विरोधी आपका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप अपनी चतुर बुद्धि से उन्हें मात दे सकेंगे। घूमने फिरने की आप योजना बना सकते हैं। मित्रों का आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपको किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलनी होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए किसी वाद-विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा। आपके मन में काम को लेकर कुछ उलझनें रहेगी, उतार-चढ़ाव अधिक रहेंगे। यदि आपकी कोई डील अटकी थी, तो वह फाइनल हो सकती हैं। आप अपनी संतान को कोई नया वाहन दिलाने की योजना बनाएंगे और यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे आपको समय रहते पूरा करना होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए धनधान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है, लेकिन आपको कोई बहलाने-फुसलाने की कोशिश कर सकता है। आप किसी की बातों पर भरोसा ना करें, जो लोग विदेश में व्यापार कर रहे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। माता जी की सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ अधिक रहेगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए आय को बढ़ाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा। आप अपने कामों को लेकर जल्दबाजी दिखा सकते हैं, जिससे कोई गड़बड़ी भी हो सकती है। आप किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होंगे, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आपकी संबंधियों से खूब पटेगी और बिजनेस को लेकर आपको कुछ यात्राएं भी करनी पड़ सकती हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेंगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। परिवार के सदस्यों के साथ आपका अच्छा समय व्यतीत होगा और आपकी अपने दोस्तों से खूब पटेगी। राजनीति में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नयी पहचान मिलेगी। आपको अपने किसी नए काम में सोच समझकर हाथ बढ़ाना होगा और विद्यार्थियों की कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

कन्या- आज आपको अपने आलस्य को त्यागकर आगे बढना होगा और अपनी वाणी के सौम्यता बनाए रखनी होगी। किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं, जिससे आपको समय रहते पूरा करने की कोशिश करनी होगी। आप यदि किसी काम को लेकर परेशान थे, उसके लिए आप अपने भाइयों से बातचीत कर सकते हैं, लेकिन आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले और किसी जोखिम भरे काम में हाथ ना डालें।

तुला- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आपकी इनकम से ज्यादा खर्चा करेंगे,जिससे आपकी टेंशन भी अधिक रहेगी। आप आपको संतान के मन माने व्यवहार को लेकर परेशान रहेंगे। आपको एक साथ काफी काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाएंगे, जिसके लिए आप कुछ खरीदारी भी कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी में आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे, जिससे आप अपने बॉस की आंखों का तारा बनेंगे। आपके प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है। किसी नए काम में आप थोड़ा सोच समझकर हाथ बढ़ाएं और आपको समय का सदुपयोग करके कामों का करना होगा। आप किसी नयी नौकरी को ढूंढने में लगे थे, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है।

धनु- आज आपको बड़ों का सहयोग और सानिध्य भरपूर मात्रा में मिलेगा। आप अपनी बुद्धि और विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान करेंगे। आपके अंदर कुछ एक्स्ट्रा एनर्जी रहने से आप कामों को समय से निपटाने में लगे रहेंगे। आपका ध्यान इधर-उधर के कामों में भी लग सकता है। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

मकर- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। यदि आपका कोई काम पेंडिंग था, तो उसे भी पूरा करने के लिए आप समय निकालेंगे, लेकिन आपको अपने धन को लेकर किसी अजनबी पर भरोसा नहीं करना है, नहीं तो वह आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपके बिजनेस में तकनीकी समस्या आने से आप परेशान रहेंगे। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा और आप अपने जूनियर से काम को लेकर मदद मांग सकते है, जो विद्यार्थी पढ़ाई लिखाई में समस्या महसूस करें, उन्हें अपने गुरुजनों से बातचीत करने की आवश्यकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे और आपके खर्च बढ़ेंगे, जो आपको थोड़ी समस्या दे सकते हैं। आपको अपने परिवार में बड़े बुजुर्गों की सेहत पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है और आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों को पहचानने की आवश्यकता है, नहीं तो वह आपका कोई भारी नुकसान करा सकते हैं।

शब्दजाल - 8125

गं	ल	जें	द्र	कु	मा	रा	श	न	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	रा	म	रा	ज	नी	ति	ल	ख	म
रा	स	स	क्ष	दि	वा	ज	ध	रा	श	दु
ज्य	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	म	झ	रा
पा	ल	ला	र	दि	म	रा	ती	चं	घ	ज
ल	व	रा	ज	तं	त्र	ह	ज	द्र	व	धा
श	एं	वा	ई	द	ब	गी	डू	ए	श	नी
मी	ड	ल	रा	व	ण	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	रा	ज	म	ह	ल	त	ब	प	म

शब्दजाल में 'रा' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

राजतंत्र,राजनीति,राजधानी,राजमहल, रामचंद्र,राक्षस,राहगीर,राज्यपाल,रावण, राशन

शब्दजाल - 8124 का हल

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ला	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

30 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 364 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 07.52 बजे तदनन्तर एकादशी 05.01 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 03.59 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्ध 01.02 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 07.52 बजे, वणिज 18.30 बजे तदनन्तर विष्टि 05.01 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 09.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 10' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872574 **जूलियन दिन** 2461039.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 09 **विशेष** पौष पुत्रदा एकादशी, तैलंग स्वामी जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.48 बजे से
चंद्र	मेष में	कुंभ	09.34 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.07 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.38 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.18 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.16 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.45 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.57 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	तुला	01.08 बजे से
		वृश्चिक	03.23 ब.से
		धनु	05.39 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7069

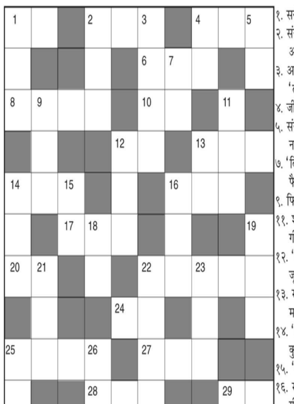

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7068

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
र्मा		र्ज		मो	ह	रा		द	
	कं		आ		रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	रा	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रो	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः क्रोध की आग

एक संत के शिष्य की शिक्षा पूरी हो गई। जाने से पहले संत ने उसकी सभी तरह से परीक्षा ली, किंतु एक महत्वपूर्ण परीक्षा बाकी रह गई थी। जब शिष्य ने जाने की आज्ञा मांगी तो संत ने उसे कुछ और दिन रुकने के लिए कहा। शिष्य रुककर संत की सेवा करता रहा। एक दिन संत ने कुटिया में धूनी जलाकर रख दी और कुछ देर बाद शिष्य से कहा, 'पुत्र, देखो तो धूनी में कुछ आग है। मुझे थोड़ी आग चाहिए। जरा धूनी में से निकाल कर दे दो।' शिष्य ने आग कुरेद कर कहा, 'गुरुजी, इसमें तो आग नहीं है। मैं आपको कहीं और से आग लाकर देता हूं।' संत बोले, 'नहीं पुत्र, कहीं और जाने की आवश्यकता नहीं है। मुझे तो इस धूनी में अग्नि के दर्शन हो रहे हैं। तुम मुझे इसी में से अग्नि निकाल कर दो।' शिष्य ने फिर धूनी को कुरेदा। किंतु धूनी तो बिल्कुल बुझ चुकी थी। शिष्य विनम्रतापर्वक बोला, 'नहीं गुरुजी अब तो इसमें तनिक भी अग्नि नहीं है।' लेकिन संत बार-बार यही दोहराते रहे कि थोड़ी अग्नि तो है और शिष्य हर बार विनम्रता से मना करता रहा। यह क्रम पचास बार चला। अंत में संत ने शिष्य को गले से लगाते हुए कहा , 'तुम आखिरी परीक्षा में भी उत्तीर्ण हुए। मैं तो यह जांच रहा था कि क्या तुम्हारे भीतर अब भी क्रोध की थोड़ी आग बची हुई है? मगर तुमने उस पर पूर्ण विजय प्राप्त कर ली है।' संत ने शिष्य को आशीर्वाद देकर विदा किया।

सूडोकु नवताल- 7378

★☆☆☆☆ सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7377 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 8593

बाएँ से दाएँ

1.धनुर्धर-2,2
4.तरुणी,नाजनीन-4
7.संतुष्ट होना-5
9.टेलीग्राम-2
11.महोदय (अंग्रेजी-2)
12.कटि,कमरिया-3
14.फटकार,भर्त्सना-4
15.वतन,स्वेदश-4
16.पार होना,पार करना-3
18.विद्रोही-2
19.गरीब,निर्धन-2
21.लोचदार,लचकदार-5
25.पारंपरिक,पुरातन-4
26.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1.शीघ्रता,जल्दी-3
2.मूल्य,कीमत-2
3.जनता,आम आदमी-2
4.किनारा,कोरा-2
5.इंकार,मनाही-2
6.पानी गर्म करने का यंत्र-3
8.भ्रम,वहम-3
10.साधू,संन्यासी-3,2
11.मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12.कपड़े की दीवार-3
13.जिव्हा,जीभ-3
17.रसदार,रसभरा-3
18.कारण,वजह-3
20.नेत्र,लोचन-3
21.बुरी आदत-2
22.एक पड़ोसी देश-2
23.पराया,पंख-3
24.रग,नाड़ी-2

शब्द पहेली -8592 का हल

	शा	र	दा		सा	हि	ल	
दा	म		न		ल		त	ब
खि		प्रा	ब	धा	न			रा
ल	ब	ण		न		त	ह	त
		ना	म		रा	ह		
ती	र	थ		स		ल	ग	न
स			मु	ब	ल	का		क
रा	ज		नी		ह		बे	टा
	न	र	म		जा	हि	ल	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कानफोड़ू व फर्राटेदार साइलेंसरों पर नहीं लग पा रही रोक

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर में इन दिनों मोटरसाइकिलों में लगाए जा रहे कानफोड़ू और फर्राटेदार साइलेंसर आमजन के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। खासकर युवा वर्ग द्वारा ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से मोटरसाइकिलों को मॉडिफाई करवाया जा रहा है। इस शौक में युवाओं की पहली पसंद रॉयल एनफील्ड और स्पोर्ट्स बाइक्स बनती जा रही हैं। इन बाइकों में इंजन और साइलेंसर की तेज, कर्कश आवाज युवाओं को भले ही आकर्षित कर रही हो, लेकिन नगरवासियों के लिए यह असहनीय साबित हो रही है। सुबह से लेकर आधी रात तक सड़कों पर दौड़ती बाइकों की तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। लांजी नगर के व्यस्ततम मार्गों पर प्रेशर हॉर्न और फर्राटेदार साइलेंसर लगे वाहनों को तेज रफ्तार से दौड़ाते युवा सहज ही देखे जा सकते हैं। इससे न केवल आमजन परेशान हैं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी रहती है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब नाबालिग बच्चे, जिनके पैर वाहन से जमीन तक भी नहीं पहुंचते, खुलेआम तेज रफ्तार में बाइक चलाते नजर आते हैं। यह न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि उनकी जान के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। नगर में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण का सबसे अधिक असर बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों पर पड़ रहा है। लगातार तेज आवाज से लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, मानसिक तनाव बढ़ रहा है और शांति भंग हो रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह समस्या अब सामान्य असुविधा नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य समस्या का रूप ले चुकी है। जानकारी के अनुसार, कुछ युवकों द्वारा अपने वाहनों में बड़े पंजाब साइलेंसर, मिनी पंजाब साइलेंसर, इंदौरी साइलेंसर, डॉल्फिन साइलेंसर, बजुका साइलेंसर सहित कई प्रकार के अवैध और फर्राटेदार साइलेंसर लगाए जा रहे हैं। इन साइलेंसरों को लेकर पूर्व में भी कई शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। शिकायतों के बाद लांजी पुलिस द्वारा कार्रवाई भी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद कुछ युवा अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं और

दोबारा मोटरसाइकिल व बुलेट में अवैध साइलेंसर लगाकर सड़कों पर घूमते नजर आ रहे हैं। नगरवासियों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि इस पर सख्त और नियमित कार्रवाई की जाए, अवैध साइलेंसर जब्त किए जाएं, चालानी कार्रवाई के साथ लाइसेंस निरस्त करने जैसे कठोर कदम उठाए जाएं, ताकि नगर में शांति व्यवस्था बनी रहे और आम लोगों को राहत मिल सके। अब देखना यह है कि प्रशासन इस बढ़ती समस्या पर कब और कितना प्रभावी कदम उठाता

कानफोड़ू साइलेंसर वाहनों पर चलेगा विशेष अभियान, होगी सख्त कार्रवाई - दीप सिंह परमार थाना प्रभारी

इस संबंध में जब लांजी थाना प्रभारी दीप सिंह परमार से जानकारी ली गई, तो उन्होंने बताया कि ऐसे वाहनों पर लगाम लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान बिना अनुमति लगाए गए मॉडिफाइड एवं कानफोड़ू साइलेंसर वाले दोपहिया वाहनों की सघन जांच की जाएगी। थाना प्रभारी श्री परमार ने कहा कि अभियान के अंतर्गत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर साइलेंसर जब्त करने के साथ-साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को अनावश्यक ध्वनि प्रदूषण से राहत दिलाना है। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में

कंपनी द्वारा निर्धारित साइलेंसर का ही उपयोग करें और अनावश्यक शोर से बचें। नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा द्वारा अटल स्मृति वर्ष के अवसर पर विधानसभा सम्मेलन आज

राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी कार्यकर्ताओं का करेंगे मार्गदर्शन

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा लांजी के तत्वावधान में अटल स्मृति वर्ष के अवसर पर एक महत्वपूर्ण विधानसभा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन 30 दिसंबर 2025 मंगलवार को

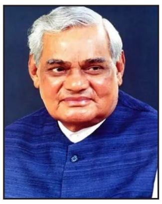

दोपहर 12 बजे से सिद्धेश्वर मंगल भवन लांजी में संपन्न होगा। इस सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडलों के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता, मंडल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सह-संयोजक, बूथ अध्यक्ष, बीएलए-2, मोर्चा अध्यक्षगण तथा बूथ स्तर के समस्त कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचारों, आदर्शों एवं राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को स्मरण करते हुए संगठनात्मक मजबूती प्रदान करना है। कार्यक्रम मे विशेष रूप से मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उनके मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा एवं संगठन के प्रति समर्पण की भावना और अधिक सुदृढ़ होने की अपेक्षा है। भारतीय जनता पार्टी संगठन विधानसभा लांजीङ्किरनापुर द्वारा सभी कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित होने की अपील की गई है। आयोजकों ने बताया कि अटल जी के आदर्शों को आत्मसात कर संगठन को और अधिक मजबूत करना ही इस सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य है। आयोजक मंडल ने सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अटल जी की स्मृति को नमन करने का आग्रह किया है।

सेवानिवृत्त शिक्षक नीलकंठ सोनवाने का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड नम्बर 15 निमटोला निवासी नीलकंठ जी सोनवाने (सेवानिवृत्त शिक्षक) का 92 वर्ष की आयु में 29 दिसम्बर को शाम 7.30 बजे निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार आज 30 दिसम्बर को दोपहर 12 बजे निमटोला के मोक्षधाम में किया जायेगा। आप अपने पीछे पांच पुत्र व 2 पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। आपके निधन पर समाज के पदाधिकारियों, नाते रिश्तेदार, ग्रामीण जनों के द्वारा शोक संवेदना व्यक्त कर मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना कर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की है।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की बैठक सम्पन्न

सेवकराम ठाकरे पुनः बनें अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की बैठक 28 दिसम्बर को मां गायत्री शक्ति पीठ सभागार में टी एल नागपुरे कारंजा की अध्यक्षता में एवं सुनील दत्त खरगाल लांजी की प्रमुख उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में सेक्टर लांजी, कारंजा, बहेला, देवलगांव एवं भानेगांव सेक्टर के पदाधिकारियों की सूची का वाचन किया गया। बैठक में कोषाध्यक्ष एन.एल. बसेरा के द्वारा वार्षिक आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष पद का चयन किया गया। अध्यक्ष पद के चयन हेतु सेवकराम ठाकरे के नाम का प्रस्ताव आई.एस.चौहान द्वारा रखा गया। जिसे सभी सेक्टर के अध्यक्षों जिसमें लांजी से टेकचंद बिहोने, भानेगाँव से बी के पारधी, बहेला से नामदेव बावनथड़े, कारंजा से कन्हैयालाल बनोठे एवं देवलगांव से जे एल चौधरी द्वारा समर्थन दिया गया। साथ ही साथ सभी उपस्थित पेंशनरों द्वारा एक स्वर में श्री सेवकराम ठाकरे को अध्यक्ष घोषित करते हुए प्रस्ताव पारित कर उनके नाम की घोषणा की गई। तह-शाखा लांजी के सभी

सेक्टरों द्वारा सदस्यता सूची प्रस्तुत की जिसके आधार पर वर्ष 2025 में वार्षिक सदस्यों की संख्या 252 है। वहीं आजीवन सदस्य संख्या 86 है। इस तरह कुल पेंशनर्स सदस्य संख्या 338 है। कोषाध्यक्ष द्वारा माह जनवरी 2025 से दिसम्बर 2025 तक बनाये गए सदस्यों से प्राप्त आय व व्यय की जानकारी प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। तहसील शाखा लांजी की अगली बैठक 17 जनवरी 2026 को मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी में रखी गई है। उक्त बैठक में पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा संगठन की कार्यकारिणी की घोषणा की जावेगी। बैठक में प्रमुख रूप से बी के पारधी, राधेलाल ढोंगे, हृदयराम राहंगडाले, अर्जुनलाल नगपुरे, ठाकुरदास पटले, जगनलाल चौधरी, भोजराज घोघड़े, तेजराम लिल्हारे, दशाराम लिल्हारे, टेकचंद बिहोने, भोजराज लिल्हारे, गोरेलाल जांभुरे, धनीराम घोरमारे, आई सी ब्रम्हपुरे, के एल बनोठे, लखनलाल मुछावड़, एन एल बसेना, बी आर ढोक, धनीराम सोनवाने, उमंग प्रसाद कबीरे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसलने से यशवंत व प्रताप घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं के क्रम में एक और हादसा सामने आया है। सोमवार 29 दिसंबर को लांजी भिलाई मार्ग पर रिसेवाड़ा के समीप टिमकी टोला की अंधी मोड़ पर एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे उस पर सवार दो युवक घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल क्रमांक CG 08 BA 6186 पर सवार यशवंत पिता फागू वर्मा (उम्र 30 वर्ष) एवं प्रताप पिता महावीर ठाकुर (उम्र 29 वर्ष) दोनों निवासी ग्राम कलकसा, जिला राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) बताए गए हैं। घायलों ने बताया कि वे लांजी घूमने आए थे और वापस अपने गांव कलकसा लौट रहे थे। इसी दौरान दोपहर लगभग 2 बजे से 2ः30 बजे के बीच टिमकी टोला की अंधी मोड़ पर अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर

फिसल गई, जिससे दोनों सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना में दोनों युवकों को सिर व चेहरे सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को लांजी सिविल अस्पताल लाया गया, जहां खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय उपराड़े द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। उपचार के बाद दोनों की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। घायलों ने स्वयं स्वीकार किया कि यदि उन्होंने हेलमेट पहना होता, तो संभवतः सिर और चेहरे पर चोटें नहीं आतीं। इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना कितना आवश्यक है। हेलमेट पहनना केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है।

रितेश सोनवाने शासकीय महाविद्यालय लांजी में असिस्टेंट प्रोफेसर का आज पदभार लेंगे

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय, भोपाल द्वारा 29 दिसम्बर को आदेश जारी कर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा, 2022 से चयनित उम्मीदवारों को अंग्रेजी विषय के लिए सहायक प्राध्यापक के पद पर महाविद्यालय में पदस्थापना सूची जारी करते हुए अस्थाई रूप से उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाता है। इस नियुक्ति आदेश में नगर के वार्ड क्रमांक 15 निमटोला लांजी निवासी रितेश योगराज सोनवाने का नाम भी शामिल हैं, जिनका शासकीय महाविद्यालय लांजी में असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी विषय के पद पर नियुक्ति आदेश हुआ है। रितेश सोनवाने सेवा निवृत्त शिक्षक योगराज सोनवाने के छोटे सुपुत्र है। इनके बड़े भाई सुधीर सोनवाने मेकेनिकल से इंजीनियरिंग किए हैं व अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। हाल ही में 25 नवंबर 2025 को डिपो मटेरियल सुप्रिटेंडेंट (इंजीनियर), भारतीय रेल स्टोर विभाग, मुंबई में पदस्थ हुए हैं। रितेश सोनवाने ने चर्चा में बताया कि उन्होंने प्राथमिक शिक्षा लांजी इंग्लिश स्कूल लांजी से की एवं कक्षा 7 वी से बारहवीं तक की शिक्षा भिलाई से की। उच्च शिक्षा दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीए अंग्रेजी, इतिहास विषय के साथ किया। इसके पश्चात (राजा शंकर साह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा से संबद्ध शासकीय महाविद्यालय लांजी से अंग्रेजी विषय में एमए किया व युनिवर्सिटी में टॉप कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। आपने वर्ष 2022 में नेट पास किया। साथ ही पाली एकेडमिक बिसोनी से बीएड किया। आगे बताया कि वर्तमान में 3 अक्टूबर 2024 से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी में उच्च माध्यमिक शिक्षक के पद पर सेवाएं दे रहे हैं जो आज 30 दिसम्बर को इस पद से इस्तीफा देने के उपरांत शासकीय महाविद्यालय लांजी में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर ज्वाइन लेंगे। रितेश सोनवाने असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी विषय के पद पर नियुक्त होने पर व बड़े भाई सुधीर सोनवाने का डिपो मटेरियल सुप्रिटेंडेंट (इंजीनियर), भारतीय रेल ङ्क स्टोर विभाग, मुंबई में पदस्थ होने पर दोनों भाईयों को कलार समाज सेवा न्यास के पदाधिकारियों, कलार समाज के पदाधिकारियों व सदस्यों, सामाजिक बंधुओं, शिक्षकगणों, इष्टमित्रों ने बधाई प्रेषित की है।

प्राथमिक शाला मेंढरा की बीआरसी एवं बीईओ ने मौके पर जाकर की जांच

बच्चों को केले के पत्ते पर भोजन नही दिया जा रहा, शाला में पायी गई 13 थालियॉ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपलगांव के अंतर्गत ग्राम मेंढरा की प्राथमिक शाला में बच्चों को केले के पत्ते पर मध्यान्ह भोजन दिये जाने एवं शाला भवन के अत्यंत जर्जर होने संबंधी मीडिया में प्रचारित समाचार पर संज्ञान लेते हुए किरनापुर के बीईओ गणेश सोनी एवं बीआरसी श्री सीएल टेकाम द्वारा 26 दिसम्बर को मेंढरा पहुंचकर शाला का निरीक्षण किया गया और वस्तुस्थिति देखी गई। बीआरसी एवं बीईओ द्वारा किये गए निरीक्षण के दौरान शाला में पदस्थ शिक्षक सूर्यकांत कालबेले एवं अतिथि शिक्षक योगेश दरवरे शाला में उपस्थित पाये गए। शाला में कुल दर्ज बच्चों की संख्या 17 है, इनमें से प्रायः 12-13 बच्चें ही शाला में उपस्थित होते है। शाला में बच्चों को मध्यान्ह भोजन कराने के लिए 13 थालियॉ उपलब्ध है और अच्छी स्थिति में पायी गई। बच्चों को केले के पत्ते में भोजन नही कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान शाला शिक्षक द्वारा बताया गया कि शाला की 26 थालियॉ गुम हो गई है, लेकिन शिक्षक द्वारा गुम होने संबंधी

वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिस में कोई शिकायत नही की गई है। शिक्षक द्वारा बताया गया कि उनके पास राशि नही होने से थाली नही खरीदी गई है, जबकि राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा आकस्मिक मद में शाला को 05 हजार रुपए की राशि आवंटित की गई थी, जिसमें से 2500 रुपए का आहरण किया जा चुका है एवं 2500 रुपए की राशि शेष है, जिसका शिक्षक द्वारा उपयोग नही किया गया है। बीआरसी श्री टेकाम ने बताया कि शाला के भवन निर्माण का प्रस्ताव वार्षिक कार्य योजना में शामिल है, इसके साथ ही अति नक्सल क्षेत्र के सुपर-100 कार्यों में भी मेंढरा के नवीन शाला भवन का प्रस्ताव शामिल है। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि गांव में इतने केले के पेड़ नही है कि हर दिन बच्चों को केले के पत्तों में भोजन कराया जा सके। शाला के शिक्षक सूर्यकांत कालबेले को निर्देशित किया गया कि शाला में उपलब्ध राशि का थालियॉ एवं बरतन आदि क्रय करने में उपयोग करें तथा शाला के बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दे।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

देश में स्किल डेवलपमेंट के नाम पर हुआ करोड़ों का घोटाला- कमलनाथ

जिन्हें वास्तविक स्किल डेवलपमेंट देखना है, वह छिंदवाड़ा आकर देखें

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मु यमंत्री कमलनाथ ने सोमवार को जारी एक बयान ने कहा कि कैग रपोर्ट के अनुसार भाजपा सरकार की स्किल इंडिया/ पीएमकेव्हीवाय योजना में रू 9,200 करोड़ से अधिक का बड़ा घोटाला सामने आया है। युवाओं को कौशल और रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना में 2015 से 2022 के बीच 1.32 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित करने के नाम पर रू10,194 करोड़ प्रस्तावित हुए , लेकिन 18 दिसंबर 2025 को संसद में प्रस्तुत कैग की परफॉर्मेंस ऑडिट रिपोर्ट ने इस योजना में व्याप्त गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की परतें खोल दी हैं।

कैग रिपोर्ट के मुताबिक पीएमकेव्हीवाय 2.0 और 3.0 में 94 प्रतिशत से अधिक लाभार्थियों के बैंक खाते फर्जी या अमान्य पाए गए। कई मामलों में एक ही बैंक खाता हजारों उ मीदवारों से जोड़ा गया और एक ही फोटो के आधार पर सैकड़ों लाभार्थियों को अलग-अलग राज्यों में प्रशिक्षित दिखा दिया गया। यह न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग है, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ खुला धोखा भी है।

प्लेस मेंट के आंकडे बढा-चढाकर पेश किए

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि प्लेसमेंट के आंकड़े जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए। कई स्थानों पर बंद या नाममात्र के प्रशिक्षण केंद्रों को सक्रिय बताकर हजारों युवाओं की फर्जी ट्रेनिंग दर्ज कर दी गई। यहां तक कि एक ही व्यक्ति द्वारा एक ही दिन में कई राज्यों में निरीक्षण किए जाने की प्रविष्टियाँ दर्ज की गईं, जो व्यवस्था की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं।

घोटाले को दबाने में लगी हुई सरकार

मध्य प्रदेश में भी भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान 4.7 लाख युवाओं को प्रशिक्षित करने का दावा किया गया, जिसमें लगभग रू23 करोड़ के गबन की गंभीर आशंका है। यह दर्शाता है कि केंद्र से लेकर राज्य स्तर तक भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं।

ना खाऊँगा, ना खाने दूँगा का नारा देने वाली भाजपा सरकार के स्किल इंडिया मिशन में रू9,261 करोड़ की लूट सामने आने के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें इस घोटाले की निष्पक्ष जांच कराने के बजाय इसे दबाने में लगी हुई हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।

छिंदवाड़ा में हमारा उद्देश्य युवाओं को रोजगार से जोड़ना था

इसके विपरीत, छिंदवाड़ा में हमारी कांग्रेस सरकार के दौरान स्किल इंडिया सीआईआई, एटीडीसी अशोक लैलेंड, ड्रिविंग इंस्टीटयूट, आईएलएफएस, अंबूजा फाउंडेशन,एफडीडीआई जैसे अनेकों संस्थानों और उनके माध्यम से सेंकड़ो कोर्स की शुरुआत पूरी पारदर्शिता के साथ की गई। हमारा उद्देश्य वाहवाही लूटना नहीं था बल्कि युवाओं को रोजगार से को जोड़ना था । सबसे महत्वपूर्ण बात यह है प्रशिक्षण शुल्क का बोझ भी छात्रो पर नहीं डाला गया, इस ट्रेनिंग शुल्क की व्यवस्था भी हमने बनवाई । आज वही बच्चे देश और विदेश में रोजगार प्राप्त कर न केवल आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि देश का नाम भी रोशन कर रहे हैं।

हमारा उद्देश्य केवल आंकड़े दिखाना नहीं, बल्कि युवाओं की वास्तविक क्षमता और कौशल को निखार कर उन्हें स मानजनक रोजगार से जोड़ना था। हजारों युवा आज इसी सोच का परिणाम हैं। जो भी व्यक्ति पीएमकेव्हीवाय की सच्चाई और जमीनी हकीकत देखना चाहता है, वह छिंदवाड़ा आकर हमारे पीएमकेव्हीवाय स्वयं देखने सादर आमंत्रित है।

बोर्ड परीक्षा को लेकर लगाया एस्मा

- शिक्षकों को 30 अप्रैल तक नहीं मिलेंगी छुट्टियां

भोपाल । एमपी बोर्ड की परीक्षाएं फरवरी में शुरू होना हैं। राज्य सरकार ने इसे आवश्यक सेवा घोषित करते हुए इसमें एसेंशियल सर्विस एंड मेंटेनेंस (एस्मा) लागू किया है। अब 3 महीने शिक्षक छुट्टियां नहीं ले पाएंगे। इस दौरान संतानपालन अवकाश भी निरस्त माना जाएगा।

इस शैक्षणिक सत्र में 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षाएं एक महीना पहले 7 फरवरी से शुरू हो रही हैं, जिसके चलते परीक्षा संचालनालय, पर्यवेक्षण, उत्तर पुस्तिकाओं का प्रबंध, मूल्यांकन, परीक्षा केंद्रों का निर्धारण आदि कई विशेष कार्यों के लिए अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विवाद निवारण अधिनियम के तहत शिक्षकों के सभी अवकाश निरस्त करते हुए उन्हें 1 फरवरी से 30 अप्रैल तक अवकाश नहीं मिलेंगे, यानी शिक्षकों की छुट्टियां निरस्त रहेंगी। दरअसल शिक्षा विभाग में परीक्षा संबंधी कार्यों के लिए अलग-अलग पदों पर जवाबदारियां दी जाती हैं, जिससे अनेक जिलों में शिक्षक बचने की कोशिश में रहते हैं। इसलिए भोपाल से इस प्रकार का आदेश निकाला गया है। 2 दिन बाद 31 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश सभी सरकारी स्कूलों में शुरू हो जाएगा, जो 4 जनवरी तक जारी रहेगा। इसके बाद 5 जनवरी से प्री-बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। फरवरी के पहले सप्ताह में बोर्ड की मुख्य परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। वहीं इससे ठीक एक महीना पहले प्री-बोर्ड की परीक्षाएं 5 जनवरी से शुरू होना हैं। अभिभावक सबसे ज्यादा चिंतित इसलिए नजर आ रहे हैं कि बच्चों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्री-बोर्ड परीक्षा तो ठीक है, लेकिन इससे उनकी मुख्य परीक्षा पर असर आएगा। सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक कोर्स अभी पूरा नहीं हुआ है और मुश्किल प्रश्नों का हल नहीं हो पा रहा है।

सीईओ सहित चार अधिकारी-कर्मचारी से होगी 13.26 लाख की वसूली

भोपाल। छतरपुर जिले की जनपद पंचायत बिजावर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंजना नागर सहित चार अधिकारियों और कर्मचारियों को सरकारी धन के गबन का दोषी पाया गया है। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम- शिवाय अरजरिया ने आरोपियों से 13.26 लाख रुपये की सामूहिक वसूली के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।इस प्रकरण की अगली सुनवाई के लिए 06 जनवरी 2026 की तिथि नियत की है। मामला जनपद पंचायत बिजावर की ग्राम पंचायत अनगौर के अंतर्गत नंदन फलोद्यान कार्यों में बरती गई गंभीर वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है, जहां बिना किसी जमीनी कार्य और बिना सरपंच-सचिव के हस्ताक्षरों के फर्जी तरीके से सरकारी राशि का भुगतान कर दिया गया था। घोटाले का खुलासा तब हुआ जब सहायक लेखाधिकारी द्वारा फर्जी मटेरियल लिस्ट और एफटीओ जारी करने की शिकायत प्राप्त हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत सीईओ द्वारा कार्यपालन यंत्री सलिल सिंह और राजनगर जनपद सीईओ राकेश शुक्ला का एक विशेष जांच दल गठित किया गया था। जांच दल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ग्राम पंचायत अनगौर के 11 हितग्राहियों के लिए स्वीकृत नंदन फलोद्यान कार्यों में सामग्री का भुगतान बिना सहायक यंत्री के माप सत्यापन और देयक प्रमाणीकरण के ही कर दिया गया। अभिलेखों के निरीक्षण में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि सामग्री भुगतान के देयकों पर न तो सरपंच के हस्ताक्षर थे और न ही सचिव के, बल्कि केवल रोजगार सहायक और उपयंत्री के हस्ताक्षरों के आधार पर राशि निकाल ली गई। जांच के दौरान सबसे गंभीर लापरवाही यह उजागर हुई कि बिजावर जनपद सीईओ अंजना नागर ने स्वयं जून 2025 में एक नोटिस जारी कर स्वीकार किया था कि मौके पर कोई पौधरोपण कार्य मौजूद नहीं है। इसके बावजूद और ग्राम पंचायत सचिव द्वारा एफटीओ निरस्त करने के लिए दिए गए लिखित आवेदन को दरकिनार करते हुए, अगस्त माह में 13.26 लाख रुपये का अवैध भुगतान सुनिश्चित किया गया। इस कृत्य के लिए अंजना नागर के साथ-साथ सहायक लेखाधिकारी दिलीप गुप्ता, उपयंत्री विकास श्रीवास्तव और ग्राम रोजगार सहायक राकेश मिश्रा को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया गया है। जिला पंचायत सीईओ ने मध्य प्रदेश पंचायत अधिनियम 1993 की धारा 89 के तहत इन चारों दोषियों से समान अनुपात में 3.315 लाख रुपये प्रति व्यक्ति की वसूली हेतु नोटिस जारी कर दिए हैं।

2026 में 32 आईएएस-आईपीएस होंगे रिटायर

- मुख्य सचिव भी विस्तार नहीं मिलने पर होंगे रिटायर

भोपाल। मध्यप्रदेश कैडर के 16 आईएएस और 16 आईपीएस अधिकारी अगले साल रिटायर होने वाले हैं। इनमें डीजीपी, स्पेशल डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक साल का विस्तार मिला है। अगर उन्हें दोबारा विस्तार नहीं मिलता है, तो वे 2026 में 30 सितंबर को रिटायर हो जाएंगे। वहीं, अगले साल शिवपुरी के कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी, शहडोल के कलेक्टर केदार सिंह और चंबल संभाग के कमिश्नर सुरेश कुमार भी रिटायर होंगे।

इधर, 1996 बैच के आईएएस अधिकारी और खनिज साधन व पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव भी अगले साल अगस्त में रिटायर होंगे। उन्हें मुख्य सचिव का वेतनमान मिलेगा या नहीं, यह मौजूदा मुख्य सचिव के रिटायर होने और केंद्र में पदस्थ अधिकारियों की वापसी पर निर्भर करेगा। अगर केंद्र से अपर मुख्य सचिव स्तर का कोई अधिकारी लौटता है, तो उमराव को अपर मुख्य सचिव का वेतनमान अटक सकता है।

एडीजी इंटेलिजेंस, आईजी लॉ एंड ऑर्डर की तलाश

जो अफसर रिटायर होने वाले हैं, उनमें आईपीएस अफसरों में एडीजी इंटेलिजेंस, आईजी लॉ एंड ऑर्डर के पद सरकार में काफी अहमियत रखते हैं। ऐसे में सरकार को अगले साल इन दोनों पदों के लिए योग्य आईपीएस अफसरों की तलाश करनी होगी। इसी तरह माध्यमिक शिक्षा मंडल का पद भी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पद के लिए भी सीनियर आईएएस अधिकारी की पदस्थापना सरकार करेगी।

मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक साल का विस्तार मिला है। अगर उन्हें दोबारा विस्तार नहीं मिलता है, तो वे 30 सितंबर को रिटायर हो जाएंगे। 2026 में शिवपुरी के कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी, शहडोल के कलेक्टर केदार सिंह और चंबल संभाग के कमिश्नर सुरेश कुमार भी रिटायर होंगे। इनके अलावा अलका उपाध्याय - सचिव, केंद्रीय अल्पसंख्यक आयोग (मई), आशीष श्रीवास्तव - सचिव, इंटर स्टेट काउंसिल सचिवालय, गृह मंत्रालय (अक्टूबर), स्मिता भारद्वाज - चेयरमैन, माध्यमिक शिक्षा मंडल (मार्च), उमाकांत उमराव - प्रमुख सचिव, खनिज साधन विभाग (अगस्त), अरुणा गुप्ता - सचिव, लोकायुक्त संगठन (अक्टूबर), माल सिंह भयडिया - एमडी, एमपी खादी ग्राम उद्योग बोर्ड (जून), उर्मिला शुक्ला - कमिश्नर, आर्कियोलॉजी विभाग, ललित दाहिमा - सचिव, राजस्व मंडल (दिसंबर), चंद्रशेखर वालिम्बे - अपर सचिव, राजस्व (नवंबर), संजय कुमार - अपर सचिव, राजस्व (अप्रैल), संजय कुमार मिश्रा - अपर सचिव, आयुष विभाग (दिसंबर) और जीएस धुर्वे - अपर कलेक्टर, बालाघाट (अगस्त) रिटायर होंगे।

रिटायर होने वाले आईपीएस अधिकारी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार दो साल का कार्यकाल पूरा कर चुके पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना इस साल दिसंबर में रिटायर होंगे। उनके साथ कई अन्य वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी भी सेवा से बाहर होंगे। इनमें डीजीपी, स्पेशल डीजी, एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। जो अफसर रिटायर हो रहे हैं उनमें अजय कुमार शर्मा - चेयरमैन, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन (अगस्त), आलोक रंजन - डायरेक्टर, एनसीआरबी (जुलाई), सोनाली मिश्रा - डीजी, रेलवे पुलिस बोर्ड (अक्टूबर), संजीव शमी - स्पेशल डीजी, टेलीकॉम (जून), आशुतोष राय - एडीजी, आजाक पीएचक्यू (अगस्त), ए. साईं मनोहर - एडीजी, इंटेलिजेंस (अगस्त), संजय तिवारी - आईजी, प्लानिंग (जून), अंशुमान सिंह - आईजी, लॉ एंड ऑर्डर (फरवरी), अरविंद सक्सेना - आईजी, ग्वालियर रेंज (जुलाई), हिमानी खन्ना - आईजी, सागर रेंज (मार्च), मिथिलेश शुक्ला - आईजी, नर्मदापुरम (अगस्त), शशिकांत शुक्ला - आईजी, एफएसएल (जुलाई), महेश चंद्र जैन - डीआईजी, नारकोटिक्स, इंदौर (मई), सविता सोहाने - डीआईजी, शहडोल (अप्रैल) और जगदीश डावर - एसपी, बड़वानी (जनवरी) शामिल हैं।

कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस की समीक्षा करेंगे मुख्य सचिव

- 31 दिसंबर को कलेक्टर और एसपी बताएंगे रिपोर्ट कार्ड

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकताओं पर फोकस रही कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों की दूसरी समीक्षा मुख्य सचिव अनुराग जैन 31 दिसंबर को करेंगे। मुख्य सचिव जैन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस की कार्यवाही विवरण की समीक्षा करेंगे। यह समीक्षा बैठक बुधवार सुबह 11 बजे से शुरू होगी, जिसमें पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों पर हुए अमल की जानकारी भी ली जाएगी।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने एक महीने पहले 7 और 8 अक्टूबर को हुई कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए थे कि थानों में आने वाले लोगों की एफआईआर दर्ज न होने की शिकायतें नहीं मिलनी चाहिए। कानून-व्यवस्था के मामलों में पुलिस अधीक्षकों की जिम्मेदारी तय की गई थी और यह भी कहा गया था कि हर महत्वपूर्ण जानकारी मीडिया तक पहुंचे। साथ ही जिलों में हेलमेट पहनना अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए थे, ताकि सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। इन निर्देशों पर कितना अमल हुआ है, इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक बुधवार को होने वाली बैठक में देंगे। बैठक में डीजीपी कैलाश मकवाना भी मौजूद रहेंगे। मुख्य सचिव जैन ने कहा था कि सबसे ज्यादा सडक़ हादसे दोपहिया वाहन चालकों के होते हैं और अधिकतर मौतें भी इसी वजह से होती हैं। इसलिए हेलमेट पहनने को लेकर अभियान चलाने से दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में कमी लाई जा सकती है।

कलेक्टर और एसपी अपनी रिपोर्ट में बताएंगे कई बिंदुओं पर जानकारी देंगे। जिनमें जिलों में खाद और बीज की कोई समस्या का समाधान हुआ कि नहीं। कलेक्टरों द्वारा जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समितियों की मासिक बैठकें हुईं या नहीं।

बांधवगढ़ की तरह बनेगा माधव टाइगर रिजर्व

2008 से लेकर अबतक 28 टाइगर हुए ट्रांसफर

भोपाल। मप्र सरकार दूसरा बांधवगढ़ बनाने की तैयारी में है, सुनने में थोड़ा अजीब लगे पर सरकार की मंशा है कि बांधवगढ़ की तर्ज पर ही दूसरे टाइगर रिजर्व विकसित किए जाएं। देश ही नहीं दुनिया में अपने टाइगर्स के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व जाना जाता है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या इतनी है कि यहां आसानी से बाघों का दीदार हो जाता है और टाइगर सफारी के इस रोमांचक अनुभव के लिए देश-विदेश से लाखों टूरिस्ट यहां आते हैं। वहीं, अब बाघों के इस गढ़ से दूसरा बांधवगढ़ बनाने की तैयारी की जा रही है।

बांधवगढ़ में समय-समय पर बाघों की आबादी बढ़ाने, बाघों का आपसी द्वंद्व कम करने और दूसरे टाइगर रिजर्व को भी आबाद करने जरूरत के हिसाब से बाघ शिफ्ट किए जाते हैं। साल 2025 में भी बांधवगढ़ से दूसरे टाइगर रिजर्व में बाघ-बाघिन शिफ्ट किए गए हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर अनुपम सहाय बताते हैं कि वर्ष 2025 में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से दो बाघ दूसरे टाइगर रिजर्व में भेजे गए हैं। अप्रैल महीने में 4 साल के एक नर बाघ को शिवपुरी के माधव टाइगर रिजर्व में भेजा गया, और हाल ही में 3 साल की एक मादा बाघिन को भी दिसंबर महीने में माधव टाइगर रिजर्व भेजा गया है। इस तरह से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से साल 2025 में दो बाघों को माधव टाइगर रिजर्व में शिफ्ट गया है। इससे साफ है कि माधव टाइगर रिजर्व में इन दिनों बाघों की एक अलग ही दुनिया बसाई जा रही है। माधव टाइगर रिजर्व पहले राष्ट्रीय उद्यान था, टाइगर रिजर्व घोषित होने के बाद इसका कुल क्षेत्रफल 1,751 वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ है, जिसमें लगभग 375 वर्ग किलोमीटर इसका कोर एरिया है। 9 मार्च 2025 को आधिकारिक तौर पर माधव टाइगर रिजर्व को देश का 58वां टाइगर रिजर्व घोषित किया गया और मध्य प्रदेश का यह 9वां टाइगर रिजर्व बना। माधव टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित है जो कि ग्वालियर चंबल संभाग का हिस्सा है। माधव टाइगर रिजर्व को 1958 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था, ये ऐतिहासिक रूप से ग्वालियर के महाराजाओं और मुगल शासकों का कभी शिकार का गढ़ भी हुआ करता था, यहां पर बाघों को फिर से बसाने के लिए साल 2023 में टाइगर री इंट्रोडक्शन प्रोजेक्ट शुरू किया गया था, वर्तमान में यहां बाघों की संख्या बढ़ रही है।

बांधवगढ़ बाघों का गढ़ है और यहां पर जरूरत के हिसाब से दूसरे टाइगर रिजर्व में बाघ भेजे जाते रहे हैं। शिवपुरी के माधव टाइगर रिजर्व में भी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से अब तक तीन बाघ भेजे गए हैं, जिसमें एक बाघिन भी शामिल है। साल 2023 में पहली बार बांधवगढ़ से एक बाघ को माधव टाइगर रिजर्व भेजा गया था, इसके बाद साल 2025 में एक नर बाघ और एक बाघिन जिसे हाल ही में भेजा गया है, इस तरह कुल तीन टाइगर्स बांधवगढ़ से भेजे जा चुके हैं। इस तरह से बांधवगढ़ टाइगर माधव टाइगर रिजर्व में बाघों की दुनिया बसाने के लिए एक अहम रोल अदा कर रहा है। आखिर दूसरे टाइगर रिजर्व में बाघों की शिफ्टिंग क्यों की जाती है? इसे लेकर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर अनुपम सहाय बताते हैं कि साल 2025 में बांधवगढ़ से दो बाघ को माधव टाइगर रिजर्व में भेजा गया है, क्योंकि ये माधव टाइगर रिजर्व बाघ के रहवास के रूप में एक उपयुक्त पारिस्थितिकी तंत्र उपलब्ध कराता है, माधव टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या कम होते देख बांधवगढ़ से बाघों को ट्रांसलोकेट करना बाघों के संरक्षण व संख्या में संवर्धन हेतु एक बेहतर प्रयास है।

चुनाव बैलेट पेपर से हों तभी लोकतंत्र बचेगा

भोपाल। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति, जनजाति विकास परिषद द्वारा भोपाल में आयोजित सामाजिक न्याय सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने चुनावी व्यवस्था, लोकतंत्र और संविधान को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश का लोकतंत्र तभी बचेगा, जब चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएंगे, क्योंकि मशीन आधारित चुनावों में जनता का भरोसा लगातार कमजोर हो रहा है। पटवारी ने सवाल उठाया कि यदि विधायक और सांसद मशीनों से चुने जाएंगे, तो फिर किसी भी पार्टी का निचला कार्यकर्ता, गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक अपनी बात किससे कहेगा।

जीतू पटवारी ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं है, बल्कि जनता और जनप्रतिनिधि के बीच भरोसे का रिश्ता है। उन्होंने कहा- जिस दिन विधायक और सांसद मशीनों से चुने जाएंगे, उस दिन जनप्रतिनिधि आम आदमी से कट जाएंगे। मशीन किसी की पीड़ा नहीं समझती, न ही वह समाज के कमजोर वर्ग की आवाज बन सकती है। पटवारी ने अंतरराष्ट्रीय उदाहरण देते हुए कहा कि कि अमेरिका, यूरोप और गल्फ देशों में आज भी बैलेट पेपर से चुनाव होते हैं। दुनिया में कहीं भी इतनी बड़ी आबादी वाले देश में मशीन से चुनाव नहीं होता। केवल भारत में ऐसा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मशीन आधारित चुनावों में हेरफेर की आशंका हमेशा बनी रहती है, जिससे लोकतंत्र कमजोर होता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चुनाव आचार संहिता लगने से पहले वोटर लिस्ट फ्रीज नहीं की जाती, जिससे आखिरी समय तक वोटर लिस्ट में हेरफेर की जाती है।

अब बस कंडक्टर सीट का भी टैक्स वसूलेगी सरकार

परिवहन विभाग ने मोटरयान नियमों में किया बदलाव, सूचना सूची

भोपाल। प्रदेश में अब यात्री बस कंडक्टर सीट का भी परिवहन विभाग टैक्स वसूलेगा। क्योंकि परिवहन विभाग ने यात्री बसों में चालक और परिचालक को मिलने वाली छूट से परिचालक को बाहर कर दिया है। यानी अब बस मालिकों को परिचालक की सीट का भी टैक्स देना होगा। ऐसे में बस किराया और महंगा होगा। इसके लिए परिवहन विभाग मोटरयान नियम 1994 में संशोधन करने जा रहा है। इस संबंध में विभाग ने सूचना जारी कर दी है। जिसके तहत नियमों के प्रारूप पर 30 दिन के भीतर आपत्तियां बुलाई है।

नियमों के संशोधित प्रारूप के अनुसार विभाग ने डीलक्स/वातानुकूलिक बस चालक सहित 36 सीट से अनिम्र, एक्सप्रेस बस चालक सहित 46 सीट से अनिम्न, साधारण बस चालक सहित 51 सीट से अनिम्न (कम न हों)। मौजूदा स्थिति इन बसों में परिचालक की सीट टैक्स फ्री हैं। ऐसे में बसों की गिनती 36 सीटर, 45 सीट और 50 सीटर बस में होती है। नए नियमों के तहत यात्री वाहनों के ऊपर यात्री सामान, निजी वस्तु के अतिरिक्त व्यापारिक माल एवं पार्सल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। व्यापारिक माल, पार्सल का कुल भार, यान के सकलयान भार के 10 फीसदी से अधिक नहीं होगा। पकड़े जाने पर जुर्माना और तुरंत माल उतारा जाएगा। व्यापारिक माल का परिवहन ई-वे बिल से ही होगा। नए नियमों में यात्रियों के लिए शिकायत पोर्टल शुरू करने का दावा है। यात्री किराए और माल भाड़ा के लिए हर साल राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत समिति समीक्षा रिपोर्ट तैयार करेगी। जिसके आधार पर किराया घटेगा-बढ़ेगा।

सडक़ परिवहन निगम की जगह राज्य परिवहन उपक्रम

नियमों के प्रारूप में मप्र राज्य सडक़ परिवहन निगम की जगह राज्य परिवहन उपक्रम स्थापित किया गया है। यानी अब निगम की जगह 'राज्य परिवहन उपक्रम' प्रदेश में बसों का संचालन एवं निगरानी करेगा। नए नियमों में कई पुराने नियमों का लोप (समाप्त) कर दिया गया है।

नए नियमों के तहत लोक सेवा यान (बसों) की बॉडी ऑटोमोबाइल उद्योग मानकों, मानदंडों या भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार किया जाएगा। यात्री या ठेका गाडियों के संचालन की निगरानी और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए बस संचालकों की होगी। बसों के लिए रूट भी चिह्नित कर दिए हैं। जिसके आधार पर राज्य परिवहन उपक्रम गाड़ी संचालन की अनुमति देंगे। ग्रामीण मार्ग से अभिप्रेत हैं। एक गांव से दूसरे गांव या तहसील मुख्यालय, नगरीय निकाय को जोडऩे वाला मार्ग। नगरीय मार्ग से अभिप्रेय है, ऐसा मार्ग जिसके कम से कम 5 स्टॉपेज नगरीय क्षेत्र में हों।

बिना जीपीएस के नहीं चलेंगी एंबुलेंस

नए नियमों के तहत प्रदेश में अब कोई भी एंबुलेंस अब बिना जीपीएस के नहीं चलेंगी। सार्वजनिक या निजी क्षेत्र की एंबुलेंस टोल फ्री नंबर 112 या अन्य सरकारी नंबर पर एकीकृत होंगी। नियम लागू होने के बाद एंबुलेंस को जीपीएस के दायरे में लाना अनिवार्य होगा।

15 साल से ठप पड़े अंतरराज्यीय मार्गों पर भी दौड़ेगी प्रदेश की बसें... ट्रकों का भी होगा पंजीयन

भोपाल । एक तरफ परिवहन विभाग रोडवेज की तर्ज पर प्रदेश के भीतर बसों का संचालन शुरू करने की तैयारी में जुटा है, तो उसके साथ ही बीते 15 सालों से बंद पड़े अंतरराज्यीय मार्गों पर भी फिर से बसें दौड़ाने की तैयारी की जा रही है। उत्तरप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तराखंड, गुजरात के बीच पहले रोडवेज द्वारा 389 मार्गों पर ये बसें चलाई जाती थी, मगर रोडवेज का संचालन बंद होने के बाद इन मार्गों पर अंतरराज्यीय बसें बंद हो गईं। अब फिर से इन सभी मार्गों को जिंदा किया गया है और निजी ऑपरेटरों से अनुबंध कर बसें चलवाई जाएंगी। इसके साथ ही ट्रकों के पंजीयन की भी बात विभाग ने की है।

वर्षों पहले बंद हो चुके रोडवेज द्वारा जहां प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक भी बसों का संचालन किया जाता था। इसके अलावा अंतरराज्यीय मार्गों पर भी ये बसें चलती रही। मगर रोडवेज के बंद होने के बाद 389 अंतरराज्यीय मार्गों पर भी बसों का संचालन बंद हो गया। इनमें सर्वाधिक बसें राजस्थान के 200 मार्गों पर, महाराष्ट्र के 81 मार्गों पर, उत्तरप्रदेश के 69, गुजरात के 30 और उत्तराखंड के 9 तथा हरियाणा के 3 मार्गों पर चलती थी।

अब चूंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर परिवहन विभाग ने कम्पनी का गठन कर मध्यप्रदेशभर में बसों का संचालन शुरू करवाने का निर्णय लिया और जल्द ही इंदौर-उज्जैन संभाग से ये बसें शुरू हो जाएंगी और लगभग 1700 बसों को चलाने के लिए मार्ग भी तय कर लिए गए हैं। इसके अलावा जो अंतरराज्यीय मार्ग बंद पड़े हैं उन पर भी बसों का संचालन शुरू किया जाएगा, ताकि यात्रियों को इनका भी लाभ मिल सके। अभी निजी बसों के अलावा अन्य साधनों का इस्तेमाल करना पड़ता है। अभी प्राइवेट बस ऑपरेटरों द्वारा बसों का संचालन किया जाता है और त्योहार तथा अन्य अवसरों पर ये ऑपरेटर मनमाना किराया भी वसूल करते हैं। लिहाजा अब तय किया या है कि इन सभी मार्गों पर भी बसों का संचालन शुरू किया जाए और इसके लिए निजी बस ऑपरेटरों से अनुबंध कर उन्हें परमिट जारी किए जाएंगे। अभी पिछले दिनों ही भोपाल में उच्च स्तरीय बैठक में इस निर्णय को मंजूरी दी गई, जिसमें परिवहन मंत्री सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अब सनातनी मुद्दे की सियासत करेगी कांग्रेस

भोपाल। चुनावों में लगातार पराजय और मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप झेलने वाली कांग्रेस पार्टी अब मध्यप्रदेश में सनातनी मुद्दे की सियासत करेगी। धर्म को लेकर हिंदुओं के संगठित होने और धार्मिक मुद्दों के जरिए चुनाव जीतने से सबक लेते हुए कांग्रेस भी अपना सियासी पैटर्न बदलेगी। इसी कड़ी में नए साल में न्यू पॉलीटिकल मोड पर मप्र कांग्रेस दिखेगी। साधु, संत, सन्यासी की मांगों को लेकर कांग्रेस का बड़ा धरना प्रदर्शन होगा। यह धरना प्रदर्शन आगामी जनवरी माह में होगा।

इसके लिए प्रदेश भर के साधु संन्यासियों को जोडऩे की कवायद शुरू हो गई है। साधू सन्यासियों की पुरानी मांग पर नई सियासत होगी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम आज श्रीलंका के खिलाफ क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी

तिरुवनंतपुरम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच को जीतकर सीरीज 5-0 से अपने नाम करने उतरेगी । भारतीय टीम ने शुरुआती चार मैचों को जिस प्रकार आसानी से जीता है। उससे ये मुश्किल नजर नहीं आ रहा है। अब वह अंतिम मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन को आंकने का अवसर भी टीम प्रबंधनक को मिल रहा है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'यह सीरीज अब तक काफी अच्छी रही है। पिछले विश्व कप के बाद से ही हमने इसी बात पर बात की थी कि हमें अपने स्तर को ऊपर उठाना होगा और टी20 में सफल होने आक्रामक रुख अपनाना होगा।

इस सीरीज में अब तक भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पिछले मैच में शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने अर्धशतक लगाये थे। वहीं गेंदबाजों वैष्णवी शर्मा और अरुंधति रेड्डी को 2-2 विकेट मिले। ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। वैष्णवी शर्मा और अरुंधति रेड्डी को 2-2 विकेट मिले।

भारतीय टीम को हालांकि अपने क्षेत्ररक्षण को बेहतर बनान होगा। वह अभी तक इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है। पिछले मैच में भी उसने विरोधी टीम के कैच और स्टंपिंग के अवसर खोये।

तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने एक साल बाद इस वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं दीप्ति शर्मा भी अच्छा प्रदर्शन करती आयी हैं। स्पिनर वैष्णवी ने अभी तक सीरीज में 5.73 की इकॉनमी रेट से चार विकेट लिए हैं जबकि बल्लेबाजी में शेफाली ने अब तक चार मैचों में तीन अर्धशतक बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 185.82 का है।

मंधाना के अच्छे फार्म में होने से भी टीम को लाभ हुआ है। इस बल्लेबाज ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 48 गेंद पर 80 रन बनाए और वह अपनी इस लय को बरकरार रखने का प्रयास करेंगी। शेफाली और मंधाना ने चौथे मैच में आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल 92 गेंदों में ही तेजी से 162 रन बनाये थे। ये महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की तरफ से पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही है। वहीं चौथे मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा और उसने केवल 16 गेंदों में नाबाद 40 रन बनाकर इस फैसले को सही करार दिया। अब तक इस सीरीज में पहले तीन मैचों में गेंदबाज हावी रहे और कम स्कोर बने पर चौथे मैच में बल्लेबाज छाये रहे। भारतीय टीम ने जहां 221 रन बनाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 191 रन बना दिये। इससे तय है कि पांचवें मैच में टक्कर अच्छी होगी। मेहमान टीम श्रीलंका का लक्ष्य इस मैच को जीतकर क्लीन स्वीप से बचना रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका - चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

रोनाल्डो को बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर अवार्ड

पीएसजी को मिले कई अवार्ड

दुबई। सऊदी प्रो लीग क्लब में अल-नसर टीम की ओर से खेल रहे पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल क्रिस्टियानो रोनाल्डो को ग्लोब सॉकर अवार्ड्स 2025 के दौरान बेस्ट मिडिल ईस्ट प्लेयर का अवार्ड दिया गया है। इस अवसर पर खुशी जताते हुए रोनाल्डो ने कहा कि इस खेल के प्रति उनकी दीवानगी बनी हुई है। उनका लक्ष्य अभी अपने करियर में 1,000 गोल दागना है।

यह अवार्ड सऊदी प्रो लीग क्लब में उनका प्रभाव दिखाता है क्योंकि उन्हें लगातार दूसरे साल ये समान मिला है।

रोनाल्डो ने हाल ही में अल नसर की ओर से दो गोल दागकर अपने क्लब और पुर्तगाल की ओर से कुल गोल की संख्या 956 तक पहुँचा दी है। ऐसे में अब वह एक या दो साल में 1,000 गोल का लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

रोनाल्डो ने अवार्ड लेते समय कहा, बढ़ती उम्र में खेलना कठिन है पर मैं प्रेरित हू। मेरा जुनून अभी भी बना हुआ है और मैं खेल जारी रखना चाहता हू। चाहे मैं मध्य पूर्व में खेलूं या यूरोप में, मुझे हमेशा फुटबॉल खेलना पसंद है।

इस खिलाड़ी ने कहा कि उनका ध्यान अभी भी ट्रॉफी जीतने पर है और लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह पूरी मेहनत कर रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर वह फिट रहे तो 1000 गोल का लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

इस अवार्ड समारोह में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के खिलाड़ी छाये रहे। उसके खिलाड़ी उस्माने डेम्बेले को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी,वहीं एटाना बॉनमाटे को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया । वहीं पीएसजी के ही लुइस एनरिके को सर्वश्रेष्ठ कोच, विटिंहा को सर्वश्रेष्ठ बेस्ट मिडफील्डर, लामिने यमाल को सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड व डेज़िरी डाउ को सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में शादाब की वापसी

लाहौर । पाकिस्तान ने श्रीलंका में जनवरी में होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए ऑलराउंडर शादाब खान को टीम में शामिल किया है पर अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को शामिल नहीं किया है। आजम और शाहीन अभी ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेल रहे हैं और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इन्हें वापस नहीं बुलाना चाहता है।

शादाब अब नये साल की शुरुआत में 7 जनवरी 2026 से शुरू होने वाली तीन मैचों की सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। वह कंधे की सर्जरी के कारण इस साल जून से ही खेल से दूर थे। उन्होंने इस महीने बीबीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की, जहां उन्होंने अपने साथी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन किया। शादाब के अलावा बाबर, शाहीन, हारिस रऊफ, हसन अली और मोहम्मद रिजवान भी अभी बीबीएल में खेल रहे हैं वर शादाद के अलावा इनमें से किसी को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है और ये ऑस्ट्रेलियाई लीग में ही खेलते रहेंगे। इसका कारण है कि पीसीबी ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से कहा है कि बीबीएल में खेलने वाले उसके खिलाड़ी पूरे सत्र तक खेलते रहेंगे औरा उन्हें बीच में नहीं बुलाया जाएगा। यही कारण है कि इन खिलाड़ियों को राष्टीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए सलमान अली आगा की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है जिसमें बल्लेबाज ख्वाजा नफे को पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा अब्दुल समद को भी टीम में जगह मिली है।

पाक टीम इस प्रकार है

सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, सईम अयूब, साहबजादा फरहान, फखर जमां, शादाब खान, फहीम अशरफ, मुहम्मद नवाज, अबरार अहमद, उस्मान तारिक, उस्मान खान, ख्वाजा नफे, नसीम शाह, सलमान मिर्जा और मुहम्मद वसीम जूनियर।

आईपीएल 2026 में मार्कराम पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्कराम ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे। मार्कराम 2025 सत्र में भी सुपर जायंट्स के साथ थे और उनका कहना है कि फ्रैंचाइजी के उन्होंने टीम में बनाये रहने से वह बेहद खुश हैं। मार्कराम ने गत सत्र में 13 मैचों में 34.23 की औसत और 148.83 के स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाए थे जिसमें 5 अर्धशतक भी शामिल थे। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए थे। इसी कारण उन्हें टीम ने अपने साथ रखा है। ।

मार्करम ने कहा, मैंने पिछले साल लखनऊ फ्रैंचाइजी के साथ अपने समय का भरपूर आनंद लिया। मैंने साथी खिलाड़ियों से बहुत अच्छी दोस्ती की और टीम के साथ कुछ महीने बिताए। इसलिए मुझे रिटेन किए जाने पर बहुत खुशी है और निश्चित रूप से उनके साथ एक और सत्र खेलने के लिए उत्साहित हूं।

उनसे यह भी पूछा गया कि टूर्नामेंट के इस सत्र वह किस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। जिस पर उन्होंने कहा, आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा होना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम पिछले सत्र में बहुत पीछे थे। यहां-वहां कुछ पल और कुछ परिणाम अलग दिखते। इससे पहले कि आप कुछ समझ पाते, आप नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुके होते हैं। इसलिए निश्चित रूप से किसी भी चीज को ज़्यादा कठिन नहीं बनाना चाहिए। मुझे लगता है कि हमने जो चीजें अच्छी कीं, उन्हें फिर से करने की कोशिश करें और कुछ और महत्वपूर्ण क्षण जीतें। इससे पहले कि आप जानते हैं, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता हमारे लिए वास्तव में आशाजनक है। आईपीएल में हालांकि टीम को उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिले।

रोहित और विराट इस कारण विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर में नहीं उतरे

मुम्बई। विजय हजारे ट्रॉफी के तीसरे दौर के मुकाबल सोमवार से शुरु हुए हालांकि इसमें अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहजी और रोहित शर्मा नहीं उतरे। विराट और रोहित ने शुरुआती दोनो ही दौर में दिल्ली और मुंबई की ओर से खेला था। दिल्ली तीसरे दौर के मैच में सौराष्ट्र, वहीं मुंबई की टीम छत्तीसगढ़ के खिलाफ उतरी।

विराट ने दिल्ली के लिए अपने दो मैचों में काफी रन बनाये। आंध्र प्रदेश के खिलाफ उन्होंने 131 जबकि गुजरात के खिलाफ 77 रन बनाये। दूसरी ओर रोहित शर्मा ने सिक्किम के खिलाफ 155 रन बनाये पर उत्तराखंड के खिलाफ वह शून्य पर ही आउट हो गये।

रोहित और विराट इस मैच में खेलने इसलिए नहीं उतरे क्योंकि शुरुआत में ही दोनो ने दो-दो मैच खेलने की बात कही थी। दोनो को ही क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इन दोनों दिग्गजों ने केवल दो मैचों खेलने पर सहमति दी थी जो पूरे हो गये, इसलिए ये तीसरे मैच में नहीं उतरे।

ये अब विराट और रोहित पर निर्भर करता है कि वो इस टूर्नामेंट में आगे खेलते है या नहीं। अगले साल की शुरुआत में 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को 3 मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलनी है, ऐसे में अगर ये दोनो ही विजय हजारे ट्रॉफी के और मैचों में खेलते हैं तो इन्हें अभ्यास का अच्छा अवसर मिल सकता है। इसी को देखते हुए कोहली 6 जनवरी को रेलवे के खिलाफ होने वाले मुकाबले में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित के अब विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से आगे खेलने की संभावना नहीं है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है हालांकि ये दोनो टी20 सीरीज में खेलेंगे जिससे 2026 टी20 विश्व कप के लिए लय हासिल कर लें। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम सीधे ही विश्वकप में उतरेगी। ऐसे में बुमराह और पंड्या के सभी पांच मुकाबले खेलने की संभावना है।

न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास लिया

आकलैंड । न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। 35 साल के ब्रेसवेल फिटनेस से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे थे। इसी कारण उन्होंने अचानक ही ये फैसला किया है। वह पसली की चोट के कारण घरेलू क्रिकेट में भी नहीं खेल पा रहे थे। ब्रेसवेल ने अपने करियर में न्यूजीलैंड की ओर से 28 टेस्ट, 21 एकदिवसीय और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 38.82 की औसत से कुल 74 विकेट लेने के साथ ही 13.85 के औसत से 568 रन बनाए हैं। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन साल 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होबार्ट टेस्ट में रहा है जिसमें उन्होंने 9 विकेट लिए थे। जिससे न्यूजीलैंड ने उस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 7 रनों से हराया था। यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर न्यूजीलैंड की अंतिम टेस्ट जीत थी। ब्रेसवेल ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 32.50 की औसत से 26 विकेट लेने के साथ ही 18.41 के औसत से 221 रन बनाए हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में ब्रेसवेल के नाम पर 20 विकेट के साथ ही 226 रन भी हैं। वह आईसीसी मेन्स टी20 विश्व कप 2012 में भी न्यूजीलैंड की टीम में शामिल रहे हैं। ब्रेसवेल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2023 में श्रीलंका के खिलाफ वेलिंगटन में एक टेस्ट मैच खेला था। ब्रेसवेल ने इंडियन प्रीमियर लीग में भी साल 1012 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मैच खेला था। इसमें उन्होंने 3 विकेट लेने के साथ ही 12 रन भी बनाये। ब्रेसवेल ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, क्रिकेट मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। बचपन से ही मेरा सपना देश के लिए खेलना था। मुझे जो अवसर मिले, उनके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंग। फर्स्ट क्लास और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना मेरे लिए सौभाग्य की बात रहा है।

आईपीएल 2026 के लिए केकेआर ने वाटसन को जोड़ा

कोलकाता। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच की जिम्मेदारीद निभाते नजर आयेंगें। वह इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए थे। अब वह मुख्य कोच अभिषेक नायर के साथ काम करेंगे। वॉटसन ने अपने करियर में 59 टेस्ट, 190 एकदिवसीय और 58 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। वॉटसन आईपीएल में एक बेहतरी खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने 12 सत्र खेले हैं। उन्होंने 2008 में राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के पहले सीरीज में शानदार जीत दिलाई थी। केकेआर ने सोशल मीडिया में वॉटसन को सहायक कोच बनाए जाने की पुष्टि की है। केकेआर के सीईओ वैंकी मैसूर ने सोशल मीडिया में लिखा, केकेआर परिवार में शेन वॉटसन का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उच्चतम

स्तर पर एक खिलाड़ी और कोच के रूप में उनका अनुभव हमारी टीम संस्कृति और तैयारी में अहम भूमिका निभाएगा। । टी20 प्रारूप की उनकी समझ काफी अच्छी है। हम मैदान के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके अच्छे योगदान की उम्मीद करते हैं। वहीं वॉटसन ने कहा, केकेआर जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान व गर्व की बात है। मैंने हमेशा केकेआर के प्रशंसकों के जुनून और टीम की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की है। मैं कोलकाता को एक और खिताब दिलाने के लिए पूरी ताकत से काम करने के लिए उत्सुक हूं। वॉटसन का आईपीएल में एक खिलाड़ी और कोच के रूप में लंबा अनुभव रहा है, जो केकेआर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

वह 2022 और 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। वहीं बतौर खिलाड़ी वॉटसन के आईपीएल करियर पर गौर करें तो 145 मैचों में 4 शतक और 21 अर्धशतक लगाते हुए 137.91 की स्ट्राइक रेट और 30.99 की औसत से 3,874 रन बनाए हैं। साथ ही 92 विकेट हासिल किए हैं।

अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर पर नजर डालें तो, 58 मैचों में 1 शतक और 10 अर्धशतक की मदद से 1,462 रन और 48 विकेट हैं।

भूटान के स्पिनर सोनम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में बनाया नया विश्व रिकार्ड

चार ओवरों में केवल सात रन देकर आठ विकेट लिए

गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी। भूटान के बाएं हाथ के स्पिनर सोनम येशे ने यहां म्यांमार के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार ओवरों में केवल सात रन देकर आठ विकेट लेकर नया रिकार्ड बनाया है। 22 साल के सोनम किसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आठ विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज हैं। भूटान ने इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 127 रन बनाये थे। जिसके जवाब में विरोधी टीम म्यांमार 45 रनों पर ही सिमट गयी। इस सीरीज में येशे ने अब तक चार मैच में 12 विकेट लिए हैं।

येशे से पहले पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय के केवल दो गेंदबाजों ने ही सात विकेट लिए हैं। स्याजरुल इद्रस ने साल 023 में चीन के खिलाफ मलेशिया की ओर से 7 विकेट लेकर 8 रन दिए थे जबकि अली दाऊद ने साल 2025 में भूटान के खिलाफ बहरीन की ओर से 19 रन देकर 7 विकेट लिए थे। इसके अलावा कॉलिन एकरमैन ने साल 2019 में बर्मिंघम बियर्स के खिलाफ लीसेस्टरशायर की ओर से 7 विकेट लेकर 18 रन दिए थे जबकि तस्कीन अहमद ने साल 2025 में ही ढाका कैपिटल्स के खिलाफ दरबार राजशाही की ओर से 19 रन देकर सात विकेट लिए थे। दूसरी ओर महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन इंडोनेशिया की रोहमलिया द्वारा 2024 में मंगोलिया के खिलाफ 7 विकेट पर 0 रन का रहा है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एटकिंसन एशेज के अंतिम टेस्ट से बाहर हुए

सिडनी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। एटकिंसन को मेलबर्न में खेले गये चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में चोट लग गयी थी। एशेज का पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 4 से 8 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। एटकिंसन का बाहर होना मेहमान टीम इंग्लैंड के लिए करारा झटका है क्योंकि इस गेंदबाज ने चौथे टेस्ट में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अनुसार एटकिंसन को बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है जिसके कारण वह इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट पायी गयी है जिसके लिए उन्हें आराम करना पड़ेगा। एटकिंसन को चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के दौरान पांचवां ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था। ईसीबी के अनुसार इस तेज गेंदबाज की जगह किसी और खिलाड़ी का बुलाने का उसका कोई इरादा नहीं है। एटकिंसन ने इस सीरीज में पहले, दूसरे और चौथे टेस्ट मैच में खेला था। पहले मैच में वह विकेट नहीं ले पाये थे पर उन्होंने दूसरी पारी में 37 रन बनाये थे।

मंधाना ने 10,000 रन पूरे कर मिताली का रिकार्ड तोड़ा

त्रिवेंद्रम । भारतीय महिला क्रिकेट की अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने यहां श्रीलंका के खिलाफ हुए चौथे टी20 मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान दो बड़े रिकार्ड भी अपने नाम किये है। इस मैच में मंधाना ने अपनी 80 रनों की पारी के दौरान ही 10,000 रन पूरे किये। वहीं मंधाना ये आंकड़ा सबसे तेजी से हासिल करने वाली पहली क्रिकेटर बन गई हैं। मंधाना ने जैसे ही अपने 27 रन बनाये वह 10000 रन बनाने वाली क्रिकेटर बन गयीं। महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने रन बनाने वाली वह चौथी खिलाड़ी है। इससे पहले भारत की मिताली राज, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और इंग्लैंड की शार्लोट एडवर्ड्स ने ही इतने रन बनाये थे। इसी के साथ ही मिताली राज का सबसे तेज 10000 रनों का रिकार्ड भी टूट गया। मंधाना ने अपने दस हजार रन 281 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बनाये जबकि मिताली ने ये रन 291 मैचों में बनाये थे। इसी के साथ वह महिला क्रिकेट में सबसे तेजी से 10,000 रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गईं हैं। वहीं इस मैच में तीन छक्के लगाते ही उनके कुल 78 छक्के हो गये हैं और वह सबसे अधिक छक्के लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी है। इससे पहले भारत की ओ से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 186 ञ्च20द्ध मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे। हरमनप्रीत ने 186 टी20 मैचों में कुल 78 छक्के लगाए थे ।

साल 2025 में विश्व कप के बाद महिला क्रिकेटरों की ब्रांड वैल्यू कई गुना बढ़ी

करार के लिए विज्ञापनादाता कंपनियों की लगी कतार

नई दिल्ली। इस साल महिला विश्वकप क्रिकेट ट्रॉफी जीतने के बाद ही भारतीय टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू बढ़ने से उनपर पैसे की बरसात हुई है।

टीम की खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू एकदम से बढ़ी है और उनके साथ करार के लिए कई कंपनियां आतुर हैं। स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ियों की ब्रांड वैल्यू दोगुनी से भी अधिक हो गयी है।

इन खिलाड़ियों को अपने विज्ञापन में शामिल करने के लिए ऑटोमोबाइल कंपनियों से लेकर बैंक और एफएमसीजी तक शामिल हैं। इसके अलावा खेल सामग्री बनाने वाली कंपनियां, जीवनशैली, सौंदर्य प्रसाधन से जुड़ी कंपनियां भी इन्हें अपना ब्रांड एंबेस्डर बनाना चाहती हैं। मंधाना, ऋचा घोष और राधा यादव का प्रबंधन करने वाली कंपनियां भी इससे उत्साहित हैं और उनका मानना है कि ऐसा पहली बार हुआ है। इससे तय है कि महिला क्रिकेटरों का भविष्य उज्जवल है।

प्रबंधन से जुड़ी कंपनियों की एक प्रमुख ने कहा, 'हम उनके ब्रांड मूल्य में तेज उछाल देख रहे हैं। शीर्ष स्तर की किसी खिलाड़ी के विज्ञापन मूल्य में दो से तीन गुना तक बढ़ोतरी हो गई है। जेमिमा की कीमत 60 लाख रुपये से बढ़कर लगभग 1.5 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। शैफाली की कीमत 40 लाख रुपये से बढ़कर लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। हमें शीर्ष खिलाड़ियों के लिए 25-55 फीसद की बढ़त की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें यह भी उम्मीद है कि यह जीत वाणिज्यिक बाजार में महिला क्रिकेट को मजबूत करेगी, जहां ब्रांड अल्पकालिक अभियान के बजाय दीर्घकालिक साझेदारी पर ध्यान देते हैं। महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और प्रशंसकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी ने भी खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि में योगदान दिया है। उन्होंने बताया, 'जेमिमा के फॉलोअर्स की संख्या दोगुनी 33 लाख हो गई है और शैफाली के फॉलोअर्स की संख्या में लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। बड़ा बदलाव यह है कि ब्रांड अब उन्हें केवल क्रिकेट सत्र तक सीमित चेहरे के रूप में नहीं देखते हैं और इससे खिलाड़ियों के ब्रांड मूल्य में वृद्धि हो रही है।

महिलाएं उन ब्रांडों का प्रचार करके एक और सफलता हासिल करने के लिए तैयार हैं, जिनका अब तक प्रचार पुरुष खिलाड़ी करते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम भारत में महिला खिलाड़ियों के लिए खेल सामग्री, जीवनशैली, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल तथा शिक्षा जैसे विभिन्न उद्योगों में रुचि देख रहे हैं। उत्साहजनक बात यह है कि शीर्ष महिला क्रिकेटर अब उन क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रही हैं जिन्हें पहले पुरुष-प्रधान माना जाता था। स्मृति हुंडई, गल्फ ऑयल, एसबीआई बैंक, पीएनबी मेटलाइफ जैसे ब्रांडों से जुड़ी हैं, जो पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान क्षेत्र रहे हैं।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 29 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर जी एस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ तत्परता से निराकरण किया जाए। कोई भी शिकायत एल-1 स्तर के अधिकारी द्वारा नाट-अटेंडेंट नही पायी जाना चाहिए। यदि ऐसा पाया जाएगा तो संबंधित अधिकारी का वेतन काटने की कार्यवाही की जाएगी। समीक्षा की दौरान जो शिकायते एल-1 स्तर के अधिकारी द्वारा नाट-अटेंडेंट पायी गई उनका 01 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। बैठक में जिला रोजगार अधिकारी को निर्देशित किया गया कि रोस्टर बनाकर 15 दिनों के भीतर जिले की सभी जनपद पंचायतों में रोजगार मेलो का आयोजन करें।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया कि वे शालाओं का सतत निरीक्षण करें और शिक्षकों की ई-अटेंडेंस पर कड़ी निगरानी रखे। इस दौरान लोकेशन चेंज कर ई-अटेंडेंस लगाने वाले शिक्षको की जानकारी एकत्र करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि शाला की लोकेशन से अटेंडेंस नही लगाने वाले शिक्षको का वेतन काटा जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि नलजल योजनाओं के शेष कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करें। शासकीय सेवको के लंबित पेंशन प्रकरणों की

समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि न्यायालयीन प्रकरणों को छोड़कर शेष प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करें। सम्बंधित विभाग के अधिकारी भी इस बात का ध्यान रखे कि सेवानिवृत्त शासकीय सेवक का पेंशन प्रकरण अनावश्यक लंबित न रहे।

100 साल बाद संघ में खत्म हो रही प्रांत प्रचारक की व्यवस्था....अब संभाग प्रचारक

2026-27 से इस नई व्यवस्था को लागू किया जा सकता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने 100 साल पूरे कर चुका है। देश के सबसे बड़े गैर-राजनीतिक संगठन ने इस बीच बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। इसके तहत वह अपने संगठन की संरचना में बदलाव करने जा रहा है। इस बदलाव के तहत अब प्रांत प्रचारक की व्यवस्था आरएसएस में समाप्त होगी। आरएसएस की कार्य पद्धति में प्रांत प्रचारक को बड़ा महत्व मिलाता रहा है, लेकिन अब उनके स्थान पर संभाग प्रचारक की व्यवस्था लागू होगी। अब तक संघ अपनी सुविधा के अनुसार एक राज्य में कई प्रांत रखता था। जैसे यूपी में ही मेरठ प्रांत, ब्रज प्रांत, अवध प्रांत, गौरक्ष प्रांत, काशी प्रांत, कानपुर प्रांत रहे हैं। इस प्रकार यूपी में 6 प्रांत होते थे, लेकिन अब प्रांत नहीं संभाग होगा।

संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में यह फैसला हुआ था। इस फैसले को अब मार्च में होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में रखा जाना था। लेकिन इसके पहले ही इसकी जानकारी मीडिया में आ गई है। संघ के एक वरिष्ठ प्रचारक ने बताया कि 2026-27 से इस नई व्यवस्था को लागू किया जा सकता है। इसके तहत अब प्रांत प्रचारक की जगह संभाग प्रचारक लेने वाले हैं जिसके तहत दो कमिश्नरी को मिलाकर एक संभाग प्रचारक होगा। अब तक प्रांत प्रचारक का क्षेत्र बड़ा होता था, लेकिन संभाग प्रचारक का क्षेत्र थोड़ा कम होगा। इससे समन्वय और जमीनी स्तर तक पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं क्षेत्र प्रचारक की व्यवस्था को खत्म किया जा रहा है।

अब क्षेत्र प्रचारक की जगह राज्य प्रचारक होगा। आरएसएस की व्यवस्था में ऐसा पहली बार होगा। इससे पहले क्षेत्र प्रचारक होते थे, जो कई बार दो, तीन या फिर उससे अधिक प्रांतों को मिलाकर बने क्षेत्र में काम देखते थे। अब राज्य प्रचारक होगा और इनका काम राज्य स्तर पर होगा। इसके तहत एक राज्य में एक राज्य प्रचारक होगा और पहले की तरह दो क्षेत्र प्रचारक नहीं। माना जा रहा है कि इससे पूरे राज्य का समन्वय बेहतर होगा। जैसे यूपी का ही उदाहरण लें तब अब तक एक क्षेत्र प्रचारक पूर्वी यूपी का होता था, जिसके अंतर्गत अवध, काशी, गोरक्ष और कानपुर प्रांत आते थे।

इस प्रकार पश्चिम यूपी का एक क्षेत्र प्रचारक होता था। इसके तहत मेरठ, ब्रज और उत्तराखंड प्रांत आते थे। अब यह व्यवस्था समाप्त होगी। यूपी का एक राज्य प्रचारक और उत्तराखंड का एक अलग राज्य प्रचारक होगा। वहीं राजस्थान प्रांत को उत्तर क्षेत्र में मिलाने की तैयारी है। अब तक उत्तर क्षेत्र में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर ही शामिल थे। अब राजस्थान को भी इसी का हिस्सा बनाने की तैयारी है। माना जा रहा है कि इससे पूरे राज्य का एक यूनिट के तौर पर काम देखा जा सकेगा। इसके अलावा प्रांत की बजाय संभाग के तौर पर काम करने से निचले स्तर तक निगरानी तंत्र बेहतर होगा। नई व्यवस्था के तहत देशभर में 9 क्षेत्र प्रचारक और कुल 75 संभाग प्रचारक बनाए जाएगें।

आत्मा परियोजना अंतर्गत किसानों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण हेतु दल रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आत्मा परियोजना अंतर्गत सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन के तहत जिले के कृषकों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विकासखंड बालाघाट, कटंगी एवं लालबर्रा से चयनित कृषकों का दल जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय ने हरी झंडी दिखाकर प्रशिक्षण दल को रवाना किया एवं कृषकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने तथा सीखी

गई तकनीकों को अपने क्षेत्र में अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन एवं अन्य सहायक कृषि गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को समन्वित कृषि प्रणाली से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है। कृषि विभाग द्वारा आशा व्यक्त की गई कि प्रशिक्षण उपरांत किसान आधुनिक तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाएंगे तथा अन्य कृषकों को भी प्रेरित करेंगे।

केंद्र ने 79,000 करोड़ के रक्षा प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं और युद्धक प्रभावशीलता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक बड़ा रणनीतिक निर्णय लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने सोमवार को लगभग 79,000 करोड़ रूपए के रक्षा खरीद प्रस्तावों के लिए आवश्यकता स्वीकृति प्रदान की। यह मंजूरी मुख्य रूप से भविष्य के युद्धक्षेत्र की जरूरतों, जैसे ड्रोन तकनीक, सटीक मारक क्षमता और उन्नत रडार प्रणालियों पर केंद्रित है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन परियोजनाओं से भारतीय रक्षा उद्योगों, विशेषकर रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों और निजी क्षेत्र के एमएसएमई को बड़े पैमाने पर ऑर्डर मिलेंगे, जिससे देश में रोजगार और तकनीकी नवाचार को गति मिलेगी।

हीरापुर में कवि गोष्ठी 31 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 31 दिसंबर 2025 को अलविदा करके नए वर्ष 2026 के स्वागत में ग्राम हीरापुर भरवेली के शिवा गार्डन वार्ड नंबर 5 कॉलोनी में विराट कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया है। दोपहर 1ः00 बजे से शाम 5ः00 बजे तक आयोजित इस विराट कवि गोष्ठी में जिले के कवियों को आमंत्रित किया गया है।

भूपेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट के अरावली पर फैसले का स्वागत किया

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट के अरावली पर फैसले का स्वागत किया और अरावली पहाड़ियों की सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, मैं अरावली रेंज से जुड़े अपने आदेश पर रोक लगाने और मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक नई कमेटी बनाने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का स्वागत करता हूं। हम अरावली रेंज की सुरक्षा और बहाली में एमओईएफसीसी से मांगी गई सभी सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मौजूदा स्थिति के अनुसार, नई माइनिंग लीज या पुरानी माइनिंग लीज के रिन्यूअल के संबंध में माइनिंग पर पूरी तरह से रोक जारी है।

भूपेंद्र यादव का कहना है कि यह कदम अरावली की प्राकृतिक सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है। सरकार इस दिशा में पूरी तरह से सक्रिय है और एमओईएफसीसी के जरिए सभी आवश्यक मदद दी जाएगी।

अरावली हिल्स की परिभाषा को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और सोमवार को सुनवाई हुई। फिलहाल, सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले को स्थगित कर दिया है।

कोविड के बाद पॉल्यूशन भारत का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट

नई दिल्ली। भारत में वायु प्रदूषण कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बन चुका है। ब्रिटेन में काम करने वाले भारत के कई सीनियर डॉक्टरों ने न्यह दावा किया है। डॉक्टरों ने कहा कि आने वाले सालों में प्रदूषण से लोगों की सेहत और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर तत्काल और ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या हर साल और गंभीर होती जाएगी। डॉक्टरों ने कहा कि पिछले 10 सालों में हृदय रोगों में बढ़ोतरी को अक्सर मोटापे से जोड़ा गया, लेकिन इसमें कारों और विमानों से निकलने वाले जहरीले तत्वों की बड़ी भूमिका है। इंग्लैंड स्थित लिवरपूल में कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट (फेफड़ों के डॉक्टर) और भारत सरकार की कोविड-19 एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य मनीष गौतम ने कहा कि वायु प्रदूषण पर सरकार का नया फोकस जरूरी है, लेकिन इसमें काफी देरी हो चुकी है। गौतम के पास यूके की नेशनल हेल्थ में 20 सालों से ज्यादा का अनुभव है।

मनीष गौतम कहते हैं कि भारत में प्रदूषण नियंत्रण और रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण कदम पहले से मौजूद हैं, लेकिन वे अब इस रोक पाने के लिए अपने आप में काफी नहीं हैं। उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों में नुकसान पहले ही हो चुका है। जो इलाज हो रहा है, वह समस्या का केवल एक छोटा हिस्सा है।

लंदन के सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ) राजय नारायण ने कहा कि वायु प्रदूषण से हृदय, सांस, न्यूरोलॉजिकल और अन्य बीमारियों के बीच संबंध को लेकर पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्रवाई में देरी से स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ बढ़ेगा। नारायण ने कहा कि सिरदर्द, थकान, हल्की खांसी, गले में जलन, पाचन संबंधी दिक्कत, आंखों में सूखापन, त्वचा पर रैश और बार-बार संक्रमण जैसे शुरुआती लक्षण अक्सर मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, जबकि ये गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकते हैं।

बर्मिंघम के मिडलैंड मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट प्रोफेसर डेरेक कॉनॉली ने कहा- प्रदूषित शहरों में मौसम साफ होने पर भी लोगों में प्रदूषण के छोटे-छोटे कणों (पार्टिकुलेट मैटर) के कारण दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा रहता है। उनके मुताबिक, हृदय रोग एक धीमी प्रक्रिया है, जिसमें अचानक हालात बिगड़ने जाते हैं। पार्टिकुलेट मैटर आंखों से नहीं दिखते। इसे ब्लड प्रेशर या कोलेस्ट्रॉल की तरह आसानी से मापा नहीं जा सकता, इसलिए लोग इसके खतरे को नहीं समझ पाते। डॉक्टरों के मुताबिक, दिसंबर में दिल्ली के अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 20 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इनमें कई युवा और पहली बार इलाज कराने वाले मरीज शामिल थे। डॉक्टरों ने कहा कि सांस से जुड़ी बीमारियों का एक बड़ा हिस्सा अब भी बिना पहचान और इलाज के है।

पृष्ठ 01 का शेष....

चुटका परमाणु बिजलीघर के लिए सबसे बड़ा खतरा यहाँ की भूकंपीय पट्टी है

आशंका का कारण यह भी

700-700 मेगावाट के चुटका में प्रस्तावित परमाणु परियोजना के डिजाइन का संयंत्र भारत में कहीं भी नहीं बना है और यह केनेडा और अमेरिका द्वारा भारत में निर्मित बहुत छोटे से संयंत्र का बड़ा रूप है। चूंकि इतना बड़ा संयंत्र प्रायोगिक तौर पर पहली बार निर्मित हो रहा है। इसकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। लोग इस खतरे को सहने के लिए तैयार नहीं है।

जिस समय चुटका परियोजना को योजना आयोग से मंजूरी मिली थी तब सौर ऊर्जा से बिजली पैदा करना महंगा होता थाए आज स्थिति बदल गई है। अब सौर ऊर्जा परमाणु विद्युत से सस्ती पड़ती है। वर्तमान कीमतों पर वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत का तुलनात्मक अध्ययन करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि परमाणु ऊर्जा घातक, महंगी और पर्यावरण विनाशक होने के कारण अन्य ऊर्जा स्त्रोतों से नुकसानप्रद है।

कैंसर का खतरा

बताया गया है कि प्रभावित गांववासियों ने अपने कुछ प्रतिनिधियों को रावतभाटा एवं अन्य परमाणु संयंत्र का भ्रमण करने के लिए भेजा था। जिससे पता चला कि संयंत्र के आसपास 12 किलोमीटर की परिधि में प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। परियोजना से 35 किमी तक की परिधि में केंसर, विकलांगता, नपुंसकता एवं पशुओं में गंभीर बीमारियां पाई गई। इस अनुभव के बाद चुटका परमाणु संयंत्र से होने वाली क्षति को रोकने परियोजना को रद्द किया जाना चाहिए।

संयंत्र से निकलने वाली रेडियोधर्मी वाष्प का आसपास के 50 किलोमीटर क्षेत्र में फैलाव होगा। बरसात के साथ वह खेतों में गिरेगा। वहां उगने वाली फसल और चारा रेडियोधर्मी हो जाएंगे। उसे खाने वाले मनुष्य और पशु बीमार होंगे। इस प्रकार परियोजना लोकस्वास्थ्य और पर्यावरण विरोधी होने के कारण रद्द किये जाने योग्य है।

विद्युत परियोजनाओं के कारण आसपास के जंगल और जैव-विविधता नष्ट हो जाते हैं। चुटका के आसपास घने जंगल हैं जो नष्ट हो जाएंगे और पर्यावरण को अपूरणीय क्षति होगी, जिसकी भरपाई असंभव है अतः परियोजना रद्द की जानी चाहिए।

परमाणु पावर प्लैमट का रेडिएशन कितने किलोमीटर तक

परमाणु पावर प्लांट (परमाणु ऊर्जा संयंत्र) से निकलने वाले विकिरण की दूरी कई बातों पर निर्भर करती है, लेकिन एक आपातकाल (जैसे चेरनोबिल) में यह हवा के साथ सैकड़ों किलोमीटर (500 किमी तक) फैल सकता है, जबकि सामान्य संचालन में यह बहुत कम होता है और 30 किमी के दायरे में 卐बहिष्करण क्षेत्र卐 (एक्सक्लुशन जोन) होता है, हालांकि हवा की दिशा और तीव्रता से यह और दूर तक जा सकता है, जिससे क्षेत्रीय प्रदूषण (फॉलोऊट) होता है, जो कई किलोमीटर तक फैल सकता है।

विकिरण की सीमा को प्रभावित करने वाले कारक:

1. आपातकाल की प्रकृति (एक्सपलोज़न 1ह्य. लीक)=

परमाणु विस्फोट (न्यूक्लियर एक्सपलोज़न)= इससे निकलने वाला विकिरण (शॉक, गर्मी, प्रारंभिक विकिरण, और रेडियोधर्मी फॉलआउट) मीलों तक विनाश करता है, और फॉलआउट वायुमंडल में 50 मील (लगभग 80 किमी) तक ऊँचाई तक पहुँच सकता है और फिर हवा के साथ कई सौ किलोमीटर दूर तक फैल सकता है।

पावर प्लांट का रिसाव (प्लांट लीक)= चेरनोबिल जैसी घटना में, रेडियोधर्मी सामग्री हवा के साथ लगभग 500 किमी उत्तर तक फैल गई, जिससे बड़े क्षेत्र दूषित हुए।

2. हवा और मौसम (विंड × वेदर)= सबसे महत्वपूर्ण कारक हवा की दिशा और गति है, जो विकिरण को दूर-दूर तक ले जाती है।

3. पलायन क्षेत्र (एक्सक्लुशन जोन)= पावर प्लांट के आसपास 30 किमी के क्षेत्र को अक्सर बहिष्करण क्षेत्र माना जाता है, जो लगभग निर्जन होता है।

सामान्य स्थिति में= विकिरण बहुत कम होता है और नियंत्रित किया जाता है।

गंभीर दुर्घटना (जैसे चेरनोबिल)= विकिरण 30-50 किमी के दायरे में बहुत तीव्र होता है, लेकिन हवा के साथ यह 500 किमी या उससे भी अधिक तक फैल सकता है, जिससे व्यापक प्रदूषण होता है।

अब यह डरावनी स्थिति के सवाल भी मौजुं है कि क्या हमारी आने वाली पीढ़ियां निश्चिन्त होकर नर्मदा घाटी के इस पार के भूकंपीय पट्टी में बन रहे इस विशालकाय परमाणु बिजलीघर और भूकंप के बीच रह सकती है? आसपास के आधा दर्ज़न जिलों तक इसका दुर्घटना की अवस्था में विकीरण फ़ैलना तय है. क्या हमारे हुकमरान एक और चेरनोबिल और फुकोसीमा नहीं बना रहे है। **(समाप्त)**

लोगों को तब ज्यादा दिक्कत होती है जब मैं ईद में जाती हूं - ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि लोगों को तब ज्यादा दिक्कत होती है जब मैं ईद में जाती हूं। मैं सेक्यूलर हूं और मैं सभी धर्मों का सम्मान करती हूं। मैं अपने राज्य और देश से बेहद प्यार करती हूं। आपको बता दें कि सीएम ममता बनर्जी ने कोलकाता में दुर्गंगन की आधारशिला रखी है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि मैं आज का कार्यक्रम बंगाल के लोगों और बंगाल की धरती को समर्पित करती हूं।

उन्होंने आगे कहा कि इस प्रोजेक्ट के लिए टेंडर फाइनल हो चुका है,अब निर्माण शुरू होगा। आज का दिन बेहद शुभ है। हम चाहते हैं कि बंगाल के दुर्गंगन के लिए यूनेस्को मान्यता को सुरक्षित और उजागर करना चाहते हैं। पहले की साइट 12 एकड़ थी, यह बड़ी है और अधिक कार पार्किंग की आवश्यकता है। यह एक सुविधाजनक स्थान है।इसमें 1 लाख श्रद्धालुओं को रखने की क्षमता है।

सीएम ममता ने कहा कि धर्म व्यक्तिगत पसंद है लेकिन त्यौहार सभी के लिए हैं। इसमें 365 दिन मां दुर्गा को समर्पित रहेंगे। वहीं प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। परिसर में हमारी दुकानें भी होंगी।दुर्गनंग के लिए खाका तैयार है।आज से काम शुरू हो जायेगा। मंदिर प्रांगण में एक लाख श्रद्धालु समा सकते हैं। चारों ओर पेड़ होंगे। 1000 खंभे खड़े किए जाएंगे। गर्भगृह सेंटोरम 69 फीट ऊंचा होगा।

कच्छ में 24 बार लगे भूकंप के हल्के झटके बढ़ी चिंता, एक्सपर्ट बोले- तैयारी करें

-इन झटकों से पता चला क्षेत्र में तीन फॉल्ट लाइनें हो चुकी हैं सक्रिय

नई दिल्ली। गुजरात के कच्छ में शुक्रवार सुबह आए 4.6 की तीव्रता से आए भूकंप ने कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इसने 24 साल पहले की उस तबाही के जख्म ताजा कर दिए जिसमें हजारों लोग की जिंदगी बर्बाद हो गई थी। इस ताजा भूकंप के हल्के झटकों और जमीन के नीचे हलचल ने भी वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भूवैज्ञानिकों को इन झटकों के बाद क्षेत्र में तीन फॉल्ट लाइंस का पता चला है जो अब सक्रिय हो गए हैं। इनकी वजह से पहले से ही भूकंप के लिए संवेदनशील कच्छ को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य झटके के बाद 30 घंटे के अंदर 24 आफ्टरशॉक्स भूकंप के बाद हल्के झटके भी लगे। शुक्रवार को तड़के 4.30 बजे से शनिवार सुबह 9.45 बजे के बीच ये कंपन नॉर्थ वागड फॉल्ट से पैदा हुई। इसे इस क्षेत्र में सबसे सक्रिय माना जाता है। भूकंप के हालिया डेटा से पता चला है कि कथरोल हिल, गोरा डोंगर और नॉर्थ वागड़ फॉल्ट लाइनें एक साथ सक्रिय हो गई हैं। इसकी वजह से भारत के सबसे प्रमुख भूकंप संभावित क्षेत्र कच्छ को लेकर चिंता बढ़ गई है।

कच्छ पहले से ही 10 से ज्यादा फॉल्ट लाइनों पर स्थित है, जिनमें कच्छ मेनलैंड फॉल्ट और साउथ वागड़ फॉल्ट शामिल हैं, जो 2001 के विनाशकारी भूकंप के दौरान टूट गए थे। हाल तक अधिकांश भूकंपीय गतिविधियां इन्हीं ज्ञात क्षेत्रों के आसपास केंद्रित थीं। हालांकि, 2025 में दर्ज किए गए हालिया झटकों से पता चलता है कि तनाव नए फॉल्ट सिस्टमों में स्थानांतरित होकर फैल रहा है। भुज स्थित कच्छ यूनिवर्सिटी में जियोसाइंसेज डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर गौरव चौहान ने बताया कि नागर पार्कर और अल्लाह बंड जैसी पारंपरिक रूप से सक्रिय फॉल्ट लाइनों ने सालों से भूकंप उत्पन्न किए हैं, लेकिन अब चिंता की बात यह है कि हालिया झटकों ने नॉर्थ वागड़ फॉल्ट पर गतिविधि की पुष्टि की है, जबकि पिछले कुछ महीनों में काठरोल हिल और गोरा डोंगर फॉल्ट लाइनों पर दर्ज भूकंप यह संकेत देते हैं कि 2025 की शुरुआत से ही तीनों फॉल्ट लाइनें फिलहाल सक्रिय हो चुकी हैं। प्रोफेसर चौहान के मुताबिक 1 से 3 तीव्रता के आफ्टरशॉक्स ने एकत्रित ऊर्जा को निकलने में मदद की है जिससे तुरंत किसी बड़े भूकंप की आशंका कम होती है। उन्होंने कहा कि आफ्टरशॉक्स दबाव घटाते हैं, लेकिन कई फॉल्ट लाइंस का सक्रिय होना भी चेतावनी है। ये फॉल्ट बड़े भूकंप को उत्पन्न करने की क्षमता रखते हैं और इसलिए तैयारी बहुत अहम है। हालांकि शुक्रवार का भूकंप तीव्रता में मध्यम दर्जे का था, लेकिन इसके झटके पूरे कच्छ में महसूस किए गए। झटके इतने तेज थे कि लोग डरकर घर से बाहर निकल आए। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज झटकों का कारण भूकंप के केंद्र की कम गहराई थी। भूकंप वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि कच्छ में आने वाला कोई शक्तिशाली भूकंप केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। क्षेत्र की भू-आकृतिक संरचना को देखते हुए, तेज झटके पश्चिमी भारत के बड़े हिस्सों पर भी असर डाल सकते हैं, जिससे सतर्कता की जरुरत और भी बढ़ जाती है। उन्होंने अधिकारियों से हालिया भूकंपीय गतिविधि को एक चेतावनी के रूप में लेने को कहा और नियमित भूकंप मॉक ड्रिल, भवन निर्माण मानकों के सख्त पालन और स्कूल शिक्षा में आपदा तैयारी को शामिल करने की जरूरत पर जोर दिया।

बंद करो पूरा व्यापार, भारत के तगड़े ऐलान से घुटनों पर आया बांग्लादेश

नई दिल्ली। बांग्लादेश एक के बाद एक अपनी सारी हदें पार करता जा रहा है। दरअसल शायद बहुत ही कम लोग जानते हैं कि बांग्लादेश की पूरी जूट इंडस्ट्री असल में भारत के कंधों पर चलती है। जूट की खेती के लिए बांग्लादेश पूरी तरह भारत पर निर्भर है। हाई क्वालिटी, हाई यल्डिंग और डिसीज रेजिस्टेंट जूट के बीज भारत एक्सपोर्ट करता है। भारत ही इन्हीं बीजों से पैदा हुई बांग्लादेशी जूट बड़ी मात्रा में वापस खरीदता है। जिस हाथ से बीज खरीदा उसी हाथ को काटने की कोशिश की गई। यहां सबसे बड़ा विरोधाभास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है। सालाना उत्पादन 2 मिलियन टन है। भारतीय मिल्स, भारतीय फैक्ट्रियां, बांग्लादेशी जूट पर बड़े स्तर पर निर्भर हो चुकी हैं। और इसका फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में बांग्लादेश ने भारत के लिए रॉ जूट का एक्सपोर्ट बंद किया। बताया गया कि ये भारत के उस फैसले का बदला है जिसमें भारत ने बांग्लादेश से फिनिश्ड जूट गुड्स का इंपोर्ट बंद किया। अब असल वजह यह है कि बांग्लादेशी मैन्युफैक्चरर्स भारत में जूट प्रोडक्ट की डंपिंग कर रहे थे बेहद सस्ते दामों पर। नतीजा भारतीय जूट प्रोडक्ट का मार्केट खत्म हो रहा था। भारतीय मिल्स घाटे में जा रही थी। लाखों वर्कर्स की नौकरी खतरे में थी। इसी मजबूरी में भारत को फिनिश जूट गुड्स पर रोक लगानी पड़ी। यानी जब कोई व्यापार के नाम पर वार करे, तब जवाब भी व्यापार से दिया जाता है।

बांग्लादेश से रॉ जूट सप्लाई बंद होते ही भारतीय मिल्स को महंगी भारतीय जूट पर जाना पड़ा। प्रोडक्शन कॉस्ट कई गुना बढ़ गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन घट गया। नतीजा लाखों जूट वर्कर्स की नौकरियां खतरे में आ गई। हालांकि यह सच है कि यह सप्लाई शॉर्ट टर्म में रुकी है। लंबे समय में इंडस्ट्री भारतीय जूट पर शिफ्ट होगी।

न्यूज गैलरी

बैहर के परिवहनकर्ता दीपक कुशरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अंतर्गत अनाज परिवहन में अनियमितता के मामले में प्रशासन ने कड़ी कार्यवाही की है। विकासखंड बैहर अंतर्गत मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार योजना के तहत कार्यरत परिवहनकर्ता ग्राम लपटी-गढ़ी निवासी दीपक कुशरे द्वारा निर्धारित सेक्टर बिठली के ग्रामों में खाद्यान्न का समुचित परिवहन नहीं करने तथा झूठा शपथ पत्र देकर वितरण व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने के कारण बैहर के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश श्रीवास्तव द्वारा उसके खिलाफ बैहर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार योजना के तहत बिठली सेक्टर के ग्रामों में खाद्यान्न नहीं मिलने की शिकायत प्राप्त होने पर बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता ने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बैहर आकाश श्रीवास्तव को इसकी जांच करने के निर्देश दिये थे। जांच में तथ्य सामने आया कि परिवहनकर्ता द्वारा शपथ-पत्र प्रस्तुत करने के बावजूद निर्धारित दायित्वों का पालन नहीं किया गया। परिवहनकर्त्ता दीपक कुशरे द्वारा निर्धारित सेक्टर बिठली के ग्रामों में प्रतिमाह खाद्यान्न का परिवहन नहीं किया गया। जिसके कारण इस सेक्टर के ग्रामों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का शासकीय कार्य प्रभावित हुआ और उपभोक्ताओं को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध नहीं हो सका।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता द्वारा प्रकरण में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। जांच उपरांत परिवहनकर्ता के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) एवं 316(3) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही जारी रहेगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तत्काल संबंधित विभाग या प्रशासन को दें।

वो घटनाएं जो सुर्खियां बनीं

2025 में एपीके फाइल बनी साइबर ठगी का नया हथियार

एपीके फाइल भेजकर लोगों के खाते में डाका डालते रहे साईबर जालसाज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वर्ष 2025 में साइबर अपराध के मामलों में बीते तीन वर्षों की तुलना में वृद्धि दर्ज की गई है। साइबर शाखा का दावा है कि वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2025 तक साइबर सेल में दर्ज होने वाली शिकायतों की संख्या में कमी आई है, लेकिन आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि साइबर ठगी के नए तरीकों ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विशेष रूप से एपीके फाइल के माध्यम से की जा रही साइबर ठगी के मामलों में लगातार इजाफा देखा गया है। वर्ष 2023 से शुरू होकर वर्ष 2025 तक इस तरह की धोखाधड़ी का ग्राफ लगातार ऊपर की ओर बढ़ता गया। साइबर अपराधी मोबाइल में एपीके फाइल भेजकर लोगों को झांसे में ले रहे हैं और उनके बैंक खातों से बड़ी रकम साफ कर रहे हैं। पुलिस ने साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। पुलिस द्वारा 100 से अधिक साइबर जागरूकता अभियान चलाए गए, जिनमें ऑनलाइन ठगी से बचाव, संदिग्ध लिंक और एपीके फाइल डाउनलोड न करने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

वर्ष 2025 में साइबर अपराधों में इज़ाफा

बीते कुछ वर्षों से जिले में साइबर ठगी और साइबर क्राइम से जुड़े मामलों में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। पुलिस और साइबर सेल के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि भले ही शिकायतों की संख्या में आंशिक कमी आई हो, लेकिन साइबर अपराधों से होने वाला आर्थिक नुकसान लगातार बढ़ता चला गया है, जो गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। वर्ष 2023 में साइबर अपराधों को लेकर 800 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई थीं। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा घटकर करीब 700 शिकायतों तक पहुंचा। वर्ष 2025 में साइबर अपराधों के प्रति पुलिस द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियानों का असर यह रहा कि शिकायतों की संख्या घटकर 600 से अधिक दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद इस वर्ष भी अन्य वर्षों की तुलना में लाखों रुपये की साइबर ठगी की घटनाएं सामने आई हैं। वर्ष 2025 में नगर की एक महिला के साथ करीब 44 लाख रुपये की साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया, जिसने पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया। यह मामला लंबे समय तक चर्चा में रहा और इस वर्ष का सबसे गंभीर साइबर अपराध माना गया। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि साइबर अपराधी अब बड़े और सुनियोजित तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। इसी वर्ष एक और मामला काफी सुर्खियों में रहा, जिसमें कलेक्टर बालाघाट के नाम से फर्जी आईडी बनाकर कुछ लोगों से फर्नीचर बेचने के नाम पर रकम मागें जाने का मामला सामने आया था । मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्थान जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया, जिससे साइबर अपराधियों के हौसले पस्त हुए। जिले में ऐसे कई मामले हैं, जो आज भी जांच फाइलों में बंद हैं। वर्ष 2025 में ही लाखों रुपये की साइबर ठगी हुई है, जिनमें कई पीड़ित अब तक न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। साइबर सेल के पुलिसकर्मियों के अनुसार, अधिकतर ठगी के मामले मोबाइल हैकिंग और एपीके फाइल के जरिए सामने आए हैं। अज्ञात लिंक, एप्लिकेशन डाउनलोड करने के बाद लोगों के मोबाइल हैक हो गए और उनके बैंक खातों से रकम निकाल ली गई। आमजन की थोड़ी सी लापरवाही साइबर अपराधियों के लिए बड़ा अवसर बनती जा रही है। पुलिस का कहना है कि साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता, सतर्कता और समय पर शिकायत सबसे प्रभावी उपाय हैं। किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या एप्लिकेशन से दूरी बनाकर ही इस बढ़ते साइबर अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है।

एपीके फाइल से साइबर ठगी के मामले बढ़े

जिले में साइबर अपराध के नए-नए तरीके सामने आ रहे हैं। पुलिस भले ही वर्ष 2025 में कुल शिकायतों की संख्या में कमी होने की बात कर रही हो, लेकिन एपीके फाइल के माध्यम से होने वाली साइबर ठगी के मामलों में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2025 में कई आम नागरिकों के मोबाइल फोन एपीके फाइल डाउनलोड करने के बाद हैक हो गए, जिसके चलते पीड़ितों से लाखों रुपये की साइबर ठगी की गई। साइबर ठग शासन की नई योजनाओं, ई-चालान, शादी के निमंत्रण कार्ड जैसे आकर्षक संदेश भेजकर लोगों को एपीके फाइल डाउनलोड करवाते रहे। जागरूकता अभियानों के बावजूद लोग लालच और विश्वास में आकर ठगी का शिकार बन रहे हैं।

कलेक्टर की फर्जी फेसबुक आईडी पर हुई कार्यवाहीं

बीते कुछ महीने पहले बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीना के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर साइबर ठग द्वारा लोगों से ठगी किए जाने का मामला सामने आया था। आरोपी ने कलेक्टर के परिचितों और करीबियों को जोड़कर फर्नीचर बेचने के नाम पर ठगी की कोशिश कर रहा था। जिसकी जानकारी लगते ही इस संबंध में कलेक्टर के माध्यम से एसडीएम गोपाल सोनी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राजस्थान से आरोपी को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई साइबर अपराध के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता मानी गई थी ।

1300 से अधिक मोबाइल हुये गुम

वर्ष 2025 में जिले में मोबाइल गुम होने के मामलों में भी वृद्धि दर्ज की गई। साइबर सेल में 1300 से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से पुलिस ने तकनीकी सहायता से लगभग 600 से अधिक मोबाइल ट्रेस कर नागरिकों को वापस किए। इसे पुलिस की सराहनीय कार्रवाई माना जा रहा है।

वर्ष भर आती रहीं साइबर ठगी की शिकायतें

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिले में साइबर अपराध लगातार बढ़ रहा है। आमजन को जागरूक करने के बाद भी लुभावने ऑफर और अधिक कमाई के लालच में अपनी जमा पूंजी गंवा रहे हैं। वर्ष भर साइबर ठगी से जुड़ी शिकायतें थानों में दर्ज होती रहीं। पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान, शिविर और अन्य कार्यक्रम चलाए गए, बावजूद इसके लालच और अविश्वास के चलते लाखों रुपये की साइबर ठगी की घटनाएं सामने आती रहीं।

जिले में पांच सरपंच एवं 01 पंच के निर्वाचन के लिए शांतिपूर्ण मतदान संपन्न, 65.21 प्रतिशत मतदान दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2025 के अंतर्गत सरपंच एवं पंच पदों के लिए 29 दिसंबर को मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया गया। जिले के विभिन्न विकासखंडों में यह निर्वाचन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत झालीवाड़ा, जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुरी, जनपद पंचायत खैरलांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत कचेखनी, जनपद पंचायत परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत उकवा तथा जनपद पंचायत बिरसा अंतर्गत ग्राम पंचायत पल्हेरा में सरपंच पद के लिए निर्वाचन ईवीएम मशीनों के माध्यम से संपन्न कराया गया। सरपंच के निर्वाचन के लिए मतदान के उपरांत ईवीएम को स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। इसी क्रम में जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत भरवेली के वार्ड क्रमांक 3 में पंच पद का निर्वाचन बैलेट पेपर के माध्यम से कराया गया, जिसमें मतगणना मतदान केंद्र पर ही संपन्न हुई। मतगणना उपरांत कोमल कठौते को विजयी घोषित किया गया। जिले में कुल मतदान प्रतिशत 65.21 प्रतिशत दर्ज किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं संतोषजनक रहीं और मतदान शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रमाण पत्र 5 जनवरी 2026 को रिटर्निंग अधिकारी, बालाघाट द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं ने राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर रचा सफलता का इतिहास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, बालाघाट में अध्ययनरत छात्राओं ने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल संस्था बल्कि जिले का नाम भी रोशन किया है। इन प्रतिभाशाली छात्राओं को वीर बाल दिवस के अवसर पर जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, बालाघाट द्वारा सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट की छात्राओ ने जिले का नाम रौशन किया है। इस विद्यालय की कक्षा 8वीं की छात्रा प्राची टेकाम ने राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता रांची झारखंड में, कक्षा 10वीं की छात्रा आयशा मरावी व मोनिका मरकाम ने राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता बरेली (उ.प्र.) में तथा कक्षा 11वीं की छात्रा अर्चना धुर्वे ने एथलेटिक्स की राष्ट्रीय प्रतियोगिता भिवानी

हरियाणा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाया है। इस विद्यालय की 08 छात्राओं ने इटारसी एवं खंडवा में आयोजित राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किया है। विद्यालय की छात्रा कक्षा 8वीं की प्रतीक्षा धुर्वे, स्वाति वायाम, वसुंधरा धुर्वे व एंजल उइके ने इटारसी में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में विजेता टीम का हिस्सा रहीं है। इसी प्रकार विद्यालय की कक्षा 11वीं की छात्रा माधुरी मेरावी, नेहा नेताम, पूजा मरकाम और आंचल पंद्रे खंडवा में आयोजित राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में उपविजेता टीम का हिस्सा रही है। उल्लेखनीय है कि अनूसुचित जनजातीय वर्ग की ये छात्राएं जिले के विभिन्न दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से आकर माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, बालाघाट में अध्ययनरत हैं। विद्यालय के प्राचार्य पीके अंगुरे एवं पीटीआई कमलकिशोर तेलासे के मार्गदर्शन में छात्राओं ने विभिन्न स्तरों की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट श्रीमती शकुंतला डामोर व वन स्टाप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी द्वारा विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई है।

जेवरात चोरी होने के मानसिक तनाव में महिला ने खाई चूहामार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। घर से जेवराज चोरी होने के मानसिक तनाव में आकर एक महिला ने चूहा मार दवाई का सेवन कर ली ।चूहा मार दवाई के सेवन से अस्वस्थ महिला बसंती बाई पति हनस मोरधवरे 40 वर्ष ढीमरटोला बालाघाट निवासी है। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंती बाई के परिवार में पत्नी बच्चे नहीं है और वह अकेली ढीमरटोला में रहती है और मजदूरी करती है। 28 दिसंबर को बसंती बाई मजदूरी करने के लिए बाहर गई हुई थी और शाम 7:30 बजे करीब वह मजदूरी करके अपने घर आई थी और घर आने के बाद उसने अपने घर के संदूक खोलकर देखी संदूक के अंदर उसके कान के सोने के झुमके और चांदी के पायल नहीं थी। जिसके कारण बसंती बाई मानसिक तनाव में आ गई थी। रात में किसी तरह बसंती बाई सोई। किंतु 29 दिसंबर को 4:00 बजे बसंती बाई ने जेवराज चोरी होने के मानसिक तनाव में आकर चूहा मार दवाई का सेवन कर ली ।जिसे उसके जीजा ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

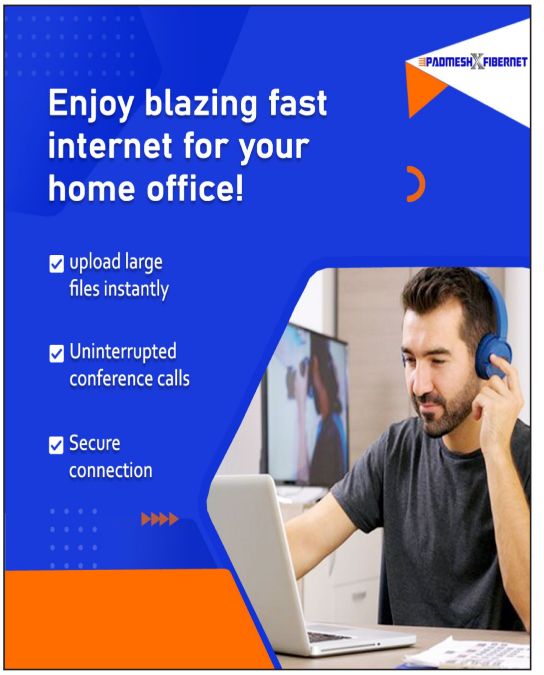

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट